3 **राजधानी**
एक जनवरी तक पटाखों पर लगा प्रतिबंध

6 **अभिमत**
हरियाणा चुनाव परिणाम के सबक

11 **विदेश**
ब्रिटेन में भारतीय पेशेवरों की संख्या सबसे अधिक

12 **स्पोर्ट्स**
तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा भारत

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 333
नई दिल्ली, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

डीजल में 15% एथनॉल मिलाने पर शोध उन्नत चरण में

राष्ट्रीय-9

सांप्रदायिक हिंसा से सुलगा बहराइच

बिस्वजीत बनर्जी। लखनऊ

महासी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान सांप्रदायिक झड़प के बाद बहराइच जिले में सोमवार को तनाव बढ़ गया। रविवार को भड़की हिंसा में 22 वर्षीय राम गोपाल मिश्रा नामक युवक की गोली लगने से मौत हो गई। बताया जाता है कि यह झड़प मंसूर गांव के महाराजगंज इलाके से गुजर रहे दुर्गा जुलूस में तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर शुरू हुई थी। इस विवाद के कारण हिंसा भड़क उठी, जिसमें पथराव और गोलीबारी की घटनाएं भी शामिल हैं, जिसमें करीब छह लोग घायल हो गए। तनाव बढ़ने पर सोमवार सुबह एक स्थानीय अस्पताल और कई दुकानों में आग लगा दी गई, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन ने अफवाहों को फैलने से रोकने और व्यवस्था बहाल करने के प्रयास में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दीं।

उत्तर प्रदेश के बहराइच में सांप्रदायिक झड़प में एक व्यक्ति की मौत के बाद हिंसा प्रभावित इलाके में तैनात सुरक्षाकर्मी।

बहराइच की पुलिस अधीक्षक (एसपी) वृंदा शुक्ला ने पुष्टि की कि हिंसा के सिलसिले में 30 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्रभावित इलाकों में व्यवस्था बनाए रखने और आगे की स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए पुलिस को तैनात किया गया है। सलमान नामक एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिसके घर से - जो एक दुकान के रूप में भी काम करता है - झड़प के दौरान गोलियां चलाई गईं। गृह सचिव संजीव गुप्ता और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) अमिताभ यश सहित अधिकारी स्थिति का आकलन करने और सुरक्षा प्रतिक्रिया का समन्वय करने के लिए बहराइच पहुंचे हैं। पुलिस ने क्षेत्र में अपनी स्पष्ट उपस्थिति सुनिश्चित करने और आगे की अशांति को रोकने के लिए फ्लैग मार्च किया है। इन प्रयासों के बावजूद, छिटपुट विरोध प्रदर्शन जारी रहे, स्थानीय लोगों ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए।

हिंसा के जवाब में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने घटना की निंदा की और उत्तर प्रदेश में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। मौर्य ने जनता से इस संवेदनशील समय में शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करते हुए कहा, राज्य के उज्ज्वल भविष्य के साथ छेड़छाड़ नहीं होने दी जाएगी। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने घटना पर चिंता व्यक्त की और प्रशासन की 'निष्क्रियता' की आलोचना की। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक बयान में, उन्होंने राज्य सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया और जनता से कानून को अपने हाथ में लेने से बचने का आग्रह किया। वाड्रा ने राज्य प्रशासन द्वारा जनता को विश्वास में लेने और अपराधियों को जवाबदेह ठहराने की आवश्यकता पर जोर दिया। बहराइच में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है, स्थानीय प्रशासन सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए काम कर रहा है। अफवाहों और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने के लिए इंटरनेट सेवाओं का निलंबन स्थिति स्थिर होने तक प्रभावी रहने की उम्मीद है। अधिकारियों ने समुदाय के नेताओं से भी शांति बनाए रखने में मदद की अपील की है।

क्या हुआ था: बहराइच में शुरुआती झड़प कथित तौर पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर विवाद से उपजी थी। तनाव बढ़ने के साथ ही, राम गोपाल मिश्रा की मौत के बाद स्थिति नाटकीय रूप से बिगड़ गई, जिससे स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। जवाबी कार्रवाई में, गुस्साए निवासियों ने वाहनों में तोड़फोड़ की और महाराजगंज बाजार क्षेत्र में कई संपत्तियों को आग लगा दी। मिश्रा के परिवार के अनुसार, जुलूस के साथ चलते समय उन्हें गोली मार दी गई और उन्हें पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी मौत हो गई। उनकी मौत ने क्षेत्र में पहले से ही अस्थिर माहौल को और बढ़ा दिया, जिससे आगजनी और संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की घटनाएँ और बढ़ गईं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हिंसा की निंदा की और आश्वासन दिया कि जिम्मेदार लोगों को सख्त परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि सांप्रदायिक तनाव के बावजूद मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया सुचारू रूप से जारी रहे। मुख्यमंत्री ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ विसर्जन को योजनाबद्ध तरीके से करने के लिए स्थानीय धार्मिक संगठनों के साथ समन्वय करने के महत्व पर जोर दिया।

बम के पांच फर्जी संदेशों से हड़कंप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक चिंताजनक प्रवृत्ति में, पांच फर्जी बम धमकी संदेशों ने सोमवार को दहशत पैदा कर दिया। मुंबई से रवाना होने वाले 600 यात्रियों के साथ तीन अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आज सुबह बम की धमकी के संदेश मिले। इसके अलावा, गुजरात स्थित नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी और मुंबई-हावड़ा मेल-ट्रेन नंबर 12809 को भी बम की धमकी के संदेश मिले, जो कि फर्जी साबित हुए। चूंकि किसी भी खतरे को गंभीरता से लिया जाता है, इसलिए एयर इंडिया मुंबई-न्यूयॉर्क की एक फ्लाइट को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डायवर्ट किया गया और दो अन्य को उनके गंतव्य के लिए आगे बढ़ने की अनुमति देने से पहले पूरी तरह से जांच के लिए विलंबित किया गया।

ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन (बीसीएएस) के अनुसार, प्रभावित उड़ानें एआई 119 थीं, जो कि मुंबई-न्यूयॉर्क एयर इंडिया की फ्लाइट थी जिसे आईजीआई एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया, इसमें इंडिगो मुंबई-मस्कट 6ई 1275 और मुंबई-जेद्दा 6ई56 भी शामिल हैं। फर्जी संदेशों ने उड़ान के शेड्यूल को बुरी तरह से बाधित कर दिया। इस तरह की धमकी मिलने पर एयरपोर्ट/विमान, यात्रियों और सामान की पूरी तरह से जांच की जाती है। पूर्ण मंजूरी मिलने में कई घंटे लग जाते हैं और तब तक कभी-कभी चालक दल द्वारा काम करने का अधिकतम समय समाप्त होने वाला होता है।

एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, मुंबई से जेएफके के लिए 14 अक्टूबर को संचालित होने वाली उड़ान एआई 119 को एक विशिष्ट सुरक्षा अलर्ट मिला और सरकार की सुरक्षा नियामक समिति के निर्देश पर, (इसे) दिल्ली की ओर मोड़ दिया गया। बयान में कहा गया है कि इस अप्रत्याशित व्यवधान से हमारे मेहमानों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए कर्मचारी काम कर रहे हैं। विमान में सवार सभी 258 लोग उतर चुके हैं और वर्तमान में सुरक्षा प्रक्रियाओं से गुजर रहे हैं। एक बार सुरक्षा प्रोटोकॉल पूरा हो जाने के बाद, यात्रियों को होटलों में ले जाया जाएगा। विमान में 239 यात्री और 19 चालक दल के सदस्य थे। एयरलाइन ने कहा कि उड़ान को पुनर्निर्धारित किया गया है और अब यह मंगलवार सुबह दिल्ली से न्यूयॉर्क के लिए रवाना होगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान की पूरी तरह से जांच की गई थी, और यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी लगन से पालन किया गया था। फ्लाइट ट्रैकिंग सेवा फ्लाइटरडार 24 के अनुसार, बोइंग **(शेष पृष्ठ 9)**

वक्फ संसदीय समिति की बैठक में नहीं शामिल हुए विपक्षी सांसद

पीएनएस। नई दिल्ली

कई विपक्षी सांसदों ने सोमवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति की बैठक का बहिष्कार किया। उनका आरोप था कि समिति नियमों और विनियमों के अनुसार काम नहीं कर रही है। हालांकि, भाजपा के वरिष्ठ सांसद जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी कार्यवाही जारी रखी। कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, डीएमके के ए राजा, शिवसेना (यूबीटी) के अरविंद सावंत, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, समाजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह जैसे विपक्षी सांसदों ने बैठक से बाहर निकलकर इसकी कार्यवाही के खिलाफ तीखी भावनाएं व्यक्त कीं। सावंत ने संवाददाताओं से कहा कि विधेयक की जांच कर रही संसद की संयुक्त समिति नियमों और विनियमों के अनुसार काम नहीं कर रही है। उन्होंने और कुछ अन्य सांसदों ने आरोप लगाया कि समिति के समक्ष गवाही दे रहे एक व्यक्ति द्वारा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे वरिष्ठ विपक्षी सदस्यों के खिलाफ व्यक्तिगत आरोप लगाने की अनुमति दी गई। विपक्षी सदस्यों ने बाद में अपनी अगली कार्रवाई तय करने के लिए एक अलग बैठक की, जिसमें से कुछ ने सुझाव दिया कि वे लोकसभा अध्यक्ष से संपर्क कर सकते हैं। **(शेष पृष्ठ 9)**

राजधानी में आज मिलेंगे मैतेई, कुकी विधायक

पीटीआई। इंफाल

मणिपुर में पिछले साल जातीय हिंसा भड़कने के बाद पहली बार मैतेई, कुकी और नगा समुदायों के कई विधायक गृह मंत्रालय की निगरानी में मंगलवार को नई दिल्ली में एक संयुक्त बैठक करने वाले हैं। अधिकारियों ने यह बताया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाली बैठक में तीन नगा विधायक शामिल होंगे, जबकि मैतेई और कुकी विधायकों की सही संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया, यह वार्ता केंद्र सरकार के संघर्षरत समुदायों के बीच संवाद को सुगम बनाने और संकट का समाधान खोजने के प्रयासों का हिस्सा है। मई 2023 से मणिपुर में जातीय हिंसा में 200 से ज़्यादा लोग मारे गए हैं और हज़ारों लोग बेघर हो गए हैं। एक आधिकारिक सूत्र ने बताया, नगा पक्ष से तीन विधायक - अवांगबौ न्यूमई, एल दिखो और राम मुइवा - नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल होंगे। मुइवा फिलहाल एक निजी मुद्दे पर राष्ट्रीय राजधानी में हैं। तीनों विधायक नगा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) से हैं, जो राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा की सहयोगी है। कई भाजपा विधायक भी इंफाल से अलग-अलग उड़ानों से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए।

जल संसाधन मंत्री अवांगबौ न्यूमई ने इंफाल हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, हमें कुछ चीजों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली आने के लिए कहा गया है। मुझे अभी सटीक एजेंडा नहीं पता है। हम शांति लाने के सभी तरीकों पर विचार कर रहे हैं। एनपीएफ विधायक एल दिखो ने कहा कि जब तक सभी समुदाय और लोग इसमें शामिल नहीं होंगे, मणिपुर में शांति लाना मुश्किल है। दिखो ने कहा, गृह मंत्रालय की पहल एक बहुत अच्छा संकेत है और मुझे उम्मीद है। मैं बैठक में शामिल होना चाहूंगा और देखना चाहूंगा कि हम इस पहल के साथ कितनी दूर तक जा सकते हैं। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष के मेघचंद्र ने कहा कि समाधान तक पहुंचने की कोई भी पहल अच्छी है, लेकिन विपक्षी दल को आमंत्रित नहीं किया गया। मेघचंद्र ने कहा, हालांकि, अगर परिणाम सकारात्मक रहा, तो यह पूरे मणिपुर के लोगों के लिए अच्छा होगा। लेकिन हिंसा की भयावहता को देखते हुए (बैठक में) विपक्ष की भागीदारी भी आवश्यक है। मेघचंद्र किसी अन्य कारण से दिल्ली के लिए रवाना हुए।

स्पीकर टी सत्यब्रत रविवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गए थे। एक अधिकारी ने कहा, यह वार्ता केंद्र सरकार द्वारा संघर्षरत समुदायों के बीच संवाद को सुगम बनाने तथा राज्य में डेढ़ साल से अधिक समय से चल रहे जातीय संकट का समाधान तलाशने के प्रयासों का हिस्सा है। मणिपुर में कुकी-जो जनजातियों के अग्रणी संगठन स्वदेशी जनजातीय नेता मंच (आईटीएलएफ) ने कहा कि बैठक के एजेंडे में समुदाय के भीतर परामर्शात्मक वार्ता होनी चाहिए थी। आईटीएलएफ के महासचिव मुआन टॉम्बिंग ने कहा, विधायकों ने बैठक के बारे में किसी भी नागरिक समाज संगठन को सूचित नहीं किया। उन्हें इस तरह की महत्वपूर्ण बैठक के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए था।

नदी तल, बाढ़ मैदान पर अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी नदियों के नदी तल, बाढ़ के मैदान और जलग्रहण क्षेत्रों पर अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ याचिका पर केंद्र और अन्य एजेंसियों से जवाब मांगा। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, केंद्रीय जल आयोग और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। शीर्ष अदालत पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ अशोक कुमार राघव द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सभी नदियों, जलमार्गों और जल चैनलों, जिनमें सहायक नदियाँ भी शामिल हैं, के नदी तल, बाढ़ के मैदान और जलग्रहण क्षेत्रों पर सभी अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण को ध्वस्त करने और उन्हें उनके मूल स्वरूप में बहाल करने के निर्देश देने की मांग की गई थी।

याचिका में नदी संरक्षण क्षेत्र (आरसीजेड) विनियमन के 2015 के मसौदे को बिना किसी और देरी के अधिसूचित करने और तीन महीने से अधिक की समय-सीमा के भीतर सभी नदियों, जलमार्गों और जल चैनलों के बाढ़ के मैदानों का सीमांकन करने के निर्देश भी मांगे गए थे। नदी विनियमन क्षेत्र (आरआरजेड) अधिसूचना के मसौदे में नदियों और बाढ़ के मैदानों पर अतिक्रमण को रोकने के लिए नदी संरक्षण क्षेत्र (आरसीजेड) स्थापित करने का प्रस्ताव है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ ने कहा कि नदियों और जलमार्गों के बाढ़ के मैदानों और जलग्रहण क्षेत्रों पर अवैध और अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण में वृद्धि देश भर में तबाही का सबसे बड़ा कारण बन गई है। नीति आयोग द्वारा तैयार समग्र जल प्रबंधन सूचकांक रिपोर्ट का हवाला देते हुए याचिका में कहा गया है कि भारत अपने इतिहास के सबसे खराब जल संकट से जूझ रहा है। याचिका में कहा गया है, पिछले साल 23 मार्च को जल शक्ति राज्य मंत्री द्वारा लोकसभा में दिए गए जवाब के अनुसार, बढ़ती आबादी के कारण देश में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता तेजी से कम हो रही है। **(शेष पृष्ठ 9)**

दिल्ली में छाने लगी दमघोटू हवा, एक्यूआई 200 के पार पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लगातार दूसरे दिन कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 से अधिक हो गया है, इसलिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने सोमवार को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के पहले चरण को लागू करते हुए प्रतिबंध लगा दिए हैं, ताकि पूरी दिल्ली और एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के अंतर्गत आने वाले हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के जिलों में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोका जा सके। प्रतिबंध मंगलवार सुबह 8 बजे से लागू होंगे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, सोमवार को शाम 4 बजे तक दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 234 (खराब श्रेणी) रहा। दशहरे के बाद, रविवार को दिल्ली में एक्यूआई 224 की रीडिंग दर्ज करते हुए 'खराब' श्रेणी में प्रवेश कर गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, 25 सितंबर के बाद से यह खराब वायु गुणवत्ता का पहला मामला है। ग्रेप के चरण 1 में 27 सूत्री कार्य योजना है, जिसमें सड़कों पर पानी का छिड़काव, एंटी-स्मॉग गन का उपयोग करना और निर्माण और विध्वंस कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित करना शामिल है। यह होटल, रेस्तरां और खुले भोजनालयों में कोयले और जलाऊ लकड़ी के उपयोग पर भी प्रतिबंध लगाता है। **(शेष पृष्ठ 9)**

लाइलाज ट्रैफिक जाम
पायनियर

सड़कों पर रेंगते ई-रिक्शा रोकते हैं यातायात की रफ्तार

● दोषपूर्ण डिजाइन, अप्रशिक्षित चालकों के कारण इनका संचालन खतरनाक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चाहे लक्ष्मी नगर से लेकर सीआर पार्क हो या सीलमपुर से लेकर एरोसिटी, ई-रिक्शा राजधानी में हर जगह दिखने लगे हैं। अक्सर ये सड़कों पर यात्रियों से लदे हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई देते हैं, जिससे व्यस्त सड़कों पर यातायात बाधित होता है। ये ज्यादातर बस स्टैंड, मेट्रो स्टेशन, बाजार, मॉल और शॉपिंग सेंटर में जमा होते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ई-रिक्शा का डिज़ाइन स्वाभाविक रूप से दोषपूर्ण है और गैर-लाइसेंस प्राप्त/अप्रशिक्षित/कम उम्र के ड्राइवरों द्वारा इनका संचालन उन्हें सड़कों पर खतरनाक बनाता है। ये हमेशा गलत दिशा में पार्क करते हैं और यात्रा करते हैं। ई-रिक्शा से जुड़ा एक और खतरा बैटरी को अवैध रूप से चार्ज करना है, जिससे पहले भी आग और विस्फोट हो चुके हैं।

परिवहन अधिकारी के अनुसार, ई-रिक्शा के खिलाफ मुख्य शिकायतें सड़क पर भीड़भाड़ वाली थीं, जिससे ट्रैफिक जाम और लंबी कतारें, अनुचित पार्किंग, सड़क उपयोग पर प्रतिबंधों का उल्लंघन, वन-वे उल्लंघन, यात्रियों को ओवरलोड करना और कम उम्र के लोगों द्वारा ड्राइविंग करना होता था। चूंकि ये आमतौर पर तब तक नहीं चलते जब तक कि वे एक निश्चित संख्या में यात्रियों को नहीं ले लेते, इसलिए ये सड़कों को अवरुद्ध कर देते हैं और भीड़भाड़ का कारण बनते हैं। ये वाहन विभिन्न तरीकों से लोगों के लिए खतरा भी पैदा करते हैं। आंकड़ों से पता चला है कि राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 120,000 पंजीकृत ई-रिक्शा हैं। हालांकि, कई वैध पंजीकरण के बिना सड़क पर चल रहे हैं, जिससे

भीड़भाड़ और सुरक्षा संबंधी खतरा पैदा हो रहा है। हाल ही में, शाहबाद डेयरी में एक अवैध चार्जिंग स्टेशन पर बिजली का झटका लगने से 40 वर्षीय ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई। वह अपने वाहन में बैठा था, जबकि इसे चार्ज किया जा रहा था। पिछले महीने, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी में एक ई-रिक्शा में आग लगने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जबकि एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया था। इसके अलावा, वे न केवल अधिकांश मुख्य सड़कों और अंतरराज्यीय बस टर्मिनलों पर यातायात जाम का कारण बनते हैं, बल्कि बिजली की चोरी भी करते हैं। अपनी रिपोर्ट में पहले, बिजली डिस्कॉम ने सरकारी एजेंसियों को बताया था कि इनमें से लगभग आधे बिजली चोरी में लगे हुए हैं, दिल्ली में हर साल लगभग 3 मेगावाट क्षमता वाले लगभग 200 ई-रिक्शा चार्जिंग स्थानों पर चोरी की सूचना मिलती है। ये ई-रिक्शा बड़े पैमाने पर प्रत्यक्ष चोरी और घटिया बैटरी के उपयोग के माध्यम से अवैध चार्जिंग में लगे हुए थे, जो महत्वपूर्ण सुरक्षा खतरे पैदा करते थे। अवैध चार्जिंग के दौरान खुले छोड़े गए बिजली के तार और सुरक्षा मानकों का पालन न करने से अक्सर चिंगारी और शॉर्ट सर्किट होता है। ये खुले तार जनता के लिए भी खतरा पैदा करते हैं, खासकर दिन के समय इन क्षेत्रों में खेलने वाले बच्चों के लिए। इस **(शेष पृष्ठ 9)**

ग्रेटर नोएडा में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू होगा

सुरक्षा : 227.60 करोड़ रुपये से 357 लोकेशन पर लगेंगे हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यूपी को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए यूपी सरकार ने ग्रेनो क्षेत्र में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन के अनुसार ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की जल्द स्थापना होगी, जो ग्रेटर नोएडा के यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में 'तीसरी आंख' के तौर पर कार्य करेगा।

इस परियोजना के अंतर्गत, 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशन पर हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना की जाएगी। जिससे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे की निगरानी हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि आईएसटीएमएस की स्थापना के जरिए क्षेत्र के यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल व सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों की एकीकरण प्रक्रिया पर फोकस किया जाएगा।

इस परियोजना में एक व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणाली, वीडियो निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली व सार्वजनिक सूचना प्रणाली विकसित होगी। वहीं, प्रक्रिया के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) की भी स्थापना होगी। जिससे नागरिकों व यहां आने वाले आगंतुकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वार इस प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा। इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को सेफ सिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम नाम से भी जाना जाता है। आईटीएमएस का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यातायात प्रबंधकों को नागरिकों, संपत्तियों, यातायात प्रवाह और यातायात भीड़/घटनाओं के बारे में वास्तविक समय और पूर्वानुमानित जानकारी प्रदान करना है।

समाधान को विशेष रूप से महिला, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नागरिक सुरक्षा में सुधार लाने के साथ-साथ अनुकूली नियंत्रण और विश्लेषण के माध्यम से शहरी सड़कों की सुरक्षा और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया जाएगा।

वीडियो निगरानी कैमरों, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रण, गतिशीलता में आसानी, आपातकालीन सेवाओं का प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स, रूटिंग और डिस्पैचिंग सेवाएं, सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि की प्रक्रिया के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा। यातायात प्रबंधन प्रणाली में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र के उचित कामकाज के लिए सभी आवश्यक घटक होंगे। प्रक्रिया के अंतर्गत 12 महीने के अंदर आईटीएमएस प्रणाली को रोलआउट करने का टाइम पीरियड निर्धारित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि नोएडा व गाजियाबाद में पहले से ही इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली को लागू किया जा चुका है। सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते हुए, परियोजना के अंतर्गत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए रियल टाइम टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। प्रणाली के लागू होने से ट्रैवल टाइम में कमी लाने में मदद मिलेगी। वहीं चौराहों पर यातायात के सामान्य प्रवाह को विनियमित और बनाए रखने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे की दक्षता में वृद्धि की जाएगी जिससे भीड़भाड़ में कमी, यात्रा समय में कमी, ईंधन की खपत व कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। इस परियोजना के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जाएगी जिसके जरिए इन फीचर्स का लाभ मिल सकेगा, जिसमें अडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (एटीसीएस), वीडियो सर्विलांस कैमरों की सेफ सिटी इनीशिएटिव के तौर पर स्थापना व इसकी मॉनिटरिंग का डैशबोर्ड, ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम, रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम, व्हीकल व ट्रैफिक डिटेक्शन सिस्टम , वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले बोर्ड्स (वीएमडी), ट्रैफिक वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम (टीवीडीएस), एआई बेस्ड वीडियो एनालिटिक्स , पब्लिकएड्रेस सिस्टम (पीएएस) प्रमुख हैं।

साथ ही होंगे ये स्पेशल फीचर्स

इमर्जेंसी कॉल बॉक्स (ईसीबी) सिस्टम, ई-चालान सिस्टम, पिंक बूथ की मॉनिटरिंग, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर युक्त डाटा सेंटर, पब्लिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीआईएस) तथा वेब व मोबाइल एप्लिकेशन बेस्ड कंटेंट, इमर्जेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम (ईआरएस-डायल 112) के साथ इंटीग्रेशन, ग्रेटर नोएडा के एप्स के साथ इंटीग्रेशन, सोशल मीडिया हैंडल्स के साथ इंटीग्रेशन, पब्लिक एंड व्हीकल ट्रांसपोर्ट प्रायोरिटी सिस्टम व फास्ट इमर्जेंसी व्हीकल प्रीम्पशन सिस्टम जैसे फीचर्स भी होंगे।

दीपावली पर शहर को नहीं मिलेगा गंगाजल

● 16 दिनों तक होगी साफ-सफाई, 31 से दोबारा चालू हो जाएगी गंग नहर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गंग नहर की सफाई के चलते आज रात से गंगा जल सप्लाई रोक दी गई है। नोएडा में गाजियाबाद के प्रताप विहार से प्लांट से गंगाजल की सप्लाई होती है। 16 दिनों तक साफ-सफाई के बाद 31 अक्टूबर को दोबारा से सप्लाई शुरू की जाएगी। यानी नोएडा वासियों को दीपावली पर गंगाजल नहीं मिल सकेगा।

प्राधिकरण ने इसके एवज में रेनीवेल और बोरवेल का पानी नोएडा में सप्लाई करेगा। नोएडा में इस समय पानी की डिमांड 450 एमएलडी है। जिसे पूरा करने के लिए 240 एमएलडी गंगाजल , नलकूप के जरिए 110 एमएलडी और रेनीवेल के जरिए 100 एमएलडी मिलाकर सप्लाई किया जाता है। 16 दिनों तक गंगाजल यानी 240 एमएलडी की सप्लाई नहीं की जाएगी। ये पानी नहीं मिलेगा। आज से चार दिनों का गंगाजल करीब 1200 एमएलडी गंगाजल स्टोरेज किया है। ऐसे में चार दिनों तक कोई दिक्कत नहीं होगी। इसके बाद बोरवेल से पानी की सप्लाई की जाएगी। इससे पानी गुणवत्ता के साथ प्रेशर भी कम होगा। बता दे नोएडा में हाइराइज सोसाइटी है। गंग नहर की साफ-सफाई के चलते यहां पानी का संकट हर साल होता है। ऊंचाई ज्यादा होने से पानी का प्रेशर काफी कम होता है। इससे लोगों को दिक्कत होती है।

प्राधिकरण ने बताया कि जहां भी दिक्कत होगी वहां पानी के टैंकर के जरिए सप्लाई की जाएगी। 31 अक्टूबर को पानी गंग नहर में छोड़ा जाएगा। प्रताप विहार से ट्रीट होकर आने में करीब दो दिन का समय लगेगा। यानी करीब 2 से 3 नंबर तक नोएडा में दोबारा से 240 एमएलडी गंगाजल की सप्लाई शुरू हो सकेगी।

गाजियाबाद में गौकश ने पुलिस पर की फायरिंग

गाजियाबाद। थाना मसूरी पुलिस और एक गोकश के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में आरोपी बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी गई। पुलिस ने इस गोकश को गिरफ्तार किया था।

बदमाश के कब्जे से एक तमंचा, कारतूस, दो छुरी और एक रस्सा बरामद हुआ है। आरोपी पर एनडीपीएस, गैंगस्टर और गोकशी के मुकदमे दर्ज हैं। एसीपी मसूरी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि राशिद पुत्र नजीर निवासी ग्राम नाहल मसूरी को 5 दिन पहले जिला बदर किया था। उसके बावजूद राशिद जिले में ही रह रहा था। राशिद ने पहले से छुपाए तमंचे से पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में राशिद के बाएं पैर में गोली लगी है।

मंदिर की मूर्तियां खंडित, ग्रामीणों का हंगामा- जांच में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

जारचा थाना क्षेत्र के छोलस गांव में असामाजिक तत्वों ने माहौल बिगा ?ने के लिए मंदिर में रखी मूर्ति को खंडित कर दिया। खंडित मूर्तियों को देखकर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही पुलिस और आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। उनके द्वारा तत्काल प्रभाव से इस मामले में मुकदमा दर्ज किया गया।

खंडित मूर्तियों को विसर्जित करके नई मूर्तियां को प्राण प्रतिष्ठा के साथ स्थापित किया गया। दरअसल पूरा मामला जारचा थाना क्षेत्र के छोलस गांव का है। रविवार रात में गांव के मंदिर पर किसी असामाजिक तत्व ने मंदिर में लगी हुई मूर्तियों को खंडित कर दिया गया।

किसी व्यक्ति के द्वारा यह काम उस समय किया गया, जब मंदिर के पुजारी कहीं बाहर गए हुए थे। लेकिन जब पुजारी वापस मंदिर पर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि मूर्तियां खंडित हुई पड़ी है। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना ग्रामीणों को दी। मौके पर ग्रामीण पहुंच गए। उन लोगों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स भी मौके पर पहुंच गई। पुजारी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने इस मामले में तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज किया।

एटीएम कार्ड बदल धोखाधड़ी करने वाले दो गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

थाना इकोटेक 3 पुलिस ने एटीएम कार्ड बदलकर आम लोगों के साथ धोखाधड़ी कर उनके खाते से रुपये निकालने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

आरोपियों के कब्जे से अलग-अलग बैंकों के 107 एटीएम कार्ड, 7300 रूपये नगद और तमंचा कारतूस आदि बरामद किए हैं। दरअसल पुलिस ने लोकल इंटेलीजेंस और इलेक्ट्रिक सर्विलांस के जरिए मिली जानकारी पर कुलेसरा मार्केट में एचडीएफसी बैंक के एटीएम के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। इन आरोपियों की पहचान शहजाद और मोहम्मद बिलाल के रूप में हुई है। यह दोनों आरोपी बड़े ही शातिर किस्म के हैं। जो सीधे-साधे लोगों को निशाना बनाते थे। यह आरोपी एटीएम बूथ में जाकर खड़े हो जाया करते थे। जब कोई व्यक्ति पैसे निकालने आता था, तो यह लोग उसकी मदद की बात कहकर उनका एटीएम बदल दिया करते थे। इसके बाद चुपके से एटीएम पिन भी देख लेते थे। जब वह व्यक्ति एटीएम बूथ से चले जाते थे तो यह एटीएम से पैसे निकाल लिया करते थे।

प्राधिकरण के वाटर एटीएम से मिलेगा निशुल्क पानी

● सीईओ लोकेश एम ने किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल सुविधा प्रदान देने के लिए वाटर एटीएम शुरू किया गया। ये वाटर एटीएम सीएसआर फंड के तहत खोला गया।

एटीएम ग्राम नगला चरणदास औद्योगिक क्षेत्र फेस-2 में शुरू किया गया। इसका उद्घाटन नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने किया। इस मौके पर महाप्रबन्धक (जल) आर पी सिंह व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। शुरू किए गए वाटर एटीएम ने आम जनमानस को स्वच्छ शीतल पेयजल निशुल्क दिया जाएगा। इस वाटर एटीएम की क्षमता 1200 लीटर प्रति घंटा है। जिसमें अल्ट्रर वायलेट सिस्टम , ओजोनेटर , सेंड फिल्ट्रेशन , कार्बन फिल्ट्रेशन, 5 -10 माइक्रोनस फिल्ट्रेशन और पेबल फिल्ट्रेशन के जरिए पानी की गुणवत्ता को बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त इस वाटर एटीएम में हार्ड नेस, फ्लूराइड , क्लोराइड एवं अन्य अशुद्धियों को दूर करने के लिए इसमें रिवर्स ओसमिस की व्यवस्था की गई है। इस वाटर एटीएम को जन मानस के डिस्ट्रीब्यूशन के लिए ऑटोमैटिक कार्ड आपरेटेड वाटर वेंडिंग मशीन दिया जाएगा। जिसकी क्षमता 20 लीटर प्रति कार्ड है।

नागरिकों को स्वच्छ पेयजल सुविधा देने के लिए एटीएम की शुरुआत करते सीईओ।

अन्य वेंडिंग मशीन जिसकी क्षमता 1 लीटर प्रति कार्ड कोर्ड एंड प्यूर ड्रिंक वाटर के लिए बनाया गया है। ये वाटर एटीएम सुबह 7 से 12 बजे तक एवं शाम को 5 बजे से 8 बजे तक रोजाना खुलेगा।

बता दे इससे पहले भी प्राधिकरण दो स्थानों पर वाटर एटीएम शुरू कर चुकी है। जिससे लोगों को स्वच्छ जल मिल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क सुरक्षा के मुद्देनजर यातायात नियमों की जानकारी देते पुलिसकर्मी।

बैंक्वेट हॉल में पार्टी से हरियाणा मार्का शराब बरामद

नोएडा। थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित एक बैंकट हॉल में आयोजित पार्टी में हरियाणा मार्का शराब परोसी जा रही थी। मौके पर पहुंचे आबकारी विभाग की अधिकारियों ने वहां से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद किया, तथा दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर को सूचना मिली कि थाना सूरजपुर क्षेत्र में स्थित एक बैंकट हॉल में उत्तर प्रदेश मार्का शराब पिलाने के लिए लाइसेंस लिया गया था, लेकिन वहां पर हरियाणा प्रांत में बेचने के लिए बनाई गई शराब परोसी जा रही है। मौके पर पहुंची पुलिस ने वहां पर देखा कि दीपक और अमनदीप सिंह नामक दो लोग हरियाणा मार्का शराब परोस रहे हैं। उन्होंने बताया कि दोनों के खिलाफ थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। मौके से भारी मात्रा में हरियाणा मार्का बीयर और शराब पकड़ी गई है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि आबकारी निरीक्षक चंद्रशेखर सिंह की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्जकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कविनगर में मिली लाश, हत्या की आशंका

गाजियाबाद। कविनगर सी ब्लॉक के मकान संख्या 22 के सामने 48 वर्षीय व्यक्ति की लाश मिली। उसके बाद पुलिस ने 45 वर्षीय व्यक्ति का पंचायतनामा भरकर उसकी मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये। इस संदर्भ में एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि जिस व्यक्ति का शव बरामद हुआ उसे देखकर ऐसा लग रहा है कि वह शख्स खुद ही मौत के मुंह में चला गया होगा। वैसे उसकी मौत की गुत्थी सुलझाने के हिल्ले पुलिस हर एंगिल पर जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में मृतक का नाम मौहम्मद शरीफ चला है।

पुलिस चौकी के पास मिला अधेड़ का शव

गाजियाबाद। लोहा मण्डी पुलिस चौकी के पास विवेकानन्द फ्लाईओवर के पास एक 55 वर्षीय व्यक्ति का शव मिला। लाश मिलने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची कविनगर थाना पुलिस ने उस व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर उसकी मौत की गुत्थी सुलझाने के प्रयास शुरू कर दिये। पुलिस के मुताबिक मृतक की शिनाख्त 55 वर्षीय सुंदरपाल निवासी देवली सिंभावली हापुड़ के रूप में हुई है।

कांग्रेस पदाधिकारियों को मिले नियुक्ति पत्र

गाजियाबाद। कांग्रेस की प्रवक्ता एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी डोली शर्मा द्वारा महानगर कमेटी के पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। यहां कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी और कमेटी के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। डोली शर्मा ने कहा की 18 अक्टूबर को जो सम्मेलन होने जा रहा है सभी मिलकर उसे सफल बनाने का काम करेंगे। महानगर अध्यक्ष विजय चौधरी ने कहा की महानगर की टीम पूरे जोश और उत्साह के साथ इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाएगी।

भंडारा कर रहे युवक के साथ मारपीट

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मारपीट का मामला सामने आया है। जहां पर एक युवक सोसाइटी के गेट पर भंडारा कर रहा था। इस दौरान एक महिला और पुरुष सोसाइटी के अंदर से आते हैं और बैठे हुए युवक के साथ मारपीट करना शुरू कर देते हैं। मारपीट करने की यह पूरी घटना सोसाइटी के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दरअसल रविवार को थाना बिसरख क्षेत्र के ग्रीन आर्च सोसाइटी में मारपीट हुई। सोसाइटी के रहने वाले हिमांशु राजपूत अपनी सोसाइटी के बाहर भंडारे का आयोजन कर रहे थे। तभी वहां दूसरे पक्ष के दीपक शर्मा और उनकी पत्नी पहुंची। उन्होंने हिमांशु राजपूत के साथ किसी पुराने सोसाइटी के विवाद को लेकर वाद-विवाद करने लगे। इसी दौरान उन लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दिया। उनके द्वारा मारपीट करने की यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई।

PUBLIC NOTICE
CORRIGENDUM

Re: Property Bearing Plot No. 18, MC No. 245, area measuring 203 sq. yds i:e 169.728 sq. mtrs, situated in Colony namely Laxmi Vihar, Maliwada, Village-Jatwada Kalan, Pargana-Loni, Tehsil & Distt. Ghaziabad. U.P.; Hereinafter referred to as "said property".
Reference Public Notice appeared in Col 1, page 9, (English Edition) and Col 1, page 2 (Hindi Edition) of New Delhi Edition of Pioneer dated 11.10.24 published by us on behalf of our clientess, Mrs Renu Goel, regarding the aforesaid property. Erroneously, the Notice period has been mentioned as 15 days. The Notice period may be read as 07 days from the date of publication of the Notice i.e., 11.07.24 instead of 15 days. Inconvenience is regretted.
SHIVKANT ARORA, ADVOCATE
FOR M/S INTELLECTIVE LAW OFFICES,
A-74, LOWER GROUND FLOOR,
DEFENCE COLONY, NEW DELHI-110024

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that my client Seema Rana is in process to avail the LAP against her property Bearing No. 103, area measuring 44 Sq. Yards, out of Khasra No. 5/16, situated in the area of Village Hastsal, Delhi State, Delhi, Colony known as Vikas Vihar, Vikas Nagar, Uttam Nagar, New Delhi-110059 (availing loan from SHFL), having acquired the same vide Gift Deed dated 9/8/2024, Doc no. 2024/25/I/21813 executed by her husband Balvir Singh Rana alias Balbir Singh Rana
All person/s having any claim against or in respect of the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, family arrangement, maintenance, bequest, partnership, possession, lease, sublease, tenancy, license, lien, charge, pledge, easement or otherwise howsoever, are hereby requested to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within 7 days from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned. **Kamal Kant Gupta (Advocate)**
Unit No. FF-2, First floor, Mahaluxmi Metro Tower Sec-4, Vaishali, Gzb., U.P., Mob. 9810063351

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना दीपक कुमार की ओर से दी जाती है जो खसरा नंबर 270 में से 50 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट नंबर 67 और नए प्लॉट नंबर सी-303 के मालिक हैं, जो ग्राम ब्रह्मपुर @ भोजपुरा, हर्ष विहार, फेज II, परगना लोनी, तहसील जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में स्थित है। उन्होंने इसे श्रीमती कमलेश से दिनांक 10.06.2024 को बिक्री विलेख के तहत दस्तावेज संख्या 7486, पुस्तक संख्या I, खंड संख्या 21608, पृष्ठ 129-152, दिनांक 10.06.2024 के तहत उक्त संपत्ति खरीदा है, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड(पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखते हैं। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 14 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

PUBLIC NOTICE

The public at large hereby informed that I, Anshul Wadhwa, aged about 39 years, S/o Sh. Mukesh Wadhwa, R/o C-4, 2/105 NN Sector- 2, Near Ekta Park, Rajender Nagar, Sahibabad, District Ghaziabad, U.P. My marriage was solemnized on 22.07.2013 with Ms. Reshma Roy D/o Sh.Shankar Prasad Roy, R/o 68, Ram Lal Dutta Road, S/6 May Fair Santosh Apartment, Bhadrakali Uttarpara Hooghly, West Bengal PIN-712232 according to Sikh rites at Gurudwara, Sector 18, Noida. No child was born out from the said wedlock. After sometimes of the marriage, the marital dispute arise between me and my wife due to which I am separately residing from my wife from January 2016. My wife has deserted me and did not contact with me or my family since 15 November 2016. My father has expired on 03.05.2024. In order to secure my life, I wants to remarry so that I can survive myself and my generation continues.
(ANSHUL WADHWA)

PUBLIC NOTICE

The Public at large is hereby notified that my client Mr. Raja Kalsi intend to purchase Entire Basement and Upper Ground Floor of the Property Bearing No.B-54, Swasthya Vihar, Delhi-110092 from Mrs. Jayna Jariwala W/o Late Shri Abhay Jariwala who became the owner of the entire property after the death of her husband Shri Abhay Jariwala.
It is therefore, Notified that anybody claiming any right, title, interest or lien over the aforesaid property may file such claim or objection to the undersigned within a period of 10 days from the date of Publication of this notice. Otherwise, it will be presumed that the said property is free from all encumbrances, charges and/or lien, etc. and my client is free to purchase the said property from the above named seller.
SAHIL ARORA (ADVOCATE)
Office No.107, First Floor, M.S. Chambers, Aruna Park, Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob.: +91-9811912277

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients **SH. PAPPU SHARMA S/O LATE SH. OMPRAKASH AND SMT. MAMTA SHARMA W/O SH. PAPPU SHARMA, BOTH R/O A-162, GALI NO. 3, RAM MANDIR GAL1. RAMA GARDEN, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094** have dissociated person namely **Arun S/O LATE SH. JASMANT SINGH** and his wife namely **KAJAL**, from all their moveable and immovable properties, as they have become disobedient and further broken/severed all kinds of relationship with them because they have threatened to implicate my clients along with family members in false cases. Anybody dealing with them shall do the same at his own risk, cost and consequences and my clients and other family members shall not be responsible for any act and deed of them whether made at any point in time.
JYOTI GUPTA (ADVOCATE) Chamber No. 555-556, Western Wing, Tis Hazari Courts, Delhi-110054.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that Smt. Ram Shree Devi W/o Sh. Sukh Veer Singh is the recorded owner of Property Khasra no. 447, Situated in the Village Karkar Model Sahibabad Ghaziabad (area measuring 45sq. yds). initially, Smt. Ram Shree Devi was the recorded owner of the said property as per Tehsil record, Finally, ATS executed by Smt. Ram Shree Devi in favour of Sh. Shree Sham Devipal S/o SH. Ram Sagar Pal In respect of the said property., who intends to mortgage said property for his bonafide requirements with Centrum Housing Finance Limited Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.
PRAGYABHUSHAN (ADVOCATE) Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48, M-9968006418.

प्रकाशनार्थ
(नमूना काबिल फरोक्त)
समन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 फायदा 1 व 5)
नम्बर मुकदमा 70/2023 जिला उन्नाव
न्यायालय अपर सिविल जज (सी./डि.), उन्नाव
अदालत शाकिन मुदई
राजेन्द्र कुमार गुप्ता – बनाम – संजय कुमार उर्फ संजय कुमार सूरी
संजय कुमार उर्फ संजय कुमार सूरी पुत्र स्व. अमृतलाल सुरी निवासी-म.न.16/77ए-1 ब्लॉक बंगाली कालोनी सन्त नगर बुराड़ी, उत्तरी दिल्ली
मुद्दाअलेह
हरगाह U/3 37(2) विशिष्ट अनुतोष अधि. ने आपके नाम एक नालिश अदालत 15 माह 10 सन् 2024 ई. बवक्त बजे दिन के असालहन या मार्फत वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और कुल ऊमूर व अहम मुतालिक मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और शख्श हो जो जवाब ऐसे सवालात का दे सके, हाजिर हो और जवाबदेही दाव को करे और आपको लाजिब है कि उसी रोज अपने जुमल दस्तावेजात पेश करे जिस पर आप बताईद अपनी जवाब देही के इस्तेदलाल कराना चाहते हो।
आपको इत्तिला दी जाति है कि अगर बरोज अलकूर आप हाजिर न होगे तो मुकदमा बगैरह हाजिरी में आपके खिलाफ होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 30 माह 09 सन 2024
ई0 जारी किया गया।
इत्तिला
1. अगर आपको यह अन्देशा हो कि आपके गवाह मर्जी से हाजिर न होगें तो आपको व अदालते हाथ में सम्मन नई मुराद जारी करा सकते है जो कि गवाह हाजिर न हो वह जबरन हाजिर कराया जाय और जिस दस्तावेज को किसी गवाह से पेश कराने का आप इत्तेफाक रखते है वह उससे पेश कराई जाय बशर्ते कि आप खर्चा जरूरी अदालत में दाखिल करके अम दरख्वास्त गुजरायो
२- अगर आप मुतलबा या मुद्दई को तसलीम करते हैं तो आपको लाजिम है कि रूपया खर्चा नालिया अदालत में दाखित करें ताकि कार्यवाही इधर या डिग्री को जो आपको जान व माल दोनों पर ही करना पड़े।

भौतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय :** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली- 110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा भौतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ भौतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	एमएस सेफ्टी डोर्स एलएलपी/ मोहित कपूर/ साहिल गोयल/ शम्मी कपूर/ शालिनी कपूर/ 731605000042/ 731655000001	पता-1: मकान नंबर/प्लॉट नंबर 7 (छत के अधिकार सहित तीसरी मंजिल), ब्लॉक-I, पॉकेट-11, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110089/ पता-2: मकान नंबर/प्लॉट नंबर 6 (छत के अधिकार के साथ तीसरी मंजिल), ब्लॉक-I, पॉकेट-11, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली-110089/ अक्टूबर 09, 2024	फ़रवरी 23, 2024 रु. 57,60,512.00/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार(रों)/सह-कर्ज़दार(रों) एवं ज़मानतदार(रों) को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् कब्जे की संपत्ति(याँ) नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णत: नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।
दिनांक : अक्टूबर 15, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

हाई पावर कमेटी को लेकर किसानों का हल्ला बोल

● सिफारिश सार्वजनिक न करने पर है नाराज, धरने पर बैठे लोग

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

सोमवार को किसानों ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार हल्ला बोला। इस दौरान सैकड़ों की ताकत में किसान इकट्ठा होकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

उसके बाद किसान कलेक्ट्रेट परिसर में ही धरने पर बैठ गए। इस दौरान किसान सभा, किसान परिषद, जय जवान जय किसान मोर्चा, किसान संघर्ष समिति ऐछर, संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने हल्ला बोला। इस पर उन्होंने कहा कि गौतमबुद्ध नगर के भूमि अधिग्रहण से प्रभावित किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए सिफारिश देने हेतु गठित हाई पावर कमेटी की सिफारिशों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। बृजेश भाटी ने बताया कि आंदोलन में कमेटी की सिफारिश को सार्वजनिक करने के लिए 10 प्रतिशत प्लाट, नए कानून को लागू करने, आबादियों की लीज बैक करने और भूमिहीनों की दुकानों में आरक्षण के प्रावधान को लागू करने के लिए तीसरे और अंतिम चरण के आंदोलन किए जा रहे हैं। आंदोलन तभी समाप्त होगा जब यह समस्याएं हल हो जाएंगी। किसानों ने कहा कि किसान सभा 10 प्रतिशत प्लाट के मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर है। सरकार द्वारा किसानों के मुद्दों की उपेक्षा से रोष बढ़ता जा रहा है। आंदोलन मुद्दों को हल कराए बिना खत्म नहीं होगा। किसानों ने कहा कि सरकार की नीयत ठीक नहीं है, मुद्दों को हल करना तो दूर सिफारिशों को भी दबाये बैठी है, सरकार को दाखिल होकर सार्वजनिक दस्तावेज बन चुकी हैं। इसके बावजूद सिफारिशों को छुपाया जाना सरकार की नीयत में खोट को दर्शाता है।

ऋषिपाल दंगल में जुटेंगे नामी पहलवान

नोएडा। नोएडा में हर वर्ष ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा कराए जाने वाले दंगल में इस बार 4.50 लाख रुपए से ज्यादा के ईनाम बांटे जाएंगे। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा नोएडा में आयोजित किए जाने वाले इस दंगल में सबसे बड़ी इनामी कुश्ती 1 लाख रूपये की होगी। इसके अलावा इस दंगल में महिला पहलवानों की भी कुश्ती होगी। ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा सेक्टर-15 में स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस वार्ता में ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी चौधरी अतर सिंह व चौधरी धर्मवीर सिंह ने यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पिछले 29 वर्षों से ऋषिपाल मेमोरियल ट्रस्ट नोएडा द्वारा खेल ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी अपनी अलग पहचान बनाई है।

1000 गाय की क्षमता की बनेगी गोशाला

● 5 एकड़ स्थान किया गया चिन्हित, इलाज के साथ गोबर-गोमूत्र से प्रोडक्ट भी बनाए जाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में गो वंश के लिए नई गोशाला का निर्माण किया जाएगा। ये गोशाला सेक्टर-162 में संचालित की जाएगी। इसे पांच एकड़ में बनाया जाएगा।

इसके लिए जमीन चिह्नित की जा चुकी है। इसकी क्षमता 1000 गाय की होगी। यहां स ?क पर घूम रही आवारा गाय को रखा जाएगा। जिनके रखरखाव की जिम्मेदारी प्राधिकरण की होगी। इसके अलावा बीमार गाय का इलाज भी यहां किया जाएगा। नोएडा में वर्तमान में दो गौशालाएं हैं। जिनमें एक सेक्टर 135 में 841 गोवंश और दूसरी सेक्टर 14 में 790 गोवंश हैं। यही नहीं इनमें क्षमता से ज्यादा गाय है। जिनका रखरखाव अलग-अलग संस्थाओं की ओर से किया जा रहा है। इसके अलावा डूब क्षेत्र में कई और गौ शाला चल रही है।

ये अवैध है। लेकिन यहां भी गौ वंश को रखा गया है। फिलहाल प्राधिकरण संख्या को देखते हुए नई गौशाला बनाने जा रहा है। नई गौशाला में पुरानी दोनों गौ शाला से गाय को शिफ्ट भी किया जाएगा। ताकि सभी गाय का रख रखाव बेहतर तरीके से हो सके।

प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि गोशाला को मॉडल रूप में विकसित किया जााएगा। गोबर व गोमूत्र से तमाम उत्पाद बनाए जाएंगे। इन उत्पादों की बिक्री से प्राप्त धनराशि रखरखाव पर खर्च की जाएगी। छह महीने में इस गोशाला का संचालन शुरू कर दिया जाएगा। इसके संचालन के लिए किसी एक एनजीओ के साथ एग्रीमेंट किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि गोशाला को और सुंदर बनाने के लिए कई प्रयास किए जाएंगे। तमाम लोग रोजाना गोवंशों को छूना शुभ मानते हैं। वे यहां आ सकेंगे। उनको खाना खिला सकेंगे। इस गोशाला से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि इसे जन सहभागिता से बहुत अच्छी तरीके से संचालित किया जा सके। उन्होंने बताया कि गोमूत्र से फिनायल, गाय के गोबर से उपले, घी वाले दीये जैसे तमाम उत्पाद बनाए जाते हैं। लोग इन उत्पादों को खरीद सकते हैं।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024

दिल्ली में एक जनवरी तक पटाखों पर लगा प्रतिबंध

● दो दिन तक खराब श्रेणी में रही वायु गुणवत्ता, एक्यूआई 234 पर पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सोमवार को शहर में सभी तरह के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया, जो एक जनवरी, 2025 तक प्रभावी रहेगा। इसके साथ ही ऑनलाइन मार्केटिंग प्लेटफॉर्म के जरिए डिलीवरी समेत पटाखों के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति की ओर से यह घोषणा राजधानी में बढ़ते प्रदूषण के स्तर की चपेट में आने के बाद की गई है। दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, आनंद विहार में शाम 5 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक 313 के साथ बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया गया, जो शहर में सबसे ज्यादा था। सोमवार को अन्य वायु प्रदूषण स्टेशन भी खराब श्रेणी में दर्ज किए गए।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने यह घोषणा की और दिल्लीवासियों से वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए सरकार के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया। राय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सर्दियों में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए आज से एक जनवरी तक पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार ने प्रतिबंध के संबंध में निर्देश जारी कर दिए हैं, हम सभी दिल्लीवासियों से सहयोग का अनुरोध करते हैं।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्रतिबंध का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। यह प्रतिबंध ऑनलाइन बिकने वाले पटाखों सहित सभी प्रकार के पटाखों पर लागू होता है और इसका उद्देश्य बढ़ते प्रदूषण के स्तर को कम करना है, जो सर्दियों में पराली जलाने, हवा की धीमी गति और अन्य मौसमी कारकों के कारण और भी बदतर हो जाता है। निर्देश के अनुसार, दिल्ली पुलिस को प्रतिबंध को लागू करने का काम सौंपा गया है, जिसके संबंध में दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को दैनिक कार्वाई रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। एक खेल परिसर के निर्माण स्थल का दौरा कर रहे राय ने कहा, आज, वायु गुणवत्ता सूचकांक को खराब श्रेणी में पाया गया है और जैसे-जैसे सर्दी आती है, तापमान गिरने के साथ प्रदूषण बढ़ता जाता है। सरकार इस मुद्दे को हल करने के लिए 21-सूत्रीय योजना पर काम कर रही है।

उन्होंने शहर में प्रदूषण के तीन मुख्य स्रोतों के रूप में धूल प्रदूषण, परिवहन उत्सर्जन और बायोमास जलाने का हवाला दिया। पटाखों पर प्रतिबंध दिल्ली सरकार द्वारा वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अपनी शीतकालीन कार्य योजना 2024 के तहत नियोजित उपायों की श्रृंखला का एक हिस्सा है। पहली बार, दिल्ली सरकार शहर के विभिन्न प्रदूषण हॉटस्पॉट में वास्तविक समय की वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग करेगी। इस योजना में हॉटस्पॉट, वाहन और धूल प्रदूषण, पराली और कचरा जलाना, औद्योगिक प्रदूषण की निगरानी और ग्रीन वॉर रूम आदि को अपग्रेड करना भी शामिल है। वायु गुणवत्ता का आकलन किया और कहा कि यह एनसीआर और आस-पास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को रोकने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों के एक ग्रैप के चरण-1 को लागू करने से पहले एक या अधिक दिन तक परिदृश्य की बारीकी से निगरानी करेगा।

एंटी डस्ट अभियान के तहत पीतमपुरा इलाके का निरीक्षण करते मंत्री गोपाल राय। फोटो: रंजन डिमरी

अनियमितता पर जुर्माना लगाने के आदेश

दिल्ली सरकार के धूल विरोधी अभियान के तहत सोमवार को पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पीतमपुरा स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें धूल नियंत्रण से संबंधित अनियमितताएं मिलीं। इसके तहत डीपीसीसी को निर्माण कंपनी तेवतिया कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए गए। डीपीसीसी द्वारा जारी नोटिस का संतोषजनक जवाब नहीं देने पर प्रतिदिन आर्थिक दंड लगाने के भी निर्देश दिए गए हैं। राय ने कहा, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण के 14 नियमों को लागू करना जरूरी है। इनका उल्लंघन होने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। गोपाल राय ने बताया कि धूल विरोधी अभियान के तहत शहर भर में 13 विभागों की 523 टीमों को निगरानी के लिए तैनात किया गया है। सीएंडडी पोर्टल पर पंजीकरण न कराने पर 20,000 वर्ग मीटर से कम क्षेत्रफल वाले निर्माण प्रोजेक्ट पर एक लाख रुपये और 20,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाले प्रोजेक्ट पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। निर्माण स्थलों पर एंटी-स्मॉग गन न लगाने पर 7,500 रुपये प्रतिदिन का जुर्माना लगाया जाएगा।

प्रदूषण नियंत्रण को गंभीरता से नहीं ले रही सरकार : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को दिल्ली सरकार पर प्रदूषण नियंत्रण को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाते हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना से वायु और जल प्रदूषण दोनों पर एक उच्च स्तरीय सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिवाली और छठ तीन सप्ताह में हैं, उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व वाली सरकार गैर-जिम्मेदाराना तरीके से काम कर रही है, जिसके लिए उपराज्यपाल को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि शहर का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) केवल चार दिनों में लगभग दोगुना हो गया है, उन्होंने दावा किया कि आतिशी चुप रहीं, जबकि उनके पर्यावरण मंत्री केवल औपचारिक बयान जारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, दिल्ली के सर्दियों के प्रदूषण का मुख्य कारण पराली जलाना और टूटी सड़कों से निकलने वाली धूल है। हालांकि, बार-बार पूछताछ के बावजूद, आतिशी के नेतृत्व वाली सरकार कोई ठोस कार्य योजना प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली के निवासी जानना चाहते हैं कि आप सरकार ने पराली जलाने को रोकने के लिए पंजाब के साथ क्या योजना बनाई है, जो कि उनकी अपनी पार्टी द्वारा शासित राज्य है।

सचदेवा ने पंजाब सरकार की आलोचना की और कहा कि केंद्र सरकार की वित्तीय सहायता और पिछले तीन वर्षों में हजारों मशीनों के प्रावधान के बावजूद, यह पराली साफ करने वाली मशीनों को प्रभावी ढंग से वितरित नहीं कर रही है।

उन्होंने अरविंद केजरीवाल और आप नेतृत्व दोनों पर दिल्ली और पंजाब में सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं पर राजनीतिक नाटकबाजी को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण के स्तर को भी उजागर किया।

मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया।

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात के बाद उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और उनकी सरकार के बीच पूर्ण सहयोगात्मक संबंध रहेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी। आतिशी ने एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं। दिल्ली की आप सरकार का केंद्र सरकार एवं उप राज्यपाल कार्यालय से शासन और सेवाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध है।

पार्षद सरिता ने फिर थामा आप का दामन

● सिसोदिया ने कराई घर वापसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मालवीय नगर वार्ड नंबर 150, ग्रीन पार्क से पार्षद सरिता फोगाट एक बार फिर से आम आदमी पार्टी में शामिल हो गई हैं। पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने कहा कि सरिता पार्टी की स्थापना के समय से साथ थीं और वो पार्टी की कर्मठ कार्यकर्ता रही हैं।

उन्होंने अरविंद कोजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाने के संकल्प के साथ काम करना शुरू किया है। आम आदमी पार्टी के कद्दावर नेता मनीष सिसोदिया ने सोशल मीडिया पर सरिता फोगाट के साथ तस्वीरें शेयर की है। सिसोदिया ने अपनी पोस्ट में कहा कि मालवीय नगर से पार्षद बहन सरिता फोगाट बीजेपी छोड़कर एक बार फिर से आम आदमी पार्टी परिवार में आ गई हैं। पूर्व सीएम ने आगे कहा कि सरिता पार्टी की स्थापना के समय से साथ थीं और वो पार्टी की कर्मठ कार्यकर्ता रही हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद कोजरीवाल को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाने के संकल्प के साथ काम करना शुरू किया है। मालवीय नगर से पार्षद बहन सरिता फोगाट भाजपा छोड़कर वापस आम आदमी पार्टी परिवार में आ गई हैं।

लूट के लिए पेट्रोल पंप कर्मी को मारी गोली

● हालात गंभीर, घटनास्थल से थोड़ी दूरी पर हैं दो थाने, सुरक्षा पर उठे सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के गोकल पुरी इलाके में बेखौफ बदमाशों ने पेट्रोलपंप कर्मचारियों को गोली मारकर पैसे लूटने का प्रयास किया, किन्तु वह अपने मंसूबो में कामयाब नहीं हो पाए। घायल कर्मचारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। राजधानी के गोकलपुरी इलाके में स्थित कपूर पेट्रोल पंप के दो कर्मचारी बैंक में कैश जमा करवाने जाते समय अचानक दो बदमाशों ने उनका रास्ते में रोक लिया ओर पिस्तौल तान दी। बदमाशों ने पेट्रोल पंप कर्मियों से पैसे लूटने कोशिश की। इसी दौरान बदमाशों ने रुपयों से भरा बैग छीनने के लिए गोली भी चलाई, जो रविंदर नाम के कर्मचारी के बाएं हाथ में लगी। लेकिन शोर होने पर बदमाश घबराहट में वापिस भाग निकले ओर मौके पर ही उनकी पिस्टल भी छूट गयी। इस घटना के दौरान रविंदर का साथी कर्मचारी पैसों का बैग लेकर पेटोल पंप पहुंचने में सफल रहा। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कर्मचारी को जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया द्य जानकारी के मुताबिक दोनों कर्मचारी करीब 30 लाख रूपये का कैश लेकर जमा कराने गए थे।

पुलिस का कहना है कि बदमाशों की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही पेट्रोल पंप के कर्मचारी पर गोली चलाने वाले बदमाशों को पकड़ लिया जाएगा।

ड्रग्स सप्लाई करने वाली विदेशी महिला को साथी के साथ दबोचा

नई दिल्ली। राजधानी के होटलों और क्लबों में होने वाली पार्टी में ड्रग्स की खेप देने के लिये पोर्टर ऐप का इस्तेमाल करने वाली विदेशी महिला नागरिक समेत दो तस्करों को दक्षिण-पश्चिमी जिला की एंटी स्नैचिंग सेल ने गिरफ्तार किया है।

आरोपियों की पहचान मोहम्मद शादाब और मिस क्लारा के रूप में हुई है। आरोपियों के कब्जे से 195 ग्राम मेथामफेटामाइन, 77 ग्राम कॉकीन और 57 हजार रुपये बरामद किये हैं। पुलिस ने बताया कि महिपालपुर एक्सटेंशन के गली नम्बर 15 स्थित एक फ्लैट में ड्रग्स सप्लाई होने की जानकारी मिली थी।

फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

● ऑनलाइन बीमा खरीदने के नाम पर चलते थे चूना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कहा कि उसने द्वारका मोड़ इलाके में संचालित एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करके इसके दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो ऑनलाइन कार बीमा खरीदने के इच्छुक लोगों से ठगी में शामिल थे।

पुलिस ने कहा कि 19 से 24 साल की 10 महिलाओं को भी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 35(3) के तहत पकड़ा गया है। गिरफ्तार किए गए सरगना की पहचान 27 वर्षीय निहाल खान और 22 वर्षीय दीपू के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने 18 मोबाइल फोन और दो लैपटॉप जब्त किए हैं जिनमें बड़ी संख्या में कार मालिकों का डेटा था। यह डेटा 1,240 पृष्ठों में है। यह कार्रवाई पांच अक्टूबर को बुराड़ी थाने में प्राप्त एक शिकायत पर हुई जिसमें एक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि कार बीमा के नाम पर उससे 12,000 रुपए की धोखाधड़ी की गई। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि जून 2024 में वह ऑनलाइन कार बीमा खरीदने के लिए उचित सौदे की तलाश में था तभी उसे कम दरों पर ऑफर वाले फोन कॉल आने लगे। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि शिकायतकर्ता ने बीमा के लिए लोगों को 12 हजार रुपए का भुगतान किया लेकिन उसे बाद में अहसास हो गया कि पूरी प्रक्रिया फर्जी थी।

आरोपियों से जब्त सामान

जांच में पाया गया कि दो पुरुष और 10 महिलाएं एक इमारत की चौथी मंजिल से एक फर्जी कॉल सेंटर चला रही हैं। इसके बाद पुलिस ने छापा मारकर दीपू और निहाल खान को पकड़ लिया।

एमसीडी आयुक्त को 5 करोड़ से अधिक की वित्तीय शक्ति

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने सोमवार को एमसीडी आयुक्त को मौजूदा 5 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय शक्तियां सौंपने को मंजूरी दे दी।

राज निवास के अधिकारियों के अनुसार, यह एक ऐसा कदम है जो शहर में नगरपालिका ठोस अपशिष्ट की मौजूदा समस्या को कम करने में मदद करेगा, क्योंकि एमसीडी में स्थायी समिति नहीं है और शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज महीनों से अड़यिल रवैया अपना रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, यह याद किया जा सकता है कि 10 जुलाई, 2024 को एमसीडी ने डीएमसी अधिनियम, 1957 की धारा 202 के प्रावधानों के अनुसार एमसीडी को वित्तीय शक्तियां सौंपने के लिए जीएनसीटीडी के पास आवेदन किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि, भारद्वाज ने अनावश्यक रूप से और बिना किसी स्पष्टीकरण के फाइल को अपने स्तर पर लंबित रखा, जिससे वित्तीय मंजूरी की कमी के कारण नगरपालिका सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं, क्योंकि स्थायी समिति नहीं थी। एक अन्य अधिकारी ने कहा, इसके बाद, एलजी सचिवालय ने दो मौकों पर टीओबीआर के नियम 19(5) का हवाला देते हुए फाइल वापस मंगाई।

महापर्व छठ की दिल्ली सरकार ने शुरू की तैयारियां

● मुख्यमंत्री आतिशी ने राज्य के सभी जिलाधिकारियों के साथ की उच्च स्तरीय बैठक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आस्था के महावपर्स छठ को लेकर दिल्ली सरकार ने तैयारियों तेज कर दी है। इस संबंध में मुख्यमंत्री मंत्री आतिशी ने सोमवार को जल बोर्ड, बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग, राजस्व विभाग के उच्चाधिकारियों और सभी जिलाधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अंतिम समय की अफ़रातफ़री से बचने के लिए अभी से सभी ज़रूरी तैयारियां शुरू कर दी जाए ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि छठ महापर्व लाखों श्रद्धालुओं के आस्था का त्यौहार है। ऐसे में ये त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मन सके और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के छठी मईया की उपासना कर सके इसको लेकर दिल्ली सरकार ये सुनिश्चित कर रही है कि इसकी तैयारियों में कोई कमी न छूटे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि, सभी ज़िलाधिकारी अपने जिलों में छठ घाटों को लेकर तैयारियां शुरू करवा दें। इसके साथ ही अधिकारी स्थानीय छठ पूजा समितियों के साथ बैठकें करना शुरू कर पूजा के सफल आयोजन के लिए उनके सुझाव लें और उसके अनुसार तैयारियां करें। आतिशी ने कहा कि, इस साल भी दिल्ली सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पूरी दिल्ली में 1,000 से अधिक छठ तैयार करवायेगी।

इस सभी छठ घाटों पर साफ़ पानी, टेंट, बिजली, शौचालय, सुरक्षा, मेडिकल सुविधा, पॉवर बैकअप, सीसीटीवी कैमरा सहित अन्य सभी ज़रूरी व्यवस्था मुहैया की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को छठ घाटों पर साफ़-सफ़ाई का विशेष ध्यान रखने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा इस साल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए हर विधानसभा में एक बड़ा और मॉडल छठ घाट तैयार करवायेगी, जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बीआईएस ने मनाया ने विश्व मानक दिवस

नई दिल्ली/नोएडा। भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोमवार को विश्व मानक दिवस 2024 मनाया, जो इस वर्ष की वैश्विक थीम, 'एक बेहतर दुनिया के लिए साझा दृष्टिकोण' के अनुरूप है। यह थीम सतत विकास लक्ष्य 9 (एसडीजी 9) - उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचे को रेखांकित करती है। इस अवसर पर प्रह्लाद जोशी, केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री, राज्य मंत्री बीएल वर्मा, उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे, आईएएस, उपभोक्ता मामले के सचिव और बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी, संजय पंत, उप महानिदेशक (मानकीकरण- द्वितीय) समेत गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर सरकार, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रमुख हितधारक भी उपस्थित थे।

बच्ची ने बताया पुलिस को कत्ल का राज

नई दिल्ली। कालिंदी कुंज थाना क्षेत्र की गड्डा कालोनी में रविवार तड़के एक व्यक्ति ने शादीशुदा प्रेमिका की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। तीन बच्चों के पिता आरोपित तौफीक को शक था कि उसकी प्रेमिका के किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध हैं। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। मौके पर मृतक महिला की बेटी ने पुलिस को बताया कि वह बहन और भाई के साथ घर के पहली मंजिल पर गई तो देखा कि उनकी मां खून से लथपथ है। मृतका के बच्चों ने तौफीक पर हत्या करने की आशंका जतायी थी। पुलिस ने तौफीक को गिरफ्तार कर लिया।

विवाद में दोस्तों को चाकू गोदा, चार पकड़े

नई दिल्ली। मुखर्जी नगर इलाके में दशहरे के दिन दो दोस्तों को चाकू गोदने की वारदात में शामिल चार आरोपियों आशीष,नीरज,वासु और आकाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल चाकू भी जब्त कर लिया है। जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि बीते शनिवार को मुखर्जी नगर पुलिस को सिविल लाइंस ट्रामा सेंटर में दो युवकों को भर्ती कराने के बारे में जानकारी मिली थी। पुलिस अस्पताल पहुंची। दोनों युवकों की पहचान आलोक (18) और रंजीत (14)के रूप में हुई।

दिल्ली हाफ मैराथन में सड़कों पर दौड़ेंगे 'सितारे'

● विश्व चैंपियन समेत दुनिया भर के प्रमुख एथलीटों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा का अनुमान

● पेरिस ओलंपिक में 10 हजार मीटर का खिताब जीतने वाले चेपटेगई भी लेंगे भाग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

इथोपिया के दो बार के 5000 मीटर के विश्व चैंपियन मुक्तार इदरिस के यहां 20 अक्टूबर को होने वाली दिल्ली हाफ मैराथन में पुरुष एलीट वर्ग में युगांडा के 10,000 मीटर के ओलंपिक चैंपियन जोशुआ चेपटेगई को कड़ी टक्कर देने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपिक में 10 हजार मीटर का खिताब जीतने वाले 28 साल के चेपटेगई दिल्ली हाफ मैराथन में पदार्पण करेंगे। वह 10 हजार मीटर में तीन बार के विश्व चैंपियन हैं और हाफ मैराथन में उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 59 मिनट 21 सेकेंड है। चेपटेगई 5000 मीटर और 10,000 मीटर दोनों में वर्तमान विश्व रिकॉर्ड धारक हैं और 15 किमी की दूरी का सर्वश्रेष्ठ समय भी उनके नाम है। उन्होंने भारत में टीसीएस विश्व 10के (10 किमी) बेंगलुरू में 2014 में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और दूसरे स्थान पर रहे थे। चेपटेगई को इदरिस से चुनौती मिलेगी जो 2022 के बाद दिल्ली हाफ मैराथन में वापसी करेंगे। उन्होंने 2020 में दिल्ली हाफ मैराथन में 59 मिनट चार सेकेंड के प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। महिलाओं के एलीट वर्ग का नेतृत्व 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की 10,000 मीटर चैंपियन ग्रेट ब्रिटेन की इलिश मैकोलगन करेंगी।

मैकोलगन के नाम 10 किमी की रोड रेस का यूरोपीय रिकॉर्ड है। उन्होंने चार ओलंपिक खेलों (2012-2024) में ग्रेट ब्रिटेन और तीन राष्ट्रमंडल खेलों (2014-2022) में स्कॉटलैंड का प्रतिनिधित्व भी किया है। मैकोलगन ने 2023 में 65 मिनट 43 सेकेंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ बर्लिन हाफ मैराथन जीती। उन्हें कीनिया की सिंथिया लिमो (66 मिनट चार सेकेंड), इथोपिया की एलेमगेट यारेगल (66 मिनट 27 सेकेंड), तिरुए मेसफिन (66 मिनट 31 सेकेंड) और तंजानिया की मैग्डेलेना शौरी (66 मिनट 37 सेकेंड) से कड़ी टक्कर मिलेगी।

पांच महिलाओं ने 67 मिनट से कम समय में हाफ मैराथन पूरी की है जिससे यह प्रतियोगिता काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

विश्व एथलेटिक्स की इस गोल्ड लेबल रोड रेस की कुल पुरस्कार राशि 2,60,000 अमेरिकी डॉलर है और इसे जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

दोस्तों को चाकू मारकर लूटपाट करने वाला पकड़ा

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में स्कूटी सवार बदमाशों ने दो दोस्तों को चाकू मारकर लूटपाट की थी। वारदात में शामिल एक आरोपी विकास उर्फ हिप हॉप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से पीड़ित का फोन भी जब्त कर लिया है। आरोपी पहले भी तीन वारदातों में शामिल रहा है। पुलिस आरोपी की निशानदेही पर उसके बाकी साथियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि बीते रविवार को मॉडल टाउन इलाके में दो युवकों को चाकू मारकर लूटपाट करने की पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची। पता चला कि हंस सिनेमा जीटीके रोड के पास पतंजलि स्टोर के पास झगड़े में दो युवक घायल हो गए थे।

किसानों से 17 हजार, 877 टन बाजरे की खरीद हुई

दावा, किसानों की सुविधा के लिए मंडियों में किए गए हैं पुख्ता इंतजाम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मंडी में बाजरे की खरीद करते अधिकारी।

जिले की मंडियों में हरियाणा वेयर हाऊस कार्पोरेशन द्वारा बाजरा की खरीद सुचारू रूप से की जा रही है। अभी तक 17 हजार 877.2 मीट्रिक टन बाजरा जिले के सात हजार 293 किसानों से खरीदा जा चुका है।

हरियाणा वेयर हाऊस कार्पोरेशन की ओर से सोहना, पटौदी व फर्रुखनगर मंडी में समर्थन मूल्य 2625 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरे की खरीद जारी है। तीनों मंडियों में किसानों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं। जहां राजस्व विभाग के पटवारी, कृषि विभाग का कर्मचारी, मार्केटिंग बोर्ड का कर्मचारी तथा उनके सहयोगी बैठकर किसानों की शिकायतों का निवारण कर रहे हैं। हरियाणा वेयरहाउस कारेपोरेशन की ओर से फर्रूखनगर मंडी में 2947.7, सोहना मंडी में 2974.5 और पटौदी मंडी में 11 हजार 955 टन बाजरा खरीदा जा चुका है।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने बताया कि खरीद प्रक्रिया व मंडी प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसानों को फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए। मंडियों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस विभाग की ड्यूटी लगाई गई है। इसी प्रकार पेयजल, किसानों के लिए विश्राम, बिजली आपूर्ति, फसल के शीघ्र भुगतान व बाजरा के उठान का विशेष प्रबंध किया गया है।

मार्केटिंग बोर्ड के जिला प्रबंधक विनय यादव ने बताया कि सरकार के दिशा-निर्देशानुसार मंडियों में किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं का पुख्ता प्रबंध किया गया है। सरकारी खरीद के अलावा मंडी के आढ़तियों द्वारा भी बाजरा खरीदा जा रहा है।

किसानों को फसल का भुगतान 48 घंटे में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 6252 मीट्रिक टन बाजरा की लिफ्टिंग हो चुकी है। फसल उठान का कार्य नियमित रूप से जारी है।

फसल अवशेष प्रबंधन पर किसानों को प्रति एकड़ मिलेंगे एक हजार रुपये

गुरुग्राम। धान उत्पादक किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार एक हजार रूपए प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि प्रदान करेगी। किसान धान की कटाई के बाद अपने खेत में आग ना लगाएं। आग लगाने से वायु प्रदूषण होता है और मिट्टी के पोषक तत्व भी नष्ट हो जाते हैं।

गुरुग्राम में करीब 10 हजार हेक्टेयर भूमि में धान का उत्पादन होता है। मूछल व नॉन बासमती धान के अलावा इस बार बासमती धान उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन राशि का लाभ दिया जाएगा। प्रदेश सरकार द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन योजना एसबी-82, 2024-25 के तहत अवशेषों को मशीनों की सहायता से मिट्टी में मिलाने पर किसानों को प्रति एकड़ एक हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया गया है। धान अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढेगी तथा वातावरण को स्वच्छ रखने में सहायता मिलेगी। जिले के किसान हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रिवर्सेबल एमबी प्लॉव व जीरो टिल सीड ड्रील की सहायता से धान अवशेषो को मिट्टी में मिलाकर प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदक किसान को मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। डीसी ने कहा कि योजना का लाभ लेने के लिए किसान को विभागीय पोर्टल एग्रीहरियाणा.जीओवी.इन पर तीस नवंबर तक आवेदन करना होगा। ग्राम स्तरीय कमेटी से सत्यापन होने के बाद पात्र किसानों को प्रोत्साहन राशि का लाभ दे दिया जाएगा।

बंधवाड़ी कचरा निस्तारण साइट का दौरा करते नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह।

बंधवाड़ी साइट पर आग की घटनाएं रोकने को 24 घंटे की जाएगी निगरानी

- नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त ने साइट का दौरा कर निगरानी बढ़ाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह सोमवार को गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी कचरा निस्तारण प्लांट में दौरा करने के लिए पहुंचे। उन्होंने यहां पर उपस्थित अधिकारियों से कचरा निस्तारण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आग लगने की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए, ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की परेशानी ना हो।

अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि प्लांट में आग लगने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए 24 घंटे निगरानी की जाए। इसके लिए 8-8 घंटे की तीन शिफ्टों में कर्मचारियों की ड्यूटी सुनिश्चित की जाएगी। इसके साथ ही प्लांट में दमकल वाहन 24 घंटे तैनात रहेंगे, ताकि आग को तुरंत ही बुझाया जा सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता व कनिष्ठ अभियंता से कहा कि अगर भविष्य में आग की कोई घटना होती है तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

इस मौके पर उन्होंने प्लांट के प्रत्येक हिस्से का मौका-मुआयना भी किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कचरा निस्तारण प्रक्रिया में और अधिक तेजी लाई जाए, ताकि निर्धारित समयावधि पर कचरे का निस्तारण कार्य पूरा हो सके। इसके साथ ही लीचेट का प्रबंधन भी साथ-साथ करते रहें। उन्होंने बंधवाड़ी में कचरा लेकर पहुंचने वाले वाहनों की एंट्री और अधिक तेजी से करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए।

नगर निगम ने सिद्धेश्वर स्कूल पर ठोंका 25 हजार रुपये जुर्माना

गुरुग्राम। नगर निगम टीमों ने बल्क वेस्ट जनरेटर्स का दौरा किया। इस दौरान सेक्टर-9ए स्थित एसएन सिद्धेश्वर स्कूल में नियमों की पालना नहीं पाए जाने पर 25 हजार रुपये का चालान किया।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटर्स को अपने परिसर में ही स्वयं के स्तर पर कूड़े का प्रबंधन करना अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने पर संबंधित पर नियमों के तहत जुर्माना लगाने का प्रावधान है। सिद्धेश्वर स्कूल पहुंची नगर निगम की टीम ने स्कूल प्रबंधन को भविष्य में नियमों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कहा गया कि गीले, सूखे, बागवानी व हानिकारक कचरे को अलग-अलग किया जाए तथा अलग-अलग ही उसका प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। गीले कचरे व बागवानी कचरे से खाद तैयार करके परिसर में हरियाली बढ़ाने में उसका उपयोग किया जा सकता है तथा सूखे व हानिकारक कचरे को संबंधित रिसायकर्ल के माध्यम से निष्पादित करवाना सुनिश्चित किया जाए।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हो किसानों से खरीद: तेवतिया

- विधायक ने मोहना अनाज मंडी का दौरा कर सुनी किसानों व आढ़तियों की समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पृथला के नव-निर्वाचित विधायक रघुबीर तेवतिया ने सोमवार को मोहना अनाज मंडी का दौरा कर किसानों व आढ़तियों की समस्याएं सुनीं तथा फसल खरीद की जानकारी ली। आढ़तियों ने विधायक के समक्ष फसल खरीद न होने की शिकायत रखी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा धान की न्यूतम समर्थन मूल्य पर खरीद नहीं की जा रही है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सरकारी खरीद नहीं हो रही है। आढ़तियों द्वारा विधायक का स्वागत भी किया गया।

विधायक ने मंडियों में धान की सरकारी खरीद न होने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि मंडियों में धान की फसल लाई जा रही है लेकिन एजेंसियों द्वारा एक बोरी फसल भी नहीं खरीदी है, जो किसानों के साथ सरासर धोखा है। उन्होंने कहा कि एक ओर से सरकार किसान हितैषी होने का दम भरती है, तथा धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2320 रूपये घोषित किया हुआ है, लेकिन सरकार फसल को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर नहीं खरीद रही है।

किसानों को एसएसपी व एनपीके प्रयोग की सलाह

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

- तिलहन फसलों के लिए फायदेमंद है सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग

जिला में रबी फसलों की बुवाई का सीजन शुरू हो गया है। इसलिए किसानों को दो मुख्य बिंदुओं पर ध्यान देना चाहिए। पहला, बीज व दूसरा, उर्वरक। अगर बीज का चुनाव सही है लेकिन सही उर्वरक का प्रयोग नहीं किया तो यह फसल की उत्पादन क्षमता पर भी प्रभाव डालता है। किसान डीएपी(डाई अमोनियम फॉस्फेट) की बजाय एसएसपी यानी सिंगल सुपर फॉस्फेट अथवा एनपीके का प्रयोग करें।

डीसी निशांत कुमार यादव ने कहा कि सरसों एक तिलहन फसल है। इसलिए इसके बेहतर उत्पादन के लिए किसानों को एसएसपी खाद का प्रयोग करना चाहिए। बीज बुवाई से पूर्व एसएसपी का प्रयोग न केवल पौधे की उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि यह फसल की गुणवत्ता की बढ़ोतरी में भी सहायक सिद्ध होता है। वहीं गेहूं की फसल में दाने का साइज़ व उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए एनपीके का प्रयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसान आज भी सरसों व गेहूं की फसल के लिए डीएपी खाद पर निर्भर है जबकि बाजार में इसकी तुलना में कम दाम पर बेहतर विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने जिला के सभी किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान बाजार में उपलब्ध इस किफायती व बेहतर विकल्प का लाभ अवश्य उठाएं।

कृषि विभाग में उपनिदेशक डॉ. अनिल तंवर ने उपरोक्त दोनों खाद की तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि किसान सरसों की बिजाई के लिए एक एकड़ में 50 किलो डीएपी यानी एक कट्टा खाद का प्रयोग करता है, जिसमें 46 प्रतिशत फास्फेट व 18 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है। यह खाद जमीन में जल्दी घुलनशील होती है इसलिए बीज के अंकुरण के समय पौधे को इसका कम लाभ मिलता है।

इसके साथ ही तिलहन फसलों के लिए सल्फर, जोकि सबसे आवश्यक तत्व है, इसकी मात्रा डीएपी में शून्य प्रतिशत होती है। वहीं एसएसपी के एक कट्टे में 15.8 प्रतिशत फॉस्फेट व सल्फर की मात्रा 11 व कैल्शियम की मात्रा 20 प्रतिशत होती है। चूंकि एसएसपी में नाइट्रोजन की मात्रा शून्य है इसलिए इसकी पूर्ति के लिए हम एसएसपी के साथ यूरिया का प्रयोग कर सकते है।

इस तरह से करें प्रयोग

डॉ. तंवर ने बताया कि एक एकड़ में डीएपी के एक कट्टे की तुलना में हमें बीज बुवाई से पूर्व एसएसपी के दो कट्टे का प्रयोग करना होगा। इससे एक एकड़ में फॉस्फेट की मात्रा करीब 31 प्रतिशत हो जाएगी। तिलहन फसलों के आवश्यक तत्व यानी सल्फर की मात्रा करीब 22 प्रतिशत रहेगी। उन्होंने कहा कि सभी किसान खेत मे नाइट्रोजन की पूर्ति के लिए एसएसपी खाद की बुवाई से पहले एक एकड़ में 25 किलो यूरिया का छिड़काव जरूर करें। यूरिया के एक कट्टे में नाइट्रोजन की मात्रा करीब 46 प्रतिशत के करीब है।

नारी को अबला नहीं सबला बनना होगा: माधुरी मराठे

- पथ संचलन में 350 से अधिक महिलाओं ने दिखाई एकता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में विजय दशमी पर्व के उपलक्ष्य में शस्त्र पूजन करती संवर्धनी न्यास की राष्ट्रीय सचिव माधुरी मराठे व अन्य महिलाएं।

संवर्धनी न्यास की राष्ट्रीय सचिव माधुरी मराठे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व राष्ट्र सेविका समिति की स्थापना विजय दशमी के दिन ही हुई है। आरएसएस अब अपनी सतायु पूरी करने जा रही है। हमारे लिए यह गौरव की बात है। शास्त्र और शस्त्र सनातन की मूल पहचान है। बदलते परिवेश में उन्होंने नारी का आह्वान करते हुए कहा कि केवल शस्त्र पूजने से ही काम चलने वाला नहीं है। यह बात उन्होंने यहां सेक्टर-10 स्थित सिद्धेश्वर स्कूल में आयोजित विजय दशमी कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा शस्त्र पूजन एवं पथ संचलन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही।

पथ संचलन में 20 स्थानों से आई 350 से अधिक नारी शक्ति ने अपनी समरूप कदम ताल से अपनी एकता का शंखनाद करती दिखाई दी। जहां-जहां पथ संचलन निकला सड? किनारे खड़े लोगों ने पुष्प वर्षा से स्वागत किया। घोष की स्वर लहरियां व संचलन में भागीदार नारी शक्ति के कदमों की ताल देखते ही बनती थी।

माधुरी मराठे ने कहा कि दशहरा मां दुर्गा की नो दिन की उपासना के उपरांत आता है, मां दुर्गा की पूजा हम अपनी रक्त वाहिनी में शक्ति का संचार करने के लिए करते हैं। इसलिए अब भरत की नारी को अबला नही सबला बनना होगा। जिससे राष्ट्र रक्षा में नारी भी रानी लक्ष्मी बाई की भांति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। उनके अनुसार नारी को समाज रूपी रथ की सारथी बनना होगा। उन्होंने कहा कि वन्देमातरम गीत को रचना के 150 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बंकिम चन्द्र बनर्जी रचित इस गीत केवल आनंद मठ का ही गीत नही रहा बल्कि जन जन की चेतना का गीत बन गया। आजादी के मतवालों की धमनियों में इस गीत ने नई ऊर्जा का प्रवाह कर दिया। जिससे अंग्रेज भी डरने लगे थे।

अरुण जैन को सूरज प्रकाश मरवाह साहित्य रत्न सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एशियन अकादमी ऑफ आर्ट्स व राइटर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 10 वें वैशविक साहित्य महोत्सव में फरीदाबाद के अरुण कुमार जैन को सम्मानित किया गया।

नोएडा फिल्म सिटी स्थित मरवाह स्टूडियो के प्रांगण में आयोजित एक गरिमामय समारोह में 3 दिवसीय 10 वाँ वैश्विक साहित्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश विदेश के 200 से अधिक साहित्य मनीषों ने भाग लिया. 3 दिवसीय कार्यक्रम में सेमिनार, पुस्तक प्रदर्शनी, लोकार्पण, समीक्षा, परिचर्चा के साथ साथ आने वाले समय में लेखन को चुनौती व लेखन के स्वरुप पर चर्चा हुई।

इसी कार्यक्रम में ललितपुर में जन्मे वरिष्ठ साहित्यकार व विगत 7 वर्षों से देश के प्रसिद्ध अमृता हॉस्पिटल फरीदाबाद में सेवारत श्री जैन को सूरज प्रकाश मरवाह साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह निदेशक सुशील भारती ने इंजिनियर अरुण जैन की साहित्यिक उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि इनकी रचनाओं के 2000 से अधिक प्रकाशन देश भर की पत्र पत्रिकाओं में विगत 50 वर्षों में हुये हैं। 14 से अधिक कृतियों के सृजक आकाशवाणी, दूरदर्शन से विगत 40 से अधिक वर्षों से जुड़े हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रतियोगिताओं से होता है सर्वांगीण विकास: डीसी

फरीदाबाद। हरियाणा बाल कल्याण परिषद के तत्वावधान में उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला बाल कल्याण परिषद विक्रम सिंह के कुशल नेतृत्व में बाल भवन एनआईटी के सभागार में जिला स्तरीय बाल महोत्सव 2024 के उपलक्ष्य में प्रतियोगिताओं का शुभारम्भ किया गया। सोमवार को प्रथम दिन फर्स्ट ग्रुप के सोलो डांस, फैंसी ड्रेस, ग्रुप डांस व बेस्ट ड्रामेबाज का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ उपायुक्त ने दीप प्रज्वलित करके किया। हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल दिवस प्रतियोगिताओं का आयोजन 14 से 19 अक्टूबर तक किया जा रहा है। मंडलीय बाल कल्याण अधिकारी कुशमंदर यादव व लेखाकर उदय चन्द ने उपायुक्त का गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। प्रतियोगिताओं के नोडल अधिकारी प्रिंसिपल रविंद्र कुमार और बांके बिहारी ने सभी बच्चों को को भी अपना संदेश दिया और बताया कि कोई भी प्रतियोगिता छोटी नहीं होती सभी बच्चों को इनमें भाग लेना चाहिए। निर्णायक मंडल की भूमिका संदीप कुमार, अंशुल मिगलानी, देवेंद्र गौड़, रूप किशोर प्रिंसिपल, विक्रम सिंह, मनीषा, मनोज शास्त्री व भारती शर्मा ने निभाई। स्टेज कन्वेनर की भूमिका गीता सिंह आजीवन सदस्य व अंजू यादव आजीवन सदस्य ने बहुत ही खूबसूरत तरीके से निभाई। लेखाकार उदय चंद ने इस कार्यक्रम में पहुंचे विमल खंडेलवाल एवं सभी आए अतिथियों का अभिनंदन किया।

स्टेशन मास्टर्स 16 को जंतर-मंतर पर करेंगे प्रदर्शन

गुरुग्राम। देशभर के रेलवे स्टेशन मास्टर दिल्ली में 16 अक्टूबर को अपनी मांगों को लेकर अनशन कर विरोध जताएंगे। जंतर मंतर पर होने वाले कार्यक्रम को लेकर एस्मा (ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन) की ओर से आंदोलन का आह्वान किया गया है। हर मंडल से दो दर्जन से ज्यादा स्टेशन मास्टर दिल्ली बुलाए गए हैं। दिल्ली में दिनभर चलने वाले विरोध प्रदर्शन के बीच इस दौरान अपनी मांगों के समर्थन में पेंडिंग डिमांड का बेज लगाकर ड्यूटी करेंगे। पदनाम परिवर्तन, रात्रि ड्यूटी भत्ता समेत तमाम मांगों को लेकर रेलवे के स्टेशन मास्टर में विरोध गहराया है। मांगों को मनवाने के लिए एस्मा ने आंदोलन के लिए दिल्ली में प्रदर्शन का ऐलान किया है। एस्मा के दिल्ली मंडल में मंडल सचिव भरत लाल मीणा ने बताया कि स्टेशन मास्टर्स की तमाम मांगे हैं। पर मांगों के हल ने होने पर रेल कर्मियों को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ा। रेलवे का ब्रांड एंबेसडर माने जाने वाला भूख हड़ताल के लिए मजबूर है।

आईटीआई गुरुग्राम में 18 को लगेगा रोजगार मेला

गुरुग्राम। राजकीय औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) गुरुग्राम द्वारा 18 अक्टूबर को अपरेंटिस व प्लेसमेंट के लिए रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। मेले में भाग ले रही विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियां अपनी जरूरतों व नियमों के हिसाब से आईटीआई पास छात्रों का चयन करेगी। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान गुरुग्राम के प्रवक्ता ने बताया कि कौशल विकास एवं औधोगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के निदेशक द्वारा जारी निर्देशानुसार 18 अक्टूबर को आईटीआई गुरूग्राम के प्रांगण में अप्रेंटिस व प्लेसमेंट हेतु रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें हरियाणा निवासी कोई भी आईटीआई पास विद्यार्थी भाग ले सकता है। मेले में 5 कंपनी भाग ले रही हैं। जो अपने नियम व शर्तों के हिसाब से 150 से अधिक विद्यार्थियों का चयन करेंगी। प्रवक्ता ने कहा कि मेले में भाग लेने के इच्छुक किसी भी प्रतिभागी को इस विषय से संबंधित कोई भी जानकारी चाहिए तो संस्थान में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

- दहेज प्रताड़ना के चलते पति, सास व देवरों पर हत्या का आरोप

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

होडल थाना इलाके में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने दहेज प्रताडना के चलते पति, सास व देवरों पर हत्या का आरोप लगाया है। होडल थाना पुलिस ने मृतका के पिता के बयान पर कार्रवाई करते हुए शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामला दर्ज कर लिया जाएगा।

अलीगढ़ (यूपी) के ऐलमपुर गांव निवासी चरण सिंह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि करीब छह साल पहले उसने अपनी 26 वर्षीय बेटी गुंजन की शादी रेलवे रोड़ होडल निवासी लखविंद्र उर्फ देवा के साथ की थी। शादी में दिए दहेज से ससुराल वाले खुश नहीं थे और दहेज की मांग को लेकर आए दिन उसकी बेटी के साथ मारपीट करते थे। 10 अक्टूबर को उसकी बेटी गुंजन ने उनके पास फोन किया कि पति लखविंद्र, सास पुष्पा, देवर अंकित व सौरव ने उसके साथ मारपीट की है। आरोपी उससे दो लाख रुपये लाने के लिए कह रहे हैं। वह अपने भाई के साथ गुंजन की ससुराल पहुंचा तो उसके शरीर पर चोटों के निशान थे। आरोपियों को समझाने का प्रयास किया तथा गुंजन को साथ भेजने के लिए कहा, परंतु उन्होंने नहीं भेजा। रविवार रात को लखविंद्र का फोन आया कि गुंजन ने फांसी लगा ली है। वह तुरंत गुंजन की ससुराल पहुंचा तो आरोपियों ने कहा कि गुंजन की मौत हार्ट अटैक के कारण हुई है। गुंजन के गले पर निशान है। उन्हें शक है कि लखविंद्र, पुष्पा, अंकित व सौरव ने उसकी बेटी गुंजन को फांसी लगाकर हत्या की है। होडल थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि मृतका गुंजन के पिता ने जो शिकायत दी है उसकी जांच की जा रही है।

पुल निर्माण कार्य के दौरान व्यापारियों और आमजन को न हो कोई परेशानी: विधायक

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

मोहना रोड एलिवेटिड पुल निर्माण के संदर्भ में निवर्तमान केबिनेट मंत्री एवम् विधायक मूलचंद शर्मा एक्शन मोड़ में नजर आए।

विधायक मूलचंद शर्मा ने रेस्ट हाउस बल्लभगढ़ में व्यापारियों और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के साथ बैठक के बाद मोहना रोड पर चल रहे कार्य का निरक्षण किया। विधायक मूलचंद शर्मा ने अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश देते हुए कहा एलिवेटिक पुल के काम को तेज गति से पूरा करें। अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यापारियों और यहां से निकलने वाले वाहन चालकों को भी कोई परेशानी न होने दे उसके लिए करें उचित प्रबंध। विधायक मूलचंद शर्मा ने व्यापारियो की समस्याओं को सुना और उसके बाद मौके पर ही एसडीएम मयंक भारद्वाज,पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन प्रदीप सिंधु को व्यापारियों को आने वाली समस्याओं का समाधान करने की बात कही। इस मौके अन्य अधिकारी भी रहे मौजूद।

विधायक ने कहा कि हरियाणा के इस बड़े एलिवेटेड पुल से लाखो लोगो को फायदा मिलेगा।

विधायक ने किया सफाई व्यवस्था का निरीक्षण

- शहर में गंदगी और जल भराव की समस्या को लेकर अधिकारियों को चेतावनी

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

नवनिर्वाचित विधायक गौरव गौतम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर पानी निकासी और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही नगर परिषद के आला अधिकारियों को भी जल्द शहर में पानी निकासी व सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सख्त निर्देश भी दिए।

इस अवसर पर पलवल से नवनिर्वाचित विधायक गौरव गौतम ने कहा कि पलवल शहर साफ और स्वच्छ बनाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। आज उन्होंने नगर परिषद के आला अधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्र में जाकर पानी निकासी और सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ अधिकारियों को पानी निकासी और सफाई व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। दोनों विभाग के अधिकारियों को तीन दिन का अल्टीमेटम भी दिया गया है।

अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज कनिष्का को मिडकौला की सरदारी ने किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

पेरू पश्चिमी दक्षिण अमेरिका में खेली गई जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप (पिस्टल) में 10 मीटर और 50 मीटर फ्री पिस्टल में गोल्ड व सिल्वर मैडल जीतने वाली अंतरराष्ट्रीय पिस्टल निशानेबाज कनिष्का डागर का रविवार रात उनके घर गांव जाजरू में गांव मिडकौला की सरदारी ने पगड़ी पहनाकर जोरदार अभिवादन किया। इसके बाद गांव में ही पृथला विधायक ने भी निशानेबाज को शील्ड देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सरदारी ने निशानेबाज अनमोल जैन को भी पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके पर गांव मिडकौला की सरदारी में भारतीय किसान यूनियन जिला पलवल के प्रधान सुशील डागर, जीवन लाल डागर, हरी किशन डागर, पूर्व सदस्य ग्रीवेंस कमेटी, अजीत भगत, देवी सिंह पंवार सर्व कर्मचारी यूनियन प्रधान सहित कनिष्का डागर के पिता अनिल डागर, मां पूनम देवी आदि मौजूद रहे।

हरियाणा कांग्रेस में अब नया घमासान

नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष का पद सैलजा व चंद्रमोहन को सौंपने के पक्ष में हाईकमान

- हुड्डा गुट ने गीता भुक्कल व शकुंतला खटक में से किसी को अध्यक्ष बनाने का दिया सुझाव
- पंजाबी समुदाय के अशोक अरोड़ा को नेता प्रतिपक्ष बनवाना चाहता है हुड्डा खेमा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस में लगातार तीसरी हार के बावजूद कांग्रेस सबक लेकर संगठन की मजबूती की तरफ ध्यान देने की बजाए नए विवाद में उलझ गई है। कांग्रेस में अब नेता प्रतिपक्ष बनाने तथा नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर घमासान शुरू हो गया है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान विधानसभा चुनाव हार चुके हैं। पूर्व अध्यक्ष अशोक तंवर तथा कुमारी सैलजा की तरह उदयभान भी अपने कार्यकाल के दौरान हरियाणा में कांग्रेस का संगठन खड़ा नहीं कर पाए हैं। चुनाव हारने के बाद उदयभान पर इस्तीफे के लिए दबाव बना हुआ है। कांग्रेस हाईकमान द्वारा हार की समीक्षा को लेकर बुलाई गई पहली बैठक में उदयभान तथा पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा हाजिर नहीं हुए थे।

हाईकमान यह तय कर चुका है कि पार्टी को मिली करारी हार के चलते प्रदेश अध्यक्ष को बदला जाए और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष भी किसी अन्य को बनाया जाए। सूत्रों की मानें तो हाईकमान अब विपक्ष में रहते हुए कुमारी सैलजा को कांग्रेस की कमान देकर फ्री हैंड देने के पक्ष में है। जिसके चलते हाईकमान की तरफ से कुमारी सैलजा को फिर से

कांग्रेस का अध्यक्ष बनाने पर मंथन शुरू हो चुका है।

नेता प्रतिपक्ष के लिए हाईकमान द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के बेटे चंद्रमोहन के नाम पर मंथन किया जा रहा है। चंद्रमोहन पहले हरियाणा के उपमुख्यमंत्री रह चुके हैं। हाईकमान दलित को प्रदेश अध्यक्ष तथा गैर जाट को नेता प्रतिपक्ष बनाकर विधानसभा चुनाव में हुए डैमेज को कंट्रोल करना चाहती है।

दूसरी तरफ पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट ने इसमें भी अड़ंगा लगाना शुरू कर दिया है। हुड्डा स्वयं इस मामले में चुप हैं और पर्दे के पीछे हैं, लेकिन उनके गुट के नेताओं ने प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए पूर्व मंत्री एवं विधायक गीता भुक्कल तथा कलानौर की विधायक शकुंतला खटक के नाम को आगे बढ़ा दिया है। दोनों ही वरिष्ठ विधायक हैं और दलित कोटे से आती हैं। दूसरी तरफ हुड्डा गुट ने नेता प्रतिपक्ष के लिए थानेसर के विधायक अशोक अरोड़ा का नाम चलाया है।

अशोक अरोड़ा पंजाबी समुदाय से हैं। इन नेताओं को फिट करने के साथ ही हाईकमान की गैर जाट वाली मंशा भी पूरी हो जाएगी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा गुट का कांग्रेस में दबाव भी बना रहेगा। बहरहाल कांग्रेस में अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर छिड़े इस विवाद का जल्द ही पटाक्षेप हो सकता है।

सामाजिक संस्थाओं को 77 लाख रुपए के चेक किए गए वितरित: सुधा

कुरुक्षेत्र। पूर्व शहरी स्थानीय निकाय राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने सोमवार को अपने आवास पर 9 सामाजिक संस्थाओं की गतिविधियों के विस्तार के लिए 77 लाख रुपए की राशि के चैक वितरित किए। सभी संस्थाओं ने यह राशि जारी करने के लिए सुभाष सुधा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि आज जिन संस्थाओं को चैक वितरित किए गए है उनमें प्रांची शिव एवं सरस्वती संस्था को 20 लाख रुपए, फोनिक्स क्लब को 4 लाख, समस्त श्याम प्रेमी परिवार संस्था को 5 लाख रुपए, लोटस एसआरएस रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन संस्था को 5 लाख, प्राचीन शिव मंदिर सभा को 7 लाख, विद्या भारती इन्सिटयूट ऑफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च ट्रस्ट को 11 लाख, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर कृष्ण को 11 लाख, वात्सल्य वाटिका शिव शक्ति मंदिर एवं आश्रम को 11 लाख, श्रीमद भगवद गीता सीनियर सेकेंडरी स्कूल को 21 लाख रुपए राशि के चैक वितरित किए गए है।

कांग्रेस प्रभारी बाबरिया ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर की इस्तीफे की पेशकश

- सैलजा, सुरजेवाला और अजय यादव उठाते हैं रहे प्रभारी पर सवाल
- भूपेंद्र हुड्डा के इशारे पर काम करने के लगते रहे हैं आरोप

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में कांग्रेस की हार के बाद विवादों में घिरे हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफे की पेशकश कर डाली। बाबरिया ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए हरियाणा प्रभारी का पद छोड़ने का प्रस्ताव रखा है।

कांग्रेस की हार के लिए पार्टी प्रभारी दीपक बाबरिया और हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष चौधरी उदयभान समेत कई नेताओं को जिम्मेदार माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, दीपक बाबरिया और चौधरी उदयभान को कांग्रेस की समीक्षा बैठक से दूर रखते हुए राहुल गांधी ने कहा था कि हरियाणा के चुनाव में नेताओं ने पार्टी से ज्यादा अपने निजी हितों को ध्यान में रखा है।

राहुल गांधी का इशारा समझते ही दीपक बाबरिया ने स्वयं पद छोड़ने की इच्छा जाहिर कर दी है। दीपक बाबरिया ने राहुल गांधी से कहा है कि वे अब स्वस्थ नहीं रहते। इसलिए उनके स्थान पर किसी दूसरे को हरियाणा कांग्रेस का प्रभार सौंप दिया जाए। दीपक बाबरिया ने कहा कि विधानसभा चुनाव के बीच अचानक मेरी तबीयत खराब हुई। पहले भी मुझे ब्रेन स्ट्रोक आ चुका है। दोबारा फिर स्थिति गंभीर है। ब्रेन ने शरीर के दूसरे अंगों तक संपर्क करना बंद कर दिया था। न्यूरो से संबंधित समस्याएं थीं, जिस कारण कई दिनों तक मुझे अस्पताल में दाखिल होना पड़ा। बाबरिया के अनुसार हालांकि अब स्वास्थ्य पहले से ठीक है, लेकिन अब भी एक दिन तबीयत ठीक रहती है और दूसरे दिन वैसी ही हो जाती है। इन सब चीजों को ठीक होने में समय लगेगा। इसलिए मैंने कांग्रेस नेतृत्व से हरियाणा का प्रभार छोड़ने की इच्छा जताई है।

विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे के दौरान नौ सितंबर को दीपक बाबरिया की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। ब्लड प्रेशर बढ़ने के बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। बाबरिया पर कुमारी सैलजा,रणदीप सुरजेवाला तथा कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन अजय सिंह यादव ने भी कई बार यह आरोप लगाए हैं कि उन्होंने भूपेंद्र सिंह हुड्डा के प्रभाव में आकर काम किया, जिस कारण पार्टी में बाकी नेताओं की पूरी तरह से अनदेखी हुई है।

आंगनबाड़ी कर्मियों का मानदेय बढ़ा

- महिला एवं बाल विकास विभाग ने जारी किए निर्देश
- 16 अगस्त से लागू होगा बढ़ा हुआ मानदेय

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

नई सरकार के गठन से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका को मानदेय बढ़ोतरी की सौगात दी गई है। अब प्रदेश में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को 14 हजार 750 रुपये मानदेय मिलेगा और सहायिका को 7900 रुपये मिलेंगे।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सोमवार को मानदेय बढ़ोतरी की अधिसूचना जारी की गई है। बढ़ा हुआ मानदेय 16 अगस्त से लागू होगा। विभाग की ओर से चार श्रेणियों में मानदेय की बढ़ोतरी की गई है। 10 वर्ष से ज्यादा अनुभव रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ मिनी आंगनबाड़ी और आंगनबाड़ी सहायिका शामिल हैं। बढ़ाए गए मानदेय से तकरीबन 24 हजार से ज्यादा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिका लाभवांतित होंगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी की अधिसूचना के मुताबिक 10 से ज्यादा अनुभव रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 14 हजार मानदेय दिया जा रहा था। मुख्यमंत्री द्वारा 9 अगस्त 2024 को मानदेय बढ़ोतरी की घोषणा की गई थी। बढ़ा हुआ मानदेय 16 अगस्त से लागू होगा, जिसके अनुसार 750 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। अब 10 वर्ष से ज्यादा अनुभव रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को 14750 रुपये मानदेय मिलेगा।

इसके साथ ही 10 साल से कम अनुभव रखने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को पहले 12500 रुपये मिलते और 750 रुपये की बढ़ोतरी के साथ अब 13250 रुपये मिलेंगे।

मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता का भी मानदेय 12500 रुपये बढ़ाकर 13250 रुपये किया गया है। वहीं आंगनबाड़ी सहायिका को 7500 रुपये मानदेय के तौर पर मिलते अब 400 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 7900 रुपये मिलेंगे।

बता दें कि प्रदेश में 25 हजार 450 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं, जिनमें 12 लाख बच्चों को पूरक पोषण, अनौपचारिक पूर्व-विद्यालय शिक्षा, टीकाकरण, स्वास्थ्य शिक्षा, स्वास्थ्य जांच और रेफरल सेवाएं दी जा रही हैं। प्रदेश में आबादी के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों को खोला जाता है। 400 से 800 की आबादी पर एक आंगनबाड़ी केंद्र संचालित किया जाता है।

विधायक कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा से दिया इस्तीफा

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

विधानसभा चुनाव में जीत के बाद इसराना के विधायक कृष्ण लाल पंवार ने राज्यसभा सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया है। पंवार ने सोमवार को राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात करके इस्तीफा सौंपा।

कृष्ण लाल पंवार पहले भी मनोहर सरकार में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। पंवार का बतौर राज्यसभा सदस्य कार्यकाल वर्ष 2029 तक है। हालही में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान पंवार ने इसराना विधानसभा हल्के से कांग्रेस के बलबीर वाल्मीकि को 13578 वोटों से हराया था। माना जा रहा है की पंवार को दोबारा भाजपा सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है। इन्हीं अटकलों के चलते कृष्ण लाल पंवार ने सोमवार को राज्यसभा सीट से इस्तीफा दे दिया।

इस्तीफा दिए जाने के बाद पंवार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह एक नियम है। जिसका पालन करते हुए उन्होंने राज्य सभा की सदस्यता से इस्तीफा दिया है। अब वह हरियाणा विधानसभा में विधायक के पद पर निर्वाचित हो चुके हैं। मंत्री बनाए जाने की अटकलों पर पंवार ने कहा कि पार्टी ने हमेशा उन्हें मान सम्मान दिया है।

अब भी पार्टी जो जिम्मेदारी देगी उसका पूरी ईमानदारी के साथ निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बार हरियाणा में दो दीवाली मनाई जाएंगी। पहली दिवाली 17 अक्टूबर को मनाई जाएगी, जब हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद नई सरकार को शपथ दिलाने के लिए हरियाणा आ रहे हैं।

'चीफ की दावत' से शुरू हुआ उत्थान उत्सव

- मौजूदा समाज का आईना है भीष्म साहनी द्वारा लिखित नाटकः शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

'चीफ की दावत' नाटक का मंचन करते कलाकार।

अपनी संतान द्वारा तिरस्कृत और मानसिक पीड़ा झेलने वाले बुजुर्गों की दयनीय दशा पर हिंदी के कई कहानीकारों ने अपनी लेखनी चलाई है। भीष्म साहनी की कहानी 'चीफ की दावत' भी इसी कड़ी की एक संवेदनशील रचना है। आज के इस उपभोक्तावादी युग में अधिकाधिक धन, यश, आराम आदि ही जीवन का चरम लक्ष्य माना जाता है। ऐसी हालत में पारिवारिक मूल्य खत्म होते जा रहे हैं और मां-बाप अपनी संतान द्वारा उपेक्षित हो जाते हैं। चीफ की दावत मौजूदा समाज का ही आईना है।

ये कहना था हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा का। न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप के 15वें वार्षिक उत्सव के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि नागेंद्र शर्मा ने अपने विचार साझा किए।

न्यू उत्थान थियेटर ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत तथा भीष्म साहनी द्वारा लिखित कहानी चीफ की दावत का निर्देशन रंगकर्मी विकास शर्मा द्वारा किया गया। हरियाणा कला परिषद के संयुक्त सहयोग से कला कीर्ति भवन में आयोजित उत्थान उत्सव के पहले दिन मुख्यअतिथि नागेंद्र शर्मा के साथ विशिष्ट अतिथि के रुप में गीता जयंती मेला प्राधिकरण के सदस्य डा. सौरभ चौधरी, वरिष्ठ रंगकर्मी बृजकिशोर शर्मा, केडीबी के सदस्य अशोक रोशा आदि उपस्थित रहे। मंच का संचालन डा. मोहित गुप्ता ने किया।

विपक्षी नेताओं को भी भेजा जाएगा शपथ ग्रहण का निमंत्रण

- थ्री-लेयर होगी सुरक्षा, डॉग स्वायड की टीमें भी रहेंगी मुस्तैद

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की पंचकूला में तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। समारोह को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य मेहमान होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर शपथ ग्रहण समारोह में सुरक्षा चाक-चौबंद होगी। थ्री-लेयर सुरक्षा घेरा रहेगा और मुख्य मंच के नजदीक सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रहेगी। यही नहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंबुलेंस की तैनाती की जाएगी और चिकित्सकों की टीमें भी अलर्ट रहेंगी। भाजपा की ओर से विपक्षी नेताओं को भी आमंत्रण भेजा जाएगा।

पंचकूला के दशहर ग्राउंड सेक्टर-5 में आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को यादगार बनाने के लिए भाजपा तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी हुई है। करनाल के पूर्व सांसद संजय भाटिया सहित कई अन्य नेता तैयारियों का जिम्मा संभाले हुए हैं। यही नहीं सोमवार को शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर व्यवस्था का जायजा लेने के लिए राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने पंचकूला के पंचकमलम् कार्यालय में नेताओं की मीटिंग ली और तैयारियों की समीक्षा की। शपथ ग्रहण समारोह को लेकर भाजपा की ओर से 26 तरह की टीमें गठित की गई हैं, जिनमें मंच व्यवस्था, साज-सज्जा, माइक, जलपान सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर टीमों का गठन किया गया है। बैठक में तरुण चुघ ने व्यवस्था टीमों के इंचार्ज और पदाधिकारियों से सीधा संवाद किया।

शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध होंगे। कार्यक्रम में व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर ब्लॉक व लेयर में सुरक्षा कर्मी की तैनाती होगी। इसके साथ ही शपथ ग्रहण समारोह में आने वाले लोगों को थ्री-लेयर सुरक्षा चक्र को पार करना होगा। समारोह स्थल पर बम स्कवाड के साथ डॉग स्कवाड की टीमें भी मुस्तैद रहेंगी। आईजी स्तर के अधिकारी तैयारियों को जायजा ले रहे हैं। करनाल से पूर्व सांसद संजय भाटिया ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यातिथि होंगे और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशेष तौर पर मौजूद रहेंगे। 16 अक्टूबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विधायक दल की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें विधायक दल का नेता चुना जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह में केंद्रीय मंत्रियों के साथ भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री भी हिस्सा लेंगे। इसके साथ ही भाजपा की ओर से विपक्षी नेताओं को भी शपथ ग्रहण समारोह का आमंत्रण भेजा जाएगा।

समारोह स्थल पर तैनात रहेंगी 16 एंबुलेंस

स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक डॉ. मनीष बंसल ने बताया कि दशहरा ग्राउंड शपथ ग्रहण समारोह स्थल पर 16 एंबुलेंस तैनात की जाएंगी। यही नहीं पीजीआई चंडीगढ़, पीजीआई रोहतक और कल्पना चावला मेडिकल कालेज के स्पेशलिस्ट डाक्टरों टीमें भी समारोह स्थल पर मौजूद रहेंगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से पंचकूला सीएमओ को नोडल अधिकारी बनाया गया है। पंचकूला सिविल अस्पताल में स्पेशल वार्ड बनाया गया है।

पुलिसकर्मियों को मिलेगी आधुनिक हथियार चलाने की ट्रेनिंग

- पुलिस महानिदेशक ने हिंसक अपराध नियंत्रण व इमिग्रेशन फ्रॉड पर ली बैठक
- 21 अक्टूबर से शुरू होगा कोर्स, जिला स्तर पर तैयार होंगी स्वाट टीमें

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर।

हरियाणा में हिंसक अपराध नियंत्रण तथा हरियाणा पुलिस में क्षमता निर्माण करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने प्रदेश भर के पुलिस महानिरीक्षकों, पुलिस आयुक्तों तथा पुलिस अधीक्षकों के साथ सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। इस दौरान उन्होंने विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले एजेंटों पर कार्रवाई करने तथा नशा मुक्ति अभियान के बारे में रिपोर्ट ली।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा कि प्रदेश में हिंसक अपराध नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों का उच्च स्तरीय व गहन हथियार संचालन प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है ताकि उचित परिस्थितियों में नागरिकों की सुरक्षा हेतु उनका इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे अपने जिलों में तैनात अच्छे युवा पुलिसकर्मियों का साक्षात्कार करते हुए उनका चयन करें और उनका अलग-अलग बैच बनाकर शस्त्र चलाने का उन्नत प्रशिक्षण दिलवाना सुनिश्चित करें। वे इसके लिए अच्छे प्रशिक्षकों का चुनाव करें ताकि उच्च गुणवत्ता की ट्रेनिंग दी जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इसके लिए पुलिस मुख्यालय से भी कोर्स डिजाइन करके जिलों में भिजवाया गया है।

पुलिस अधीक्षक इस कोर्स को अपने जिले की स्थानीय समस्याओं के अनुरूप भी डिजाइन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण 7 से 10 दिन का होना चाहिए। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक यह ट्रेनिंग 21 अक्टूबर से शुरू करवाना सुनिश्चित करें। इससे जिलों में अपनी अच्छी स्वाट टीम भी तैयार होगी जो हिंसक अपराध नियंत्रण में प्रभावी तरीके से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण करवाने के लिए एचपीए मधुबन तथा पीटीसी सुनारिया के प्रशिक्षण केंद्रों का भी चयन किया गया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों को निर्देश देते हुए कहा कि वे क्षमता निर्माण के लिए अच्छे से अच्छा हथियार/उपकरण भी उपलब्ध करवाएं।

डीजीपी कपूर ने विदेश भेजने के नाम पर लोगों के साथ ठगी करने वाले लोगों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस अधीक्षक अवैध इमीग्रेशन फ्रॉड की नियमित रिपोर्ट मुख्यालय को भेंजें। पुलिस अधीक्षक ऐसे मामलों की मॉनिटरिंग स्वयं करें और उनकी जांच के स्तर को भी पहले की अपेक्षा गहनता से करें।

डीजीपी ने पुलिस अधीक्षकों से 31 दिसंबर तक अपने-2 जिलों के गांवों तथा वार्डों को नशा मुक्त बनाने के लिए स्वयं के लक्ष्य निर्धारित करके इसे प्राप्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षकों ने उनके क्षेत्र में नशा मुक्ति को लेकर क्या-क्या काम हुए हैं उस बारे में विस्तार से बताया।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना राहुल सचदेवा और सीमा सचदेवा की ओर से दी जाती है जो गांव धुनेला सेक्टर-33, अर्बन एस्टेट गुड़गांव हरियाणा में "आशियाना अनमोल" नामक आवासीय योजना में 9वीं मंजिल पर 1275 वर्ग फीट कारपेट एरिया वाली आवासीय इकाई संख्या एम-905 सुश्री पूजा से खरीद रहे हैं। जो दिनांक 26.06.2024 के हस्तातरण विलेख के अनुसार उपरोक्त संपति की मालिक हैं, जो दस्तावेज़ संख्या 3885 के अनुसार सब-रजिस्ट्रार-सोहना में विधिवत पंजीकृत है, और आईडीबीआई बैंक लिमिटेड से वित्तीय सहायता के लिए बंधक रखने का इरादा रखती हैं। श्री मनीष मल्होत्रा और श्रीमती जिम्सी मल्होत्रा के पक्ष में मैसर्स आशियाना हाउसिंग लिमिटेड द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र और श्री मनीष मल्होत्रा और श्रीमती जिम्सी मल्होत्रा के पक्ष में मैसर्स आशियाना हाउसिंग लिमिटेड और मैसर्स यूनिवर्स हाइट्स (इंडिया) एलएलपी द्वारा दिनांक 29.05.2015 को निष्पादित मूल फ्लैट क्रेता समझौता, 9वीं मंजिल पर यूनिट संख्या एम-905 के संबंध में, जिसका कारपेट एरिया 1275 वर्ग फीट है, (श्रीमती पूजा के नाम पर समर्थित) खो गया है/गुम हो गया है/उपलब्ध नहीं है। बैंक/एनबीएफसी की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए, हम यह सार्वजनिक सूचना देते हैं कि यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा/अधिकार/स्वामित्व/हित/बंधक बनाने में कोई आपत्ति है तो वह आज से 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियों के बारे में नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित कर सकता है। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार आदि से मुक्त है। लुसेम लीगल एलएलपी प्लॉट नंबर 136, (बेसमेंट) उदय पार्क, नई दिल्ली-110049, संपर्क # 011-40046316

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल अर्जुन सिंह सुपुत्र श्री गंगा चरण निवासी म. न. बी.सी. 21, नामधारी कॉलोनी, निहाल विहार नांगलोई एक्सटेंशन निलोठी वेस्ट दिल्ली 41, ने अपने पुत्र अनिल कुशवाहा और उसकी पत्नी दीपा साह को परिवार सहित उनके दुर्व्यवहार से परेशान होकर, अपनी सभी प्रकार की चल व अचल सम्पत्तियो से पूर्ण रूप से बेदखल कर दिया है और सारे रिश्ते नाते समाप्त कर लिए है, भविष्य में उनसे कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार का लेन देन करता है और सम्बंध-रिश्ता रखता है या कोर्ट केस वाद विवाद होता है तो उसके लिए वे स्वंय जिम्मेदार होगा, मेरे मुवक्किल एवं उनके परिवार के किसी भी अन्य सदस्य की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

भवदीय अमित कुमार (अधिवक्ता)
Amit Kumar (Advocate), Office At B-1, Old SDM Complex, Main Rohtak Road, Nagloi, Delhi-41

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि श्री याकूब, नेताजी पार्क, क्षेत्र मौजा लोनी, परगना लोनी, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित खसरा नंबर 2326/2 में से 291 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले प्लॉट नंबर 70 का मालिक है। पंजीकृत GPA, ATS और दिनांक 08.04.2013 की वसीयत के अधार पर श्रीमती फैजिना द्वारा निष्पादित है, और उसी को एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जाना है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें।

श्रीमती प्रसून लता और राहुल राज पाठक, अधिवक्ता
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस पॉन्ड प्लाजा, वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद, यूपी
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 01204440300

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my client Smt. Poonam W/o Sh. Jay Bhagwan is the owner of Residential Plot Khasra no. 241, Situated Village Chaprola Pargana & Tehsil Dadri Gautam Budh Nagar (area measuring 80sq. yds). vide Sale Deed dated 30.07.2024 executed by (1) Smt. Sonu Devi W/o Sh. Pradeep Kumar(2) Smt. Monu Devi W/o Sh. Anup Kumar in favour of Smt. Poonam W/o Sh. Jay Bhagwan (vide doc no. 40147 book no.1 Vol no. 28221 pages no. 303-24 SR dadri) in respect of the said property. That, Original Sale Deed Dated 15.02.2008 executed by Sh. Ravinder Tyagi S/o Sh. Lekhraj in favour of Smt. Memwati W/o Sh. Pappu Sharma (vide doc no. 15730) in respect of the said property. was lost on 15/05/2024 duly reported to police as per police complaint dated 29/07/2024 in the police station Uttar Pradesh Police bearing LR No: 20240000624435 If anyone found the same may return to undersigned and if the same is misused shall be at his/her own risk.That my client will mortgage said property for his bonafide requirements with Centrum Housing Finance Limited Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

PRAGYABHUSHAN (ADVOCATE) Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48, M-9968006418.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किल समंदरी पत्नी स्व. श्री सुमारी निवासी 278 / एफ, अजीत नगर, पुराना सीलमपुर, गांधी नगर, दिल्ली-31, ने अपने पुत्र अशोक पुत्र स्व. श्री सुमारी उसकी पत्नी, पूजा पत्नी अशोक व उनके चारो बच्चों को उनके दुर्व्यवहार व दुराचरण के कारण अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है एवं अपने सम्बन्ध विच्छेद कर दिए है। और आज से जो भी उनसे लेन देन करता है या उन पर कोई पुलिस केस / कोर्ट होता है उसके लिय वह स्वयं जिम्मेदार होगें, मेरे मुवक्किल किसी भी कृत्य के लिए जिम्मेदार नहीं होगें।

Abhimanyu Sangwan, (Advocate)
Ch No. 314. Lawyer's Building Rohini Courts, Delhi-110085, Mb No. 9953206554

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Rakesh Kumar** is the GPA Holder of Property bearing no. 1399 X/13, area measuring 55 sq. yards., i.e., 15 'x 33'9" situated at Gobind Puri, Kalkaji, New Delhi. He is in possession through GPA, ATS & Will dated 16.02.1996 executed by Mr. Manohar Singh in favour of Mr. Rakesh Kumar in respect of Said Property.
Mr. Rakesh Kumar intends to transfer the ownership by way of Sale Deed of aforementioned Property to **Mohd. Faizan.** Subsequently, Mohd. Faizan is in the process of mortgaging the said property with **SMFG India Home Finance Co. Ltd. (Formerly Fullerton India Home Finance Co. Ltd.).** Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 7 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 7-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 7-day period by contacting **Law Veritas: North (Advocates & Legal Consultants) at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s): +910120-3101683; e-mail: accounts@lvnorth.in**

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that **Rohit Khatana, Ranvir Singh Khatana & Karamvir Singh Khatana (hereinafter called the seller/s)** claims to be owner and in possession of **Prop. No. 202, Block-M, in South City -I, Phase-I, Gurgaon, Haryana (herein after called the said property)** on the basis of Sale Deed dated 07.09.2016, Doc. No. **15867** r/w Relinquishment Deed dated 01.10.2024, Doc. No. 12860 after the death of Co-owner Vidhi Chand Khatana and **Seller/s** have agreed to sell the said Property to **Bharat Bhushan Yadav** & said **Bharat Bhushan Yadav** agreed to create a mortgage in favour of our clients **IDFC First Bank Ltd, ITO Branch,** any person/s having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below within **7 days** from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
For Diwan and Company LLP
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Mahinder Pal Panwar is claiming to be the owner of Plot bearing No. 186, area measuring 70.00 sq. mtrs., in Block C-11, situated at Ghonda Residential Scheme, Yamuna Vihar, Delhi; vide a Conveyance Deed dated 22.04.2022, duly registered with SRO VII, as Document No. 6513, Book No. 1, & Volume No. 8369, on Pages 43-47, on 12.05.2022, executed by DDA, All persons are hereby informed that above mentioned owner (through Mr. Mohit Panwar) wants to mortgage the said property and intend to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said property, its mortgage/litigation & any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

PUBLIC NOTICE

My client intends to purchase **FREEHOLD DDA SFS FLAT NO. C- 13-C, WITH SCOOTER GARAGE, SITUATED AT POCKET-C GANGOTRI ENCLAVE ALAKNANADA, NEW DELHI-110019** from (1) Shri VIJAY KUMAR SAMNOTRA, son of Late Shri Krishan Gopal Samnotra, and (2) Smt. VEENA SHARMA, daughter of Late Shri Krishan Gopal Samnotra, which was inherited by them after demise of their father Late Shri Krishan Gopal Samnotra on 17/02/2019 and demise of their mother Late Smt. Krishna Devi on 03/02/2023. That Shri VIJAY KUMAR SAMNOTRA, and Smt. VEENA SHARMA, claim to be the only Class-I legal heirs of Late Shri Krishan Gopal Samnotra and except them there are no other legal heirs of Late Shri Krishan Gopal Samnotra, If anybody including Bank, Financial Institutions, person(s), relative(s) known to them have any claim, right, interest, objection, whatsoever in the said property shall inform to the undersigned within 7 days with documentary evidence. In the event of no response to this notice, our client shall presume that title of the said property is unencumbered and clear

ACHIN SHARMA (ADVOCATE)
Regd No. D/5425/2021
G-2/210 & 210A, Tulsi Tower, Alaknanda Main Shopping Complex, New Delhi-110 019

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank

शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, प्लॉट नंबर-23, शॉल टॉवर, तीसरी मंजिल, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली-110005

आईसीआईसीआई बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रतिभूतिकरण, वित्तीय आस्तियों का पुनर्निर्माण और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 सहित पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित कर्ज़दार(रों) को माँग सूचना निर्गमित की गई थी, उक्त सूचना में कहा गया था कि वे सूचना प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर सूचना में उल्लिखित राशि का भुगतान करें।
कर्ज़दार राशि चुकाने में विफल रहे हैं, अतएव कर्ज़दार और जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम 8 सहित पठित धारा 13(4) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे उल्लिखित तिथियों पर नीचे वर्णित संपत्ति का अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक कब्ज़ा ले लिया गया है। विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने हेतु सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह-कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	योगेश कुमार शर्मा/ पारुल धवन/ LBDEL00002089897/ LBDEL00005509429	यूनिट नंबर कार्नेशन-02, ब्लॉक- कार्नेशन, एल्डेको रेजीडेंसी ग्रीन्स, प्लॉट नंबर-12, पॉकेट-बी, सेक्टर-पीआई, ग्रेटर नोएडा/ अक्टूबर 09, 2024	नवंबर 15, 2021 रु. 30,60,384/-	दिल्ली/ एनसीआर
2.	शरद मोहन चौबे/ मोहिनी/ LBDEL00002069400/ LBDEL00002069401	यूनिट नं. डी-1102, 10वीं मंजिल, नील पद्म-1 में स्थित, प्लॉट नं. 4, सेक्टर-04, वैशाली, तहसील और जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश- 201001/ अक्टूबर 10, 2024	मई 31, 2024 रु. 20,07,572/-	दिल्ली/ एनसीआर
3.	विश्वनाथ पुरोहित/ भावना पुरोहित/ LBDEL00002325463	फ्लैट नंबर बी7-जी003, ग्राउंड फ्लोर, टॉवर बी 7, गार्डेनिया एम्स ग्लोरी, जीएच-01, सेक्टर 46 नोएडा, जी.बी नगर, नोएडा/ अक्टूबर 09, 2024	जनवरी 18, 2022 रु. 11,80,439/-	दिल्ली/ एनसीआर
4.	मुकेश जलुथेरिया/गीता रानी/ LBDEL00001409962/ LBDEL00001435575	हाउस नंबर-105, द्वितीय तल, पी.के.टी.-12, सेक्टर-20, रोहिणी, दिल्ली/ अक्टूबर 09, 2024	दिसंबर 04, 2019 रु. 25,09,031/-	दिल्ली/ एनसीआर
5.	विकास कुमार/ राज कुमार यादव/ संतोष कुमार शर्मा/ LBDEL00002381624	डीडीए एलआईजी फ्लैट नंबर 46, प्रथम तल, सेक्टर-जी-2 पॉकेट-2, ब्लॉक-डी, नरेला, दिल्ली-110040/ अक्टूबर 09, 2024	मई 07, 2022 रु. 12,12,629/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त कर्ज़दार(रों)/जमानतदार(रों) को राशि वापस करने के लिए 30 दिन का नोटिस जारी किया जाता है, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति(याँ) प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 और 9 के प्रावधानों के अनुसार इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के बाद नीलाम कर दी जाएगी।

दिनांक : अक्टूबर 15, 2024
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

भवदीय, अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के लिए

शांतिसैनिकों पर संकट

सैनिक कार्रवाई की निन्दा

भारत ने 34 देशों के साथ शांतिसैनिकों पर इस्राइली सैनिक कार्रवाई की निन्दा की है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध पर सारी दुनिया को चिन्ता है। हाल में इस्राइल-लेबेनान सीमा पर संयुक्त राष्ट्र शांतिसैनिकों पर हमले से उन पर जोखिम स्पष्ट हुई है। इस्राइली हवाईहमलों में गाजा पर निशाना लगाया गया है जिससे तनाव दक्षिण लेबेनान में भी फैल गया है। दक्षिण लेबेनान में तैनात संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल-यूनीफ्ल इस प्रकार लड़ाई में फंस गया है। यूनीफ्ल में योगदान करने वाले अन्य 34 देशों के साथ भारत ने इस कार्रवाई की निन्दा करते हुए कहा है कि इससे शांतिसैनिकों की सुरक्षा और संरक्षा खतरे में पड़ गई है। उसने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद-यूएनएससी प्रस्तावों के अंतर्गत संरा. कर्मियों की सुरक्षा का आह्वान किया है। इस्राइल-लेबेनान सीमा पर स्थिति लगातार विस्फोटक बनी हुई है क्योंकि इस्राइली सेना ने लेबेनान में अपनी कार्रवाई तेज की है। इस्राइली हवाई हमले में 11 अक्टूबर को दक्षिण लेबेनान के नाकुरा में दो श्रीलंकाई शांतिसैनिक घायल हो गए। यह पिछले 48 घंटे में हुआ दूसरा हमला था जहां यूनीफ्ल ने इस क्षेत्र में अपना प्रमुख अड्डा बनाया है। यह क्षेत्र बम धमाकों तथा दोनों ओर से जारी गोलीबारी का शिकार हो गया है। शांतिरक्षक मिशन के अंतर्गत यूनीफ्ल की तैनाती यहां 1978 में की गई थी जहां वे इस क्षेत्र में सैनिक कार्रवाइयों पर निगरानी रख रहे थे।

हमले के बाद भारत ने शांतिसैनिकों की सुरक्षा पर चिन्ता प्रकट की है। संयुक्त राष्ट्रसंघ में भारत के स्थाई प्रतिनिधि ने स्पष्ट रूप से कहा है कि 'शांतिसैनिकों की सुरक्षा और संरक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है और इसे यूएनएससी के प्रस्तावों को देखते हुए सुनिश्चित किया जाना चाहिए।' भारत का दृष्टिकोण लंबे समय से संरा. शांतिसैनिकों की प्रति प्रतिबद्धता के अनुसार है। भारत ऐतिहासिक रूप से शांतिसैनिकों में बड़ा योगदान करता रहा है। वर्तमान समय में तैनात 9532 शांतिसैनिकों में 895 भारतीय हैं। वास्तव में भारत शांतिरक्षक मिशनों में इंडोनेशिया के बाद सर्वाधिक योगदान करने वाला देश है। अब तक यूनीफ्ल के 334 सैनिक मारे गए हैं। संरा. प्रयासों का उद्देश्य इस क्षेत्र में हमलों को रोकना है जहां बड़ी संख्या में हताहतों के साथ ही ढांचागत संरचना को भारी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र में स्थिति गंभीर होने से यह संख्या और बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सभी पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है तथा इस बात पर भी जोर दिया है कि गाजा में सिविलियनों तक मानवीय सहायता पहुंचने की अनुमति दी जाए। लेकिन टकराव की जटिलता इस कारण बढ़ गई है कि इसमें अनेक समूह शामिल हैं तथा अनेक बाहरी तत्व भी स्थितियों को प्रभावित कर रहे हैं। इससे युद्धविराम के सामने अनेक बाधायें पैदा हो गई हैं। इस्राइल-लेबेनान सीमा पर हाल में सैनिक कार्रवाई तेज होने पर भारत की प्रतिक्रिया उसके व्यावहारिक दृष्टिकोण के अनुरूप है। जहां उसने किसी पक्ष की सीधे निन्दा नहीं की है, वहीं उसने यूनीफ्ल देशों के साथ जुड़ाव प्रदर्शित कर अंतरराष्ट्रीय शांतिरक्षक मानकों का समर्थन भी किया है। शांतिसैनिकों की सुरक्षा तथा यूएनएससी के प्रस्तावों का समर्थन कर भारत स्वयं को एक जिम्मेदार महाशक्ति के रूप में पेश कर रहा है। इस प्रकार भारत क्षेत्रीय स्थायित्व के साथ ही अंतरराष्ट्रीय कानून लागू करने पर जोर दे रहा है। हालांकि, टिकाऊ युद्धविराम का रास्ता अनिश्चित है, पर भारत जैसी विश्व शक्तियां राजनयिक पहलों के माध्यम से तथा संयुक्त राष्ट्र शांतिसैनिकों का समर्थन कर वर्तमान संकट का एक अहिंसक समाधान निकालने का प्रयास कर रही हैं।

भारतीय विदेश नीति के निर्माता

चीन-भारत युद्ध में झटका लगने के बावजूद वीके कृष्ण मेनन का कॅरियर समाप्त नहीं हुआ। वामपंथी नेता ईएमएस नंबूदरीपाद के समर्थन से मेनन संसद में वापस आए। उस समय वे थिरुअनंतपुरम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

संतोष मैथ्यू
(लेखक, एसोसिएट प्रोफेसर हैं)

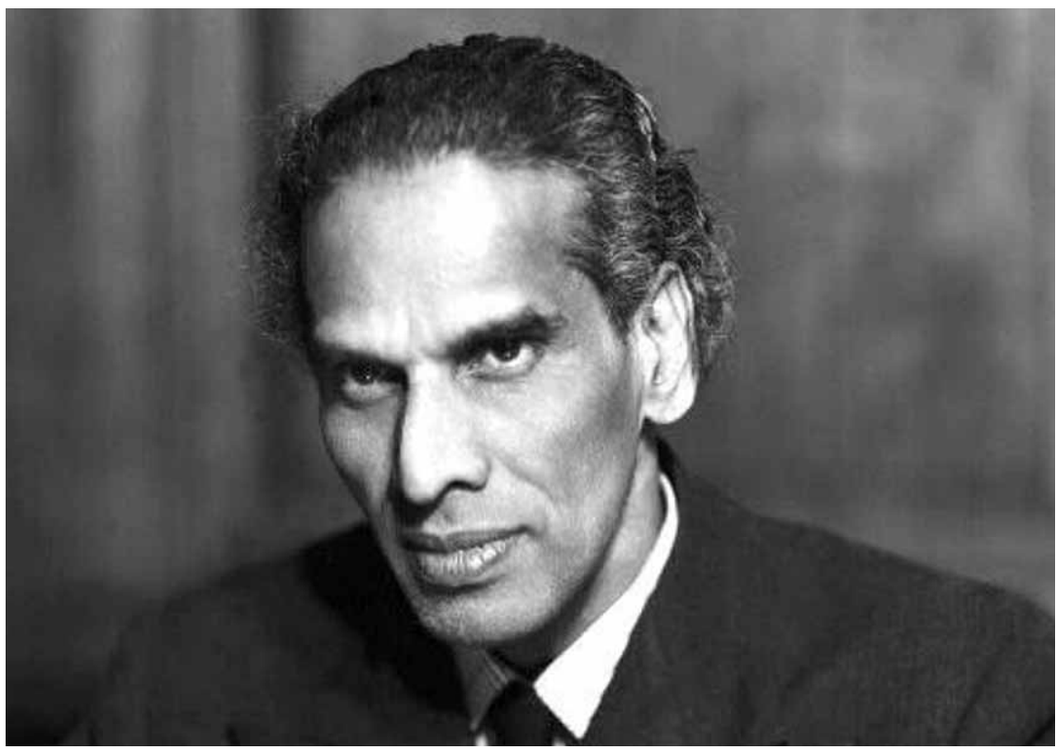

केरल में मेनन का शुरुआती जीवन तथा बाद में ब्रिटेन में शिक्षा ने उनका विशिष्ट कॅरियर निर्धारित किया। जवाहरलाल नेहरू से उनकी मित्रता लंदन में हुई और इस संबंध ने उनका कॅरियर निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे शीघ्र ही विदेश में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक स्वर बन गए।

भारत वी.के. कृष्ण मेनन के निधन की पचासवीं वर्षगांठ पर उनको याद कर रहा है। यह समय ऐसे व्यक्ति का योगदान याद करने का उचित समय है जिसने विश्व स्तर पर भारतीय राजनय को स्थापित किया। वेंगालिल कृष्णन कृष्ण मेनन को दुनिया से गए 50 साल बीत गए हैं। उनका भारतीय राजनय तथा विश्व राजनीति में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत के एक सर्वाधिक प्रकाशमान तथा विवादास्पद राजनयिक के रूप में मेनन की विरासत असंदिग्ध रूप से देश की विदेश नीति के विकास से जुड़ी है। कोजीकोड, केरल में जन्मे मेनन की यात्रा एक युवा के रूप में दक्षिण भारत में शुरू हुई, पर वे अपनी बौद्धिक दृढ़ता, निरंतरता तथा भारत की संप्रभुता और उसके मूल्यों के प्रति अडिग प्रतिबद्धता से पहचाने गए। 6 अक्टूबर, 1974 को उनके निधन के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उनके बारे में कहा था कि 'एक ज्वालामुखी बुझ गया।' इस प्रकार उनके द्वारा किया गया योगदान स्पष्ट होता है। समय बीतने के बावजूद वे आज भी भारत की राजनय को प्रभावित कर रहे हैं।

केरल में मेनन का शुरुआती जीवन तथा बाद में ब्रिटेन में शिक्षा ने उनका विशिष्ट कॅरियर निर्धारित किया। जवाहरलाल नेहरू से उनकी मित्रता लंदन में हुई और इस संबंध ने उनका कॅरियर निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे शीघ्र ही विदेश में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का एक स्वर बन गए। मेनन के सारगर्भित भाषणों और तीक्ष्ण बुद्धि ने उनकी पहचान बना दी। ब्रिटेन में अपने प्रवास के दौरान मेनन ने 'पेंग्विन बुक्स' की स्थापना में सहयोग दिया जिसने साहित्य को सस्ता तथा सबकी पहुंच में ला कर प्रकाशन उद्योग में क्रांति कर दी। लेकिन प्रकाशन से जुड़ाव की उनकी भूमिका बाद में भारतीय विदेश नीति बनाने में केवल सहायक सिद्ध हुई। वास्तव में मेनन ने ही 'गुट निरपेक्ष आंदोलन'-नाम का नामकरण किया था जो शीतयुद्ध के दौर में भारत का राजनयिक दृष्टिकोण बन गया। उन्होंने तटस्थता या गुट निरपेक्षता का समर्थन का यह सुनिश्चित किया कि नव-स्वतंत्र देश के रूप में भारत संयुक्त राज्य अमेरिका या सोवियत संघ से नहीं जुड़ेगा। मेनन के लिए गुटनिरपेक्षता केवल एक राजनयिक पंसद नहीं थी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता एवं आत्मसम्मान पर जोर देने की चीज थी। उन्होंने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर, खासकर संयुक्त राष्ट्रसंघ में अपने भाषणों और प्रतिबद्धता से स्वयं को महत्वपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में पेश किया। संयुक्त राष्ट्रसंघ में भारत के प्रतिनिधि के रूप में मेनन ने एक उल्लेखनीय वैश्विक पहचान स्थापित की। उन्होंने इस मंच के इतिहास में सबसे लंबा भाषण दिया। यह भाषण 1957 में कश्मीर पर भारत की स्थिति के बारे में था और महासभा में आठ घंटे चला। कश्मीर पर भारत के अडिग दावे ने उनको 'कश्मीर के हीरो' की उपाधि दिलाई। लेकिन उनकी टकराव वाली शैली की खासकर पश्चिमी मीडिया में व्यापक आलोचना भी हुई जिसने उनको अक्सर 'भारतीय रास्पुतिन' कहा था। यह इस ओर संकेत था कि नेहरू की नीतियों पर उनका व्यापक प्रभाव था। मेनन ने नेहरू के साथ अपने संबंधों का जोरदार बचाव किया। यह संबंध इसलिए वास्तव में महत्वपूर्ण थे कि जवाहरलाल नेहरू उनकी योग्यता से प्रभावित थे और पहले बिना विभाग के मंत्री तथा बाद में 1957 में उनको रक्षा मंत्री का पद दे कर उन्होंने उनकी योग्यता की पहचान की। रक्षा मंत्री के रूप में मेनन और नेहरू ने भारत की स्वतंत्रता-पश्चात की रक्षा और विदेश नीति परिभाषित की। 1962 में भारत-चीन युद्ध मेनन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ सिद्ध हुआ। रक्षा मंत्री होने के कारण उनको चीन के हाथों भारत की अपमानजनक पराजय का आरोप झेलने पड़ा। आलोचकों का कहना था कि सेना की उचित तैयारी न होने के कारण भारत को चीन से हार झेलनी पड़ी। पश्चिमी मीडिया व खासकर 'टाइम' पत्रिका ने उनके अपने आवरण पर एक 'संपेरे' की तरह पेश किया जिसने नेहरू को इस विनाशकारी टकराव के लिए ललचाया था। जहां मेनन के आलोचक उनको भारत-चीन युद्ध में अपमानजनक पराजय के लिए जिम्मेदार ठहराते हैं, वहीं इस प्रकार की आलोचना रक्षा क्षेत्र में उनके व्यापक योगदान को स्वीकार नहीं करती है। भारत की विदेश नीति निर्धारित करने में मेनन का उल्लेखनीय योगदान था। मेनन रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के पैरोकार थे और उन्होंने सैनिक उत्पादन के स्वदेशीकरण की नीव डाली थी। आज भी भारत सरकार इसी नीति पर चल रही है। इसके साथ ही 1961 के गोवा मुक्ति आंदोलन में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी जिसने पुर्तगाली उपनिवेशिक शासन समाप्त किया। इससे एक प्रतिबद्ध देशभक्त के रूप में उनकी छवि मजबूत हुई।

चीन-भारत युद्ध में झटका लगने के बावजूद मेनन का कॅरियर समाप्त नहीं हुआ। वामपंथी नेता ईएमएस नंबूदरीपाद के समर्थन से मेनन संसद में वापस आए। उस समय वे थिरुअनंतपुरम का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। संसद में उनकी वापसी इस बात का प्रमाण थी कि उनको भारतीय समाज के एक वर्ग में व्यापक सम्मान प्राप्त था। अपने अन्तिम वर्षों में भी मेनन ने भारतीय राजनीति में मजबूत उपस्थिति बनाए रखी और वे कभी स्थापित मानकों को चुनौती देने से झिझके नहीं। मेनन का निजी जीवन पूर्णत: निजी रहा, हालांकि अपनी अक्सर आक्रामक शैली से उन्होंने अपने प्रशंसक और विरोधी बनाए। समकालीन लोग, जैसे बर्ट्रेंड रसेल उनको अत्यधिक बुद्धिजीवी मानते थे। लेकिन अपनी कड़वी जुबान और समझौता न करने वाली नीति के चलते उन्होंने अनेक लोगों को नाराज किया। इन लोगों की नाराजी की खबरें खूब छपीं जिनमें मलयाली राजनयिक वी.पी. मेनन व के.पी.एस. मेनन शामिल हैं। इन तनावों ने उनके पहले से ही विवादास्पद कॅरियर में एक और आलोचनात्मक तत्व जोड़ दिया। मेनन की मृत्यु के पचास साल बाद उनकी उल्लेखनीय विरासत का पुन: मूल्यांकन होना चाहिए। भारतीय विदेश नीति में उनका योगदान उल्लेखनीय रहा, खासकर गुटनिरपेक्षता तथा कश्मीर पर भारत के दृष्टिकेण के बचाव में उनके तर्क देश की रणनीतिक राजनय का महत्वपूर्ण हिस्सा बने रहे। यह तथ्य महत्वपूर्ण है कि उनका संयुक्त राष्ट्रसंघ में दिया अब तक का सबसे लंबा भाषण विश्व राजनय में उनका उल्लेखनीय स्थान प्रकट करता है। मेनन का प्रभाव भारत की सीमाओं से बाहर तक जाता है। वैश्विक निशस्त्रीकरण की उनकी पैरवी इस चेतावनी के साथ थी कि 'या तो मनुष्य युद्ध समाप्त कर देंगे, अथवा युद्ध मनुष्यों को समाप्त कर देंगे।' यह बात अब भी विश्व मंचों पर गूंजती है। ऐसे समय जब राजनय अक्सर बंद दरवाजों के पीछे होती है, मेनन हमेशा शक्तिशाली लोगों के सामने सच बोलने को तैयार रहते थे, भले ही इसका चाहे जितना बड़ा खामियाजा क्यों न भुगतना पड़े। उनका निधन एक युग का अंत है, लेकिन उनके विचार आज भी देश की विदेश नीति को परिभाषित कर रहे हैं। इनमें भारतीय संप्रभुता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता तथा वैश्विक न्याय का समर्थन शामिल है। श्रीमती इंदिरा गांधी ने जिस 'ज्वालामुखी' का हवाला दिया था, वह आज भी भारतीय राजनय के क्षेत्र में सक्रिय है।

हरियाणा चुनाव परिणाम के सबक

हरियाणा से सबक स्पष्ट है किजाति का वर्चस्व एक बोझ बन सकता है यदि यह अन्य सामाजिक समूहों को अलग-थलग कर देता है।

अखिलेश सुमन
(लेखिक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

हरियाणा में हाल ही में आए चुनाव नतीजों ने यूट्यूबर्स की चुनाव-पूर्व भविष्यवाणियों और ग्राउंड रिपोर्ट्स को पलट दिया है, जिससे भविष्य के चुनावों के लिए एक स्पष्ट संदेश गया है, खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे प्रमुख राज्यों में। तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव जैसे नेता, जो प्रमुख यादव जाति से आते हैं, उनके लिए यह परिणाम सबक है। उनका राजनीतिक परिदृश्य हरियाणा में जाटों की स्थिति को दर्शाता है, जहाँ सामाजिक गतिशीलता प्रमुख जाति की राजनीति से दूर जा रही है। इस विकसित परिदृश्य में, उन्हें व्यापक सामाजिक भावनाओं को संबोधित करने और हाशिए पर पड़े समूहों की चिंताओं का जवाब देने की चुनौती का सामना करना पड़ता है, जो पारंपरिक जाति सत्ता संरचनाओं में उपेक्षित या वंचित महसूस करते हैं।

हरियाणा में, जाट, एक राजनीतिक रूप से प्रभावशाली समुदाय, को उनके खिलाफ अन्य सामाजिक समूहों के एकीकरण का सामना करना पड़ा, जैसा कि चुनाव परिणामों में देखा गया है। यह प्रवृत्ति बिहार और उत्तर प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण है, जहाँ प्रमुख ओबीसी समूह, विशेष रूप से यादव, दशकों से सत्ता में रहे हैं, लेकिन अब अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक बार शक्तिशाली यादव के नेतृत्व वाली सरकारों ने सत्ता पर अपनी पकड़ आंशिक रूप से अन्य समुदायों की बढ़ती नाराजगी के कारण खो दी, जो खुद को दरकिनार महसूस कर रहे थे। बिहार और उत्तर प्रदेश का राजनीतिक इतिहास लालू प्रसाद यादव और मुलायम सिंह यादव जैसे नेताओं के उदय से चिह्नित है, जिन्होंने कांग्रेस विरोधी भावना और सामाजिक न्याय की वकालत करके शुरुआती लोकप्रियता हासिल की। उनका एम-वाई समीकरण (मुस्लिम-यादव गठबंधन) एक शक्तिशाली चुनावी रणनीति थी जिसने उनके प्रभुत्व को सुरक्षित किया, लेकिन इसने अन्य समुदायों में डर भी पैदा किया। उनके जातिगत आधार का एकीकरण गैर-यादव ओबीसी, दलितों और उच्च जातियों को अलग-थलग करने की कीमत पर हुआ, जिससे हाशिए पर होने का एहसास हुआ। समय के साथ, बहिष्कार की उनकी राजनीति उल्टी पड़ गई, क्योंकि निराश मतदाताओं ने विकल्प तलाशना शुरू कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप बिहार में नीतीश कुमार और उत्तर प्रदेश में भाजपा जैसे नेता उभरे, जिन्होंने सभी के लिए स्वच्छ शासन और विकास का वादा किया।

1990 और 2000 के दशक की शुरुआत की यादें, जब यादव के नेतृत्व वाले प्रशासन को सत्ता को मजबूत करने के लिए जाति की शक्ति का उपयोग करने के रूप में माना जाता था, अभी भी बनी हुई हैं। यादव एक महत्वपूर्ण चुनावी समूह बने हुए हैं, लेकिन बाकी समाज-खासकर गैर-यादव ओबीसी, दलित और उच्च जातियां-अक्सर उन वर्षों को बहिष्कार के युग के रूप में याद करती हैं। भाजपा ने अपने सबाल्टर्न हिंदुत्व आख्यान के साथ इस भावना का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया है, यादव-केंद्रित राजनीति के विकल्प और समावेश की भावना की पेशकश करके हाशिए पर पड़े समूहों को आकर्षित किया है। सत्ता में आने के बाद अखिलेश यादव ने अपनी जाति और अन्य के बीच की खाई को पाटने का प्रयास किया। उन्होंने खुद को पुराने रक्षकों से दूर कर लिया, जिनके प्रतीक उनके चाचा शिवपाल यादव थे, जो समाजवादी पार्टी की पारंपरिक सत्ता गतिशीलता का प्रतिनिधित्व करते थे। हालांकि, उनकी जाति के कुछ सदस्यों द्वारा अन्य समुदायों के प्रति अभद्र व्यवहार की घटनाओं ने उनके लिए दूसरा कार्यकाल सुरक्षित करना मुश्किल बना दिया। पार्टी की छवि को आधुनिक बनाने और उसके अनुकूल बनाने के उनके प्रयासों को लगातार सामाजिक तनावों ने कमजोर कर दिया। इसी तरह, तेजस्वी यादव को बिहार में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जहां उनके पिता लालू की छाया से बाहर निकलने के उनके प्रयासों को दलितों और उच्च जातियों के प्रति उनके अपने जाति समूहों के दमनकारी व्यवहार ने बाधित किया है। उनकी राजनीतिक यात्रा में यादव वर्चस्व की विरासत से जूझना शामिल है, जिसे अक्सर अन्य समुदायों की आकांक्षाओं को खारिज करने के रूप में माना जाता है। भविष्य में सफल होने के लिए, तेजस्वी को इन सामाजिक गतिशीलता को अधिक समावेशिता के साथ आगे बढ़ाना होगा।

हरियाणा से सबक स्पष्ट है कि जाति का वर्चस्व एक बोझ बन सकता है यदि यह अन्य सामाजिक समूहों को अलग-थलग कर देता है। जाट अनुभव से पता चलता है कि जब अन्य समुदाय एक प्रमुख जाति के खिलाफ एकजुट होते हैं, तो यह राजनीतिक परिदृश्य को काफी हद तक बदल सकता है। अखिलेश और तेजस्वी के लिए, इसका मतलब है कि अपने जाति के सदस्यों से प्रभुत्व दिखाने के बजाय अधिक उदार रुख अपनाने का आग्रह करना। इस संदर्भ में प्रभावी नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक सद्भाव और सहयोग की वकालत करना शामिल है।

तेजस्वी और अखिलेश दोनों को यह समझना चाहिए कि केवल अपने पारंपरिक जाति आधार पर निर्भर रहकर स्थायी राजनीतिक सफलता हासिल नहीं की जा सकती। उन्हें यादवों से आगे अपनी अपील का विस्तार करने और अन्य समुदायों तक पहुँचने की ज़रूरत है जो हाशिए पर महसूस करते हैं। उनकी रणनीति में व्यापक गठबंधन बनाना शामिल होना चाहिए जिसमें हाशिए पर पड़े समुदाय शामिल हों, उनकी सामाजिक-आर्थिक ज़रूरतों को संबोधित करें और शासन के समावेशी दृष्टिकोण को बढ़ावा दें। बिहार और उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव हो रहा है। गैर-यादव ओबीसी और अन्य हाशिए पर पड़े समूहों को आकर्षित करने की भाजपा की क्षमता ने पारंपरिक यादव-केंद्रित राजनीति के प्रभाव को कमजोर कर दिया है। तेजस्वी और अखिलेश जैसे नेताओं को अपनी पार्टियों की यादव-केंद्रित छवि को त्यागना चाहिए और इसके बजाय समावेशी शासन पर जोर देना चाहिए जो सभी समुदायों की आकांक्षाओं को संबोधित करता हो।

आप की बात

बॉलिवुड का दोहरा चरित्र

सभ्य समाज में किसी की भी हत्या को स्वीकार्यता नहीं दी जा सकती परन्तु पीड़ा तब होना स्वाभाविक है जब यही स्वघोषित सभ्य समाज अपने निजी लाभएहानिएभय के कारण कभी मौन धारण करता है तो कभी मुखर होने का प्रयास करता है। मुंबई हिन्दी सिनेता बॉलीवुड में सनातनी भक्ति संगीतों का आधार माने जाने वाले गुलशन कुमार की हत्या मंदिर के बाहर ताबड़तोड़ गोलिया बरसाकर निर्ममता पूर्वक कर दी गयी थी। तब बॉलिवुड ने मौन धारण कर लिया था। क्यूंकि बॉलिवुड में इस्लामिक समाज का आधिपत्य स्थापित हो चुका था इतना ही नहीं डोंगरी से दुबई नामक पुस्तक में तो यहां तक लिखा हुआ है की जिस दिन गुलशन कुमार की हत्या हुई उससे ठीक अगले दिन ही दुबई में बॉलिवुड की विशाल दावत हुई जिसमे अनेक दिग्गजों ने भाग लिया। आज वही बॉलिवुड इस्लामिक समाज और राजनीति में लोकप्रियता प्राप्त करने वाले राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भयंकर विलाप कर रहा है काश इसी प्रकार का विलाप गुलशन कुमार की निर्मम हत्या पर भी किया होता तो कम से कम बॉलीवुड पर मृत्यु की संवेदनाओं और प्रतिकार करने की मुखरता में तो पक्षपाती होने का आरोप न लगता। बालीवुड लगातार हिन्दू विरोधी फिल्मों के लिए जाना जाता है। यह बात किसी से छिपी नहीं रह गयी है।

-दिव्य अग्रवाल

विश्व आहार दिवस

त्योहारी मौसम है। ऐसे में खानपान में लापरवाही होने की आशंका काफी होती है। यह लापरवाही सेहत बिगाड़ सकती है। आने वाले 16 अक्तूबर को विश्व आहार दिवस है। सेहतमंद बने रहने के लिए संतुलित आहार यानी हेल्दी फूड बहुत जरूरी है। फिर भी डॉक्टरों के चक्कर लगाने वालों की कमी नहीं। ऐसे लोगों में विटामिन, कैल्शियम एंजाइम की कमी मिलती है। डॉक्टर उपचार के रूप में किसी को कैल्शियम और आयरन की गोली देते हैं तो किसी को जरूरी विटामिन की गोली। अगर हेल्दी फूड का मतलब जाना जाए और अपने खान-पान पर थोडम ध्यान दिया जाए तो अलग से विटामिन आदि लेने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। हेल्दी फूड का मतलब है जिस खाने से शरीर को जरूरी न्यूट्रीशन मिल जाए। इस परिभाषा को लोग अलग-अलग तरह से जानते हैं। पढ़े-लिखे लोग तो इसकी सही परिभाषा जानते हैं लेकिन जो पढ़े-लिखे नहीं है वे हेल्दी फूड का मतलब जानते हैं घी, तेल व महंगी चीजों का सेवन, जो ठीक नहीं है। हेल्दी फूड का मतलब है संतुलित आहार जो शरीर की तमाम जरूरतें पूरी कर पाए। दिन भर के खाने में हमें संतुलित और सुपाच्य आहार लेना चाहिए। हम भारतीयों का परंपरागत भोजन संतुलित ही होता था। लेकिन विदेशी फास्ड फूड संस्कृति ने हमारे भोजन को बिगाड़ दिया। विशेष तौर पर बच्चे इसका सर्वाधिक शिकार हो रहे हैं।

-सुभाष बुडावन वाला, रतलाम

सतर्कता अवश्य रखें

चाइना की हर चीज चाहे खिलौने हों या इलेक्ट्रॉनिक सामान हो, सस्ते के चक्कर में नुकसान होता है। खिलौने में कलर का मुद्दा उठा थाएमोबाइल की बैटरी फटने की घटनाएं घटित की होने की खबर सुर्खियों में आई थी। वर्तमान में पेजर विस्फोट से घायल और मरने की घटना से कुछ देश जूझ ही रहे हैं। इलेक्ट्रॉनिक सामान निर्माता गोपनीय रूप से इलेक्ट्रॉनिक सामान में ऐसा कुछ रखते है जिसका ज्ञान सिर्फ उन्हीं को पता होता है। जब उनको विस्फोट की घटना को अंजाम देना होता तो वे आखिरी दांव आजमाते हैं ताकि दुनिया को पता न चल सके। पहले ये बात भी सुनने को आई थी कि टीवी में भी कुछ ऐसा फिट कर देते है जिससे वे गोपनीय जानकारी निकाल सकें या उन्हें मिल सके। देश में बनी हुई चीजों पर विश्वास करें, विदेश से बनी विशेषकर चीन से बनी पर कम ध्यान दे। हिंदी चीनी भाई भाई पहले था, अब 1962 के युद्ध के बात वो बात नहीं रही। वहाँ की संस्कृति, खान पान बिल्कुल अलग है। कीड़े मकोड़े वे लोग खाते हैं। क्या हम उनका अनुसरण कर सकते हैं? कदापि नही। देशों से सम्बन्ध मित्रता पूर्ण रहे है। किंतु सतर्कता भी उतनी रखना आवश्यक है। पेजर फटने के वर्तमान उदाहरण देख कर हम भारतीयों को चीन और पाकिस्तान से और अधिक सावधान रहना चाहिए।

-संजय वर्मा, धार, मप्र

एशियाई देशों की चुनौतियां

वैश्विक संकटों के बीच एशियाई देशों के सामने आंतरिक और बाहरी चुनौतियाँ पहले से कहीं ज़्यादा गंभीर हैं। भारत की एक्ट ईस्ट नीति की बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुएए क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए अन्य एशियाई देश चीन के साथ अपने बढ़ते तनाव को कैसे ठीक से संभाल सकते हैं? दक्षिण चीन सागर में बढ़ते सैन्यीकरण से यह और भी मुश्किल हो गया है। क्या एशियाई अपने सदस्यों के कई हितों को एक साथ लाकर बाहरी खतरों के खिलाफ कार्रवाई की एक सुसंगत योजना बना सकते हैं? यह ज़रूरी है कि तत्काल जवाब दिया जाए लेकिन क्या सदस्य देशों में ऐसा करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति है? इधर देखने में आ रहा है कि अमेरिका चीन को नियंत्रित करने के लिए भारत का साथ ले रहा है। भारत को भी चीन से खतरा है। ऐसे में चीन की आक्रामकता का उत्तर देने के लिए भारत को अमेरिका सहित अन्य देशों से गठबंधन बनाना ही पड़ेगा। चीन का अब तक का रिकार्ड बताता है कि इस पर विश्वास नहीं किया जा सकता। अच्छा हो कि चीन अपनी विस्तारवादी नीति छोड़े और सभी के साथ मिलकर रहे।

-अंशु भारती, बेगूसराय

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

'थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी' के नारे से गूंज उठा यूपी डायस्पोरा

● प्रवासी निवेशकों ने यूपी की विकास गाथा सुन पीएम मोदी व यूपी के सीएम योगी के मॉडल की जमकर की तारीफ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत डबल इंजन की सरकार ने दुबई में प्रवासी निवेशकों के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश करने की दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। सीएम योगी के विजन और क्रियान्वयन की सफलताओं का दुबई साक्षी बना और इस दिशा में दुबई के इंडिया क्लब में इन्वेस्ट यूपी और यूपी डायस्पोरा की ओर से आयोजित यूपी डायस्पोरा इन्वेस्टर मीट एक बड़ा माध्यम साबित हुआ। निवेशकों ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में निवेश करने को लेकर रुचि दिखाई। इरफ़ान इजहार ने अलीगढ़ में रिजॉर्ट तो युसूफ खान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स में निवेश की इच्छा दिखाई। राजेश अग्रवाल ने पुरखों के नाम अपनी पुश्तैनी जमीन हॉस्पिटल हेतु दान करने की इच्छा जाहिर की। दुबई के मदीना ग्रुप ने यूपी से फल सब्जियों के लिए यूपी में सेंटर खोलने को लेकर रुचि प्रकट की। इन्वेस्टर मीट के बाद इरानियन स्पोर्ट कॉम्पलेक्स में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में डबल इंजन सरकार की नीतियों और योगी सरकार की 25 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसीज को प्रमोट किया। हजार से ज्यादा यूपी के प्रवासी उत्तर प्रदेश की विकासगाथा को सुनकर उत्साहित हो उठे और आयोजन स्थल 'थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी' के नारे से गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उपलब्ध कराये गए मेक इन इंडिया के अवसरों, इंफ़्रा एवं उनके द्वारा स्टाम्प विभाग में अनिवासियों की सुविधा के लिए उठाये गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस विषय में इंफ़्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट के अवसर पर शॉर्ट फिल्म का मंचन भी किया गया तथा विभिन्न विषयों पर पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किए गए। उप्र के सिंगल विंडो सिस्टम व इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन भी दिया गया। दुबई के यूपी डायस्पोरा को अपने पूरे ग्रुप के साथ एक बार काशी, मथुरा, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज भ्रमण कर आकर देखने का न्योता भी दिया गया, ताकि वह यहां पर आकर देश-विदेश के लोगों में उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट कर सकें।

सीएम योगी के विजन अनुसार, यूपीडीएफ के दुबई कल्चरल फोरम ने दुबई में सफल भारतीय एवं उत्तर प्रदेश के सफल प्रवासियों पर जो दुबई में रह देश दुनिया में सफलता का परचम लहरा रहें हैं उनके संघर्षों और सफलता पर एक एक किताब संग्रह निकालने की घोषणा की, ताकि भारत के युवा उद्यमी उनके इस साझा किये गए संघर्षों और अनुभवों से काफी कुछ सीख सकें। सांस्कृतिक कार्यक्र में लखनऊ से आये लोक गायक दीपक त्रिपाठी के गानों और यूपी की कंचन अवस्थी नृत्य पर पूरा हाल झूम उठा। कार्यक्रम में मथुरा के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वर्तमान में यूपी डायस्पोरा यूपी कनेक्ट के महसचिव साहित्य चतुर्वेदी नेतृत्व में मथुरा के कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन भी हुआ। दुबई में यूपी कनेक्ट के चेयरमैन डॉ राजेश अग्रवाल, वाईस चेयरमैन चंद्रशेखर भाटिया, नदीम ज़ैदी और हुमैर सिद्दीकी उपस्थित रहे। यूएई के पूर्व मंत्री मोहम्मद सईद किंदी में भारत की जी भर प्रशंसा की और पूरे समय कार्यक्रम में उपस्थित रह डायस्पोरा का हौसला बढ़ाया।

ग्रेटर नोएडा में लागू होगा आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, 'तीसरी आंख' बनेगी आधार

लखनऊ। योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) की जल्द स्थापना होगी, जो ग्रेटर नोएडा के यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में 'तीसरी आंख' के तौर पर कार्य करेगा। 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना की जाएगी जिससे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे की निगरानी हो सकेगी। यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल व सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों की एकीकरण प्रक्रिया पर फोकस किया जाएगा। एक व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणाली, वीडियो निगरानी, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली व सार्वजनिक सूचना प्रणाली विकसित होगी। प्रक्रिया के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसी) की भी होगी स्थापना जिससे नागरिकों व यहां आने वाले आगंतुकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वार इस प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा। इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) को सेफ सिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एससीएमसी) नाम से भी जाना जाता है। आईटीएमएस का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यातायात प्रबंधकों को नागरिकों, संपत्तियों, यातायात प्रवाह और यातायात भीड़/घटनाओं के बारे में वास्तविक समय और पूर्वानुमानित जानकारी प्रदान करना है। समाधान को विशेष रूप से महिला, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नागरिक सुरक्षा में सुधार लाने के साथ-साथ अनुकूली नियंत्रण और विश्लेषण के माध्यम से शहरी सड़कों की सुरक्षा और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया जाएगा। वीडियो निगरानी कैमरों, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रण, गतिशीलता में आसानी, आपातकालीन सेवाओं का प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स, रूटिंग और डिस्पैचिंग सेवाएं, सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि को प्रक्रिया के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा। यातायात प्रबंधन प्रणाली में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र के उचित कामकाज के लिए सभी आवश्यक घटक होंगे। 12 महीने के अंदर आईटीएमएस प्रणाली को रोलआउट करने का टाइम पीरियड निर्धारित किया गया है। नोएडा व गाजियाबाद में पहले से ही इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली को लागू किया जा चुका है। सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते हुए, परियोजना के अंतर्गत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए रियल टाइम टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। प्रणाली के लागू होने से ट्रैवल टाइम में कमी लाने में मदद मिलेगी। यातायात के सामान्य प्रवाह को विनियमित और बनाए रखने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे की दक्षता में वृद्धि की जाएगी, भीड़भाड़ में कमी, यात्रा समय में कमी, ईंधन की खपत व कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। ऑपरेशनल एफिशिएंसी में बढ़ोत्तरी, कस्टमर सर्विसेस में इजाफा, रियल टाइम इनफॉर्मेशन एक्सेस, यूजर फ्रेंडली इंटरफेस तथा इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) को लागू करने का माध्यम बनेगा। इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर की स्थापना की जाएगी जिसके जरिए इन फीचर्स का लाभ मिल सकेगा... अडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम (एटीसीएस)-वीडियो सर्विलांस कैमरों की सेफ सिटी इनीशिएटिव के तौर पर स्थापना व इसकी मॉनिटरिंग का डैशबोर्ड-ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन सिस्टम (एएनपीआर)-रेड लाइट वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम-व्हीकल व ट्रैफिक डिटेक्शन सिस्टम (वीटीडीएस)-वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले बोर्ड्स (वीएमडी)-ट्रैफिक वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम (टीवीडीएस)-एआई बेस्ड वीडियो एनालिटिक्स (एआईवीए)-पब्लिक एड्रेस सिस्टम (पीएएस)-इमर्जेंसी कॉल बॉक्स सिस्टम-ई-चालान सिस्टम-पिंक बूथ की मॉनिटरिंग -इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर युक्त डाटा सेंटर-पब्लिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (पीआईएस) तथा वेब व मोबाइल एप्लिकेशन बेस्ड कंटेंट-इमर्जेंसी रिस्पॉन्स सिस्टम के साथ इंटीग्रेशन-ग्रेटर नोएडा के एप्स के साथ इंटीग्रेशन-सोशल मीडिया हैंडल्स के साथ इंटीग्रेशन-पब्लिक एंड व्हीकल ट्रांसपोर्ट प्रायोरिटी सिस्टम व फास्ट इमर्जेंसी व्हीकल प्रीम्पशन सिस्टम।

● 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना

शराब तस्करी रोकने के लिए चंडीगढ़, हरियाणा व पंजाब बार्डर पर निगरानी रखी जाए: नितिन

लखनऊ। आबकारी एवं मद्यनिषेध राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि आबकारी विभाग को फेस्टिवल सीजन में और अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। इस त्योहारी मौसम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध लगातार प्रवर्तन कार्यवाही जारी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा अनाधिकृत रूप से मदिरा की दुकानों के बाहर पीने और पिलाने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। आबकारी मंत्री ने यह निर्देश गन्ना संस्थान में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिये। माह सितम्बर में 3246.67 करोड़ रुपये का आबकारी राजस्व प्राप्त हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक 22563.15 करोड़ रुपये की प्राप्तियाँ हुई है, जबकि इस माह तक गत वर्ष की प्राप्तियां 20226.55 करोड़ रुपये थी। राजस्व प्राप्ति में अधिकत्म उपलब्धि प्राप्त करने वाले मिजापुर, अयोध्या तथा वाराणसी प्रभार के अधिकारियों की प्रसंशा की और न्यूनत्म उपलब्धि वाले बस्ती, गोरखपुर एवं आजमगढ़ प्रभार के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए आगामी माह में शत-प्रतिशत राजस्व अर्जित करने के निर्देश भी दिये। अवैध शराब की तस्करी को रोकने के लिए चण्डीगढ़, हरियाणा और पंजाब बार्डर के पोस्ट को और अधिक सक्रिय किया जाये। किसी भी दशा में अन्य राज्यों से प्रदेश में अवैध मदिरा नहीं आनी चाहिए। प्रर्वतन की टीमों को जिलों में भेजकर मदिरा की दुकानों का औचक निरीक्षण करायें। इसमें जीएसटी टीम का भी सहयोग प्राप्त किया जाये। कच्ची शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगे, इसके लिए लगातार सघन तलाशी अभियान भी चलाया जाये। प्रमुख सचिव, आबकारी वीना कुमारी ने बताया कि सितम्बर माह में आबकारी टीम द्वारा 78848 छापे मारे गये और 227957 लीटर अवैध शराब पकड़ी गई। 330 व्यक्तियों को जेल भेजा गया है। इस प्रकार वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक कुल 463947 छापे मारे गये है।

प्रयागराज के 9 स्टेशनों की क्षमता और सुविधा में होगा विस्तार

● दौड़ेंगी 992 मेला स्पेशल ट्रेन, मौनी अमावस्या पर होगी 300 से अधिक स्पेशल ट्रेनों की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

महाकुंभ 2025 की तैयारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और रेलवे प्रशासन ने व्यापक स्तर पर योजनाएं बनाई हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाया जा सके। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ की तैयारियों पर निरंतर नजर बनाए हुए हैं। आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का अनुभव हो, इसके लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है, जिनमें विशेषकर रेल यातायात और स्टेशन की सुविधाओं में विस्तार शामिल है।

महाकुंभ 2025 के सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार और रेलवे प्रशासन मिलकर व्यापक तैयारियां कर रहे हैं। प्रयागराज के रेलवे स्टेशनों की क्षमता और सुविधाओं में विस्तार के साथ-साथ विशेष ट्रेनों का संचालन, पैदल मार्ग की व्यवस्था और आपातकालीन योजनाएं यह सुनिश्चित करेंगी कि महाकुंभ में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुविधाजनक हो।

महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रयागराज के 9 प्रमुख रेलवे स्टेशनों की सुविधा और क्षमता में विस्तार किया जा रहा है। प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज जंक्शन, नैनी जंक्शन, छिवकी जंक्शन, रामबाग जंक्शन, झूंसी जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन और प्रयागघाट जंक्शन पर मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की व्यापक योजना तैयार की गई है। इन स्टेशनों पर नवीनीकरण और विकास कार्य तेजी के साथ प्रगति पर है।प्रयागराज स्टेशन और सूबेदारगंज स्टेशन पर यार्ड का नवीनीकरण हो रहा है। सूबेदारगंज में दो अतिरिक्त प्लेटफार्म और झूंसी स्टेशन पर एक अतिरिक्त प्लेटफार्म का निर्माण हो रहा है। इसके साथ ही, प्रयाग स्टेशन पर एक नया प्लेटफार्म बनाया जा रहा है। इन स्टेशनों की वाशिंग लाइनों का निर्माण और सुधार कार्य भी चल रहा है ताकि ट्रेनों की सफाई और रखरखाव में कोई परेशानी न हो।

महाकुंभ 2025 के लिए रेलवे ने 992 मेला स्पेशल ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई है, जो वर्ष 2019 के 572 स्पेशल ट्रेनों की तुलना में लगभग दोगुनी है। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर, विशेष रूप से 300 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, ताकि श्रद्धालु आसानी से संगम नगरी पहुंच सकें। उत्तर रेलवे, उमरे और पूर्वोत्तर रेलवे डिवीजन की मुख्य भूमिका होगी। उमरे के तहत दिल्ली, कानपुर, मुंबई, झांसी, सतना, बांदा और मानिकपुर मार्ग से ट्रेनों का संचालन होगा। पूर्वोत्तर रेलवे के लिए बिहार, मुगलसराय, और वाराणसी मार्ग से रामबाग और झूंसी स्टेशन पर मेला स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। उरे के तहत गोरखपुर, फैजाबाद, लखनऊ और ऊंचाहार मार्ग पर फाफामऊ, प्रयाग, और प्रयागघाट स्टेशन पर विशेष ट्रेनें संचालित होंगी।

महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र तक पहुंचने में कोई समस्या न हो, इसके लिए रेलवे स्टेशन से मेला क्षेत्र तक पैदल मार्ग की एकल-मार्ग (वन-वे) योजना तैयार की गई है। यह व्यवस्था सुनिश्चित करेगी कि श्रद्धालु बिना किसी बाधा के मेला क्षेत्र में प्रवेश कर सकें। भीड़-भाड़ और अव्यवस्था की स्थिति से बचा जा सकेगा।

रेलवे प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए 6 विशेष योजनाएं तैयार की हैं। इन योजनाओं के तहत, रेलवे स्टेशनों पर अधिक भीड़ होने पर श्रद्धालुओं को व्यवस्थित करने के लिए 90 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। इन होल्डिंग एरियाज में आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को रोका जा सकेगा, ताकि स्टेशन पर भीड़ का दबाव कम रहे और यात्रा सुगम हो। इन आपातकालीन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य है कि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति में श्रद्धालुओं को सुरक्षित रखा जा सके और उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन, पुलिस, और मेला आयोजन टीम मिलकर इन योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे। प्रयागराज जंक्शन पर रेलवे ने एक विशेष नियंत्रण कक्ष की स्थापना की है, जहां से पूरे मेला क्षेत्र और रेलवे स्टेशनों की निगरानी की जाएगी।

दीपोत्सव में झारखंड से दीप जलाने पहुंचेंगे 150 आदिवासी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/अयोध्या

योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासनिक खेमे के अलावा डॉ राम मनोहर लोहिया विवि ने भी इस दिशा में युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। इस बार दीपोत्सव कुछ खास ही होने वाला है। झारखंड के 150 आदिवासी भी दीप जलाने के लिए पहुंच रहे हैं। यह आदिवासी स्वयंसेवक के रूप में घाटों पर जुटेंगे। अयोध्या में 2017 से राम की पैड़ी पर दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी। उसके बाद से यहां दीपोत्कीसव के जरिए प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। इस बार मुख्यमंत्री ने 25 लाख दीये जलाने का ऐलान किया है जिसके लिए 28 लाख दीपों को सरयू नदी के किनारे तटों पर बिछाया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अयोध्या नगरी को सजाने के काम शुरू कर दिया गया है। राम की पैड़ी पर इस बार स्थानीय नागरिकों को भी शामिल करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वहां पर चौड़े-चौड़े पलेटफॉर्म वाली सीढ़ियां बनाई जा रही हैं, जो बिल्कुल स्टेडियम की तरह है। इस बार दीयो की संख्या बढ़ते ही घाटों की संख्या बढ़ा दी गई है। 51 से 55 कर दिया गया है। चौधरी चरण सिंह व भजन संध्या स्थल व अन्य घाटों को दीप जलाने के लिए शामिल किया गया है। 90 हजार लीटर सरसो के तेल के प्रयोग होने की बात बताई जा रही है। दीपोत्सव में दीयो की संख्या बढ़ते ही रुई की बाती का इंतजाम भी किया जाने लगा है। 40 लाख रुई की बाती लगेगी। दीपोत्सव के नोडल अधिकारी डॉ एसएस मिश्र ने बताया हमारी तैयारियां तेजी से चल रही है। इस बार श्री राम भव्य महल में विराजमान हुए हैं। इसलिए दीपोत्सव को और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

● अयोध्या में 25 लाख दीपों का रिकॉर्ड बनाने के लिए बिछाए जाएंगे 28 लाख दीप

आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाइव हो जाएंगी वाहन संबंधी नौ सेवाएं

● वाहन स्वामियों को भागदौड़ से निजात दिलाने के लिए विभाग ने की पहल, घर बैठे सेवाओं का लाभ ले सकेंगे लाभ

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आमजनमानस को वाहन संबंधी सुविधाएं प्रदान करने के लिए परिवहन विभाग की तरफ से 09 सेवाओं को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाइव किया जा रहा है। इससे वाहन स्वामियों को भागदौड़ की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। उन्हें घर बैठे विभिन्न सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर परिवहन मंत्री ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इन सुविधाओं को तुरंत लागू किया जाए।

परिवहन आयुक्त चंद्रभूषण सिंह ने बताया कि इन 09 सेवाओं में डुप्लिकेट आरसी, विशेष परमिट, आरसी विवरण, डुप्लिकेट परमिट, डुप्लिकेट फिटनेस सर्टिफिकेट, डुप्लिकेट डीएल, डीएल में पता परिवर्तन, डीएल प्रतिस्थापन एवं डीएल एक्सट्रैक्ट को आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से लाइव कर दिया गया है। शिक्षार्थी लाइसेंस, स्थायी पंजीयन हेतु आवेदन, लाइसेंस तथा वाहन से मोबाइल नम्बर अपडेट का कार्य पहले से ही आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से किया जा रहा है। परिवहन आयुक्त ने बताया कि इन सेवाओं का लाभ आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से प्राप्त हो सकता है। लोगों को बिना परिवहन कार्यालय आए सुविधाएं मिलेंगी। इन कार्यों को फेसलेस किये जाने से आमजनता को अत्यंत ही सुविधा होगी। परिवहन विभाग द्वारा प्रदान की जा रही अन्य सेवाओं को भी फेसलेस किये जाने का कार्य किया जा रहा है। जल्द ही अन्य सुविधाओं को भी इस प्रणाली का उपयोग कर फेसलेस करने की कार्यवाही की जाएगी।

2027 में समाजवादी सरकार बनना तय: अखिलेश

लखनऊ। अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा की नीतियां नौजवानों के भविष्य को अंधकार में धकेल रही हैं। शिक्षा महंगी है। शिक्षित बेरोजगारी भाजपा सरकार में विकराल रूप से चुकी है। भ्रष्टाचार को भाजपा का प्रश्रय पूरी व्यवस्था के लिए अभिशाप है। सन् 2022 के विधानसभा चुनाव में जनादेश से छलकर भाजपा ने लोकतंत्र की हत्या की थी। भाजपा की ऐसी साजिशों से हमें अब सतर्क और जागरूक रहना होगा। 2027 में समाजवादी सरकार बनना तय है। अखिलेश यादव सोमवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय, लखनऊ में युवा संगठनों समाजवादी युवजन सभा, समाजवादी लोहिया वाहिनी, समाजवादी छात्र सभा तथा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के पदाधिकारियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। बैठक में नौजवानों ने एक राय से संकल्प लिया कि समाजवादी सरकार बनाने में अब कोई चूक नहीं करनी है। उनका कहना था कि भाजपा सरकार में युवाओं की समस्याओं का कोई समाधान संभव नहीं। समाजवादी सरकार में ही प्रदेश में प्रगति और खुशहाली आएगी।

यादव ने कहा कि बेकारी एक बड़ा मुद्दा है। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। भर्तियों में पेपर लीक होता है। निवेश की बाते बड़ी-बड़ी हुई पर कहीं कोई निवेश नहीं आया। भाजपा सरकार में निर्दोष नौजवानों को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है। फर्जी एनकाउण्टर कर उनकी हत्या की जा रही है। भाजपा खास तौर पर पीडीए के नौजवानों के साथ अन्याय कर रही है। युवाओं के साथ खिलवाड़ करना भाजपा की सोची समझी नीति है। उनकी नीयत में खोट है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का वैचारिक स्तर पर समाजवादी पार्टी से कोई मुकाबला नहीं हैं विकास के क्षेत्र में भी समाजवादी पार्टी का रिकार्ड भाजपा से बहुत बेहतर है। उत्तर प्रदेश का विकास समाजवादी सरकार में ही हुआ। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और विचारधारा ही देश को आगे ले जाती है।

यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में विकास की गति को तेज करने के लिए देश की सबसे अच्छी एलिवेटेड रोड गाजियाबाद में बनी। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे, मेट्रो रेल, गोमती रिवरफ्रंट, जेपीएनआईसी, अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का इकाना क्रिकेट स्टेडियम, विद्युत व्यवस्था में सुधार हेतु नये पावर हाउस बनाये गये थे। डायल 100, 102, 108 एम्बुलेंस सेवा, 1090 वूमेन पावर लाइन, कैंसर अस्पताल, गंभीर रोगों किडनी, हार्ट, लीवर, कैंसर आदि के मुफ्त इलाज की सुविधा दी। चिकित्सा, शिक्षा, स्वास्थ्य की सभी सुविधाएं नि:शुल्क की गयी थी। छात्र, नौजवान, किसान, व्यापारी, कर्मचारी, मजदूर समेत सभी के लिए सुविधाएं दी गई थी। किसानों के उत्पाद के लिए मंडी की व्यवस्था की गई थी तथा उनकी फसल का लाभकारी मूल्य भी उन्हें समाजवादी सरकार में ही मिला था।

शोषित समाज अधिकार पार्टी का सपा में विलय

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं सपा की नीतियों पर आस्था जताते हुए आज शोषित समाज अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार गौतम ने अपनी पार्टी का समाजवादी पार्टी में विलय कर दिया। उनके साथ भीम आर्मी के भी कई प्रमुख नेता सपा में शामिल हो गए। अखिलेश यादव ने शामिल होने वाले सभी साथियों से उम्मीद जतायी है कि ये सभी साथी समाजवादी पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे। सपा के इटावा सांसद जितेन्द्र दोहरे भी उपस्थित रहे। सपा में शामिल होने वालों में अमित दोहरे राष्ट्रीय महासचिव, केशव प्रसाद राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य और सक्रिय सदस्य सहित वाराणसी, लखनऊ, कानपुर नगर, जसवंतनगर, रसूलाबाद, इटावा के प्रमुख लोग हैं। सपा में शामिल होने वालों में कामता प्रसाद, मोहन राम आर्य, राजेन्द्र कश्यप, सुशील कुमार गौतम, आशुतोष चौधरी, नरेन्द्र सिंह दोहरे, अनुज कुमार दोहरे, डॉ. शिव नरायण सिंह, पिंकी ठाकुर, आरती यादव, ममता दोहरे, मीरा कठेरिया, कृष्णा कठेरिया, आशू, ब्रज किशोर है।

कुंभ नगरी में बस और रेलवे स्टेशन में 10 अस्थाई पर्यटन सूचना केंद्रों की होगी स्थापना

महाकुंभ-2025

● पर्यटकों के लिए उपलब्ध रहेगी पर्यटन स्थलों, पेईंग गेस्ट हाउस और प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड की जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

वर्ष 2019 में योगी सरकार के प्रयास से संगम नगरी प्रयागराज में आयोजित दिव्य , भव्य और स्वच्छ कुंभ के सफल आयोजन को को पूरी दुनिया ने सराहा। यूनेस्को द्वारा इसे मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। आयोजन की भव्य सफलता के बाद अब कुंभ नगरी प्रयागराज 2025 महाकुंभ का इंतजार कर रही है। जनवरी 2025 में आयोजित होने जा रहे इस महाकुंभ में 41 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं व पर्यटकों के यहां पहुंचने का प्रशासन का अनुमान है। इन पर्यटकों को कुंभ मेला क्षेत्र के अंदर और बाहर सम्पूर्ण जानकारी देने के उपलब्ध पर्यटन विभाग की तरफ से पर्यटन सूचना केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले पर्यटकों को शहर और कुंभ क्षेत्र में पर्यटन से जुड़ी जानकारी के लिए कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। पर्यटन विभाग की तरफ से कुंभ मेला क्षेत्र के बाहर 10 अस्थाई पर्यटन सूचना केंद्रों की स्थापना की जा रही है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि शहर के सभी रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और अस्थाई बस स्टेशन में इनकी स्थापना की जा रही है। स्थापना हेतु एजेंसी का चयन करने के लिए ई निविदा पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रक्रियाधीन है। पर्यटन विभाग की तरफ से स्थापित जा रहे इन पर्यटन सूचना केंद्रों में प्रयागराज के सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों की जानकारी की पुस्तिका हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध होगी। डिजिटल फॉर्मेट में भी इसे उपलब्ध कराया जायेगा। सूचना केंद्र में एक गाइड बुक भी होगी। पर्यटकों को टूरिज्म की जानकारी देने के लिए यहां पर एक प्रशिक्षित गाइड की सूची भी उपलब्ध रहेगी। पर्यटकों के ठहरने की जानकारी देने के लिए यहां पर रजिस्टर्ड पेइंग गेस्ट हाउस की जानकारी भी उपलब्ध रहेगी। मेरा क्षेत्र की टेंट सिटीज और टेंट कॉलोनी का ब्यौरा भी इन सूचना केंद्रों में रहेगा। पर्यटकों के लिए प्रशिक्षित गाइड की सूची भी इसमें रखी जाएगी। पर्यटक अगर किसी कारणवश या रेलवे स्टेशन या बस स्टेशन के पर्यटक सूचना केंद्रों से आवश्यक जानकारी नहीं ले पाते हैं तो कुंभ मेला क्षेत्र में भी उन्हें जानकारी उपलब्ध कराने के लिए अस्थाई पर्यटन सूचना केंद्र बनाए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी का कहना है कि कुंभ मेला क्षेत्र में जो 30 थीमेटिक गेट बनाए जा रहे हैं उन्हीं के हर पिलर के पास एक एक अस्थाई पर्यटन सूचना केंद्र भी बनाया जाएगा। पर्यटकों को कुंभ मेला क्षेत्र और प्रयागराज के पर्यटन स्थलों की जानकारी देने के लिए एक कर्मचारी नियुक्त किया जायेगा।

पुलिस के अत्याचार से दहला हुआ है समूचा प्रदेश: राय

● प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मृतक अमन गौतम के परिजनों से की मुलाकात, एक करोड़ मुआवजा व सरकारी नौकरी की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पुलिसिया बर्बरता के शिकार हुए स्व. अमन गौतम के विकास नगर स्थित आवास पहुंचकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने परिजनों से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट की तथा पार्टी की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पीड़ित परिजनों ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को बताया कि दलित समाज को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। मृतक अमन गौतम की बहन ने कहा कि पुलिस ने मेरे भाई को बिना वजह मार दिया है, हम न्याय की इस लड़ाई को आखिरी दम तक लडेंगे और दोषियों को सजा दिलाकर ही चैन लेंगे। यह सरकार खासतौर पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, वंचितों पर अत्याचार कर रही है। पुलिस के अत्याचार से पूरा प्रदेश दहला हुआ है, समूचे प्रदेश में आराजकता का माहौल है।

मृतक की बहन ने आगे बताया कि पीड़ित की मृत्यु के बाद जब परिवार और उससे जुड़े हुए लोग न्याय मांग रहे थे उस दरम्यान पुलिस के लोगों के द्वारा मृतक के परिजनों के साथ अभ्रदता तथा गाली-गलौज भी किया गया। इस मौके पर अजय राय ने कहा कि यह सरकार खासतौर पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों, वंचितों पर अत्याचार कर रही है। पुलिस के अत्याचार से पूरा प्रदेश दहला हुआ है, समूचे प्रदेश में आराजकता का माहौल है।

राय ने कहा कि अमन की मौत के बाद न्यायोचित कार्यवाही की मांग कर रहे परिजनों, खासतौर से महिलाओं को अपमानित किया गया, जो इस सरकार की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। पुलिस इस मामले पर पूरी तरह से लीपा-लोपी कर सच को छुपाने का प्रयास कर रही है, क्योंकि राय ने प्रदेश सरकार से पीड़ित परिवार को एक करोड़ रूपये की आर्थिक सहायता तथा मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी दिलाये जाने की मांग की है। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के साथ प्रदेश महासचिव मुकेश सिंह चौहान, अरशद खुर्शीद, सदस्य एआईसीसी ललन कुमार मीडिया विभाग के वाइस चेयरमैन मनीष श्रीवास्तव हिंदवी, उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ज्वाईनिंग प्रभारी नितिन शर्मा, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. शहजाद आलम, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

कवि सम्मेलन में वीर व हास्य रस के साथ व्यंग्य के फूटीं फुहारे

रूरा की रामलीला में रविवार की रात्रि भगवान राम के राजतिलक के साथ देश के प्रख्यात कवियों द्वारा वर्तमान परिदृश्य पर आलोचानात्मक टिप्पणी से वर्तमान स्थिति पर सोचने को विवश हुये दर्शक, शरद पूर्णिमा को आय व्यय का लेखा सार्वजनिक करेगी समिति

कानपुर देहात। जनपद के रूरा कस्बे में 64 वर्ष पूर्ण कर चुकी रामलीला ने दुलारे लाल द्विवेदी, भगवान सिंह सेंगर व सुँधाँशु शर्मा जैसे ख्यातिलब्ध रावण अभिनेताओं का साक्षात्कार किया। सुधाँशू शर्मा ने रूरा की रामलीला से रावण के पात्र को अँगीकार कर प्रदेश ही नहीं देश स्तर की रामलीलाओं में रावण के अतिरिक्त रामलीला के विभिन्न पात्रों का सजीव व प्रभावी मॅचन कर कर रूरा कस्बे का नाम पूरे देश में रोशन किया है। रविवार की रात्रि को भगवान मर्यादा पुरूषोत्तम राम, माता सीता, लक्ष्मण, शत्रुघन व अनॅत बलवॅत हनुमान की भव्य झाँकियों के नगर भ्रमण के बाद राजतिलक का भव्य आयोजन किया गया। देर रात्रि देश के प्रख्यात कवियों के माध्यम से वर्तमान समसायिक विषयों पर गहरा कटाक्ष करते हुये कवि सम्मेलन में ऐसी गॅगा बही कि लोग कवियों के कटाक्ष पर तालियॉ बजाने को मजबूर हो गये। कार्यक्रम के कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह राजू भदौरिया ने शरद पूर्णिमा के अवसर पर रामलीला समिति द्वारा आयोजित आय व्यय का लेखा सार्वजनिक करने का आश्वासन दिया है। चन्दन राय मुम्बई, लटूरी लटु टूनार्मेट, अशोक यादव पूर्व एमएलसी इटावा, डा0 गीता चतुर्वेदी औरैया, रोहित चौधरी इआवा अनिल दीक्षित भरथना सहित देश के अन्य प्रख्यात कवियों के सानिध्य में आयोजित कवि सम्मेलन में मृतक लोगों का भक्षण करने वाले नीच प्राय क्षेणी में सम्मिलित जटायु को भगवान श्रीराम द्वारा अपनी गोद में लेने को भावपूर्ण चित्रण किया कवि द्वारा किया गया, वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य पर गहरे कटाक्ष करते हुये पूर्व एमएलसी अशोक यादव ने व्यवस्था में दलाली की प्रवृत्ति पर गहरी चिन्ता व्यक्त करते हुये नौकरशाही पर गहरे कटाक्ष किये, लोकतंत्र के चर्तुथ स्तम्भ पर भी पर पूर्व एमएलसी ने कहा कि अपने निहित स्वार्थ के चलते सभी तो नहीं परन्तु कुछ चाटुकार दलाली की प्रवृत्ति के चलते अपने लाभ के लिये तथाकथिति लोग समाज का अहित कर रहे है। कोलकाता में चिकित्सक के साथ हुये वीभत्स बलात्कार भी गहरे कटाक्ष किये गये। इस दौरान प्रमुख रूप से कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह राजू भदौरिया, पूर्व प्रत्याशी नीरज सिंह, दिलीप सिंह मुन्ना, सीताराम पाण्डेय, वीरे शुक्ला, अमित श्रीवास्तव, शब्बीर अहमद, छुन्ना तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यकारी अध्यक्ष चन्द्रभान सिंह राजू भदौरिया ने बताया कि शरद पूर्णिमा के दौरान सम्पूर्ण आय व्यय का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जायेगा।

किसानों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है-राजीव

गुरसहायगंज (कन्नौज)। भाजपा सरकार किसानों को योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित कर रही है। किसानो की समस्याओं को लेकर केंद्र व राज्य सरकार संवेदनशील है। किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। यह बात सोमवार को तालग्राम ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि राजीव सिंह उर्फपुच्ची ठाकुर ने इंदुइयागंज में नित्या एवं काव्या बीज एवं दवाई भंडार का उद्घाटन करने के उपरांत कही। कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार किसानों को किसान निधि, प्रधानमंत्री आवास, फसल बीमा योजना आदि के माध्यम से लाभान्वित कर रही है। किसानों का सम्मान भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक पूर्व प्रधान कौशलेंद्र प्रताप सिंह उर्फपप्पू ठाकुर ने मुख्य अतिथि का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह यादव, प्रधान बृजपाल सिंह, रामकिशोर मिश्रा, कृपाराम पाल, राजीव सोलंकी, अजय विक्रम सोलंकी और प्रधान जितेंद्र सिंह ठाकुर, टिन्नी ठाकुर, अखिलेश राजपूत, सुवालाल, आजाद खान आदि मौजूद रहे।

अधिकारी विशेष अभियान चला कर एक माह में पूरा कर लें राशनकार्डों की जाँचः डीएम

कानपुर देहात। शासन के निर्देशों की जानकारी देते हुए जिलाधिकारी आलोक सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम.2013 के अन्तर्गत आच्छादित समस्त अन्त्योदय अन्न योजना तथा पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों के सत्यापन के निर्देश दिये गये है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम.2013 के अन्तर्गत निर्धारित मानकों के अनुसर अन्त्योदय तथा पात्र गृहस्थी श्रेणी के राशन आच्छादन सीमा तक पात्रता की श्रेणी आधार पर राशन निर्गत किये जाते है। राशनकार्ड निर्गत करते समय लाभार्थियों द्वारा प्रदत्त विवरण में समय के अनुसार परिवर्तन होता रहता है। इस प्रकार कतिपय कार्डधारक निर्धारित मानकों के अनुसार पात्रता श्रेणी में नहीं रह जाते है। प्रायः यह शिकायत प्राप्त होती है कि प्रचलित राशनकार्डों में अपात्र यूनिट भी सम्मिलित हैए जिसके निराकरण हेतु समय.समय पर प्रचलित राशनकार्डों का सत्यापन कराकरए अपात्र लाभार्थियों को चिन्हांकित करए वास्तवित रूप से लाभावित होने वाले लाभार्थियों को सम्मिलित किया जाना आवश्यक है। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु समय.समय पर सत्यापन कराने की व्यवस्था उत्तर प्रदेश आवश्यक वस्तु ;विक्रय एवं वितरण नियंत्रण का विनियमनद्ध आदेश 2016 में निहित है। इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाना है। उक्त के दृष्टिगत शासन के निर्देशानुपालन में अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी श्रेणी के राशनकार्ड सत्यापन का कार्य शीर्ष प्राथमिकता पर समयबद्ध रूप से पूर्ण किये जाने हेतु निर्देश प्रस्तारित किये गये है। वर्तमान में जनपद में अन्त्योदय योजना के कुल 51147 राशनकार्ड प्रचलित है। जिसमें 01, 02, 03ए 04 तथा 05 से 06 यूनिटों के कार्ड सम्मिलित है। अन्त्योदय कार्ड का निम्नवत् कारणों की सम्भावना का सत्यापन कराया जाना आवश्यक है। अन्त्योदय कार्ड का लाभ अपात्र लोगों द्वारा लिया जा रहा हो। एक मात्र सदस्य के नाम अन्त्योदय कार्ड जारी हो और शेष व्यक्तिओं द्वारा पात्र गृहस्थी राशन कार्ड का लाभ लिया जा रहा हो। अन्त्योदय कार्डधारक की मृत्यु के उपरान्त भी उसके नाम पर राशन वितरण किया जा रहा हो। सत्यापन कार्य हेतु ग्रामीण क्षेत्रों में तहसील स्तर पर सम्बन्धित उपजिलाधिकारी नोडल अधिकारी होगें। नगरीय क्षेत्रों हेतु नगर पालिकाध्नगर पंचायत स्तर पर सम्बन्धित अधिशाषी अधिकारी नोडल अधिकारी होगें। नोडल अधिकारी अपने.अपने क्षेत्रान्तर्गत अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के शतप्रतिशत राशनकार्डो की जाँच हेतु विशेष अभियान चलाकर प्राथमिकता के आधार पर निर्देशानुसार वार्डवार ध् ग्राम पंचायतवार अपात्रों को चिन्हित कर आख्या जिला पूर्ति अधिकारी के माध्यम से प्राप्त करायेंगे। पैरामीटर के अनुसार उनके स्थान पर पात्र व्यक्तिओं को चयनित कर आवेदन पत्र एवं सत्यापन सूची के साथ खण्ड विकास अधिकारीए अधिशाषी अधिकारी द्वारा सम्बन्धित उपजिलाधिकारियों को प्रेषित किये जायेंगे।

उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया

वाराणसी। नेशनल स्किल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा 2021 में लॉन्च किए गए स्किल इम्पैक्ट बॉण्ड ने 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 18 क्षेत्रों में कम आय वाले परिवारों के पहली बार नौकरी चाहने वाले 29000 से अधिक युवकों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षित किया है। इनमें से 73 प्रतिशत ने नौकरी जॉइन कर ली है। इस पहल का उद्देश्य कौशल और रोजगार के बीच की खाई को पाटकर 50000 युवा भारतीयों को तैयार करना है जिनमें महिलाओं की पहुँच 60 प्रतिशत है। अपने संबोधन के दौरान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने कहा जब विचारशील दिमाग एक साथ मिलकर काम करते हैं तो हम सिर्फ़ निवेश ही नहीं करते हम समुदायों का निर्माण करते हैं। हम बेहतर आजीविका मज़बूत परिवार और पहले से अधिक सक्षम राष्ट्र के लिए रास्ते बनाते हैं।

बारा में महिला किसान दिवस आज

कानपुर देहात।जिलाधिकारी आलोक सिंह के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन0 ने अवगत कराया है कि 15 अक्टूबर को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग एवं विस्तार शिक्षा सस्थानए गोहाटीए असम के सहयोग से विस्तार शिक्षा संस्थानए गोहाटी में ष्जनहिला किसान दिवसष् का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा। उक्त आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण वेबीनार के माध्यम से कराते हुए जनपद ध् विकास खण्ड स्तर पर महिला किसान दिवस के मनाये जाने के निर्देश प्राप्त हुए है। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित किया कि आयोजित कार्यक्रम के दृष्टिगत जनपद स्तर पर निम्नानुसार कार्यवाही की जायेगी. जनपद स्तर पर महिलाओं के प्रशिक्षण आयोजित कराये जाए। प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र पर भी आयोजित किया जा सकता है।

प्रतिवर्ष 5 हजार छात्रों को प्रशिक्षित किया जाएगा

वाराणसी। राष्ट्रीय और वैश्विक अवसरों के लिए भारतीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज मुंबई में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स ;आईआईएसद्ध का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य फैक्ट्री ऑटोमेशनए डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग मेक्ट्रोनिक्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा एनालिटिक्स और एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग सहित कई ट्रेडों में अत्याधुनिक तकनीक और व्यावहारिक प्रशिक्षण से लैस उद्योग 4ण्0 के लिए एक इंडस्ट्री.रेडी वर्कफोर्स तैयार करना है। आईआईएस मुंबई के उद्घाटन अवसर पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुएए कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के राज्य मंत्री ;स्वतंत्र प्रभारद्ध और शिक्षा मंत्रालय के राज्य मंत्री माननीय श्री जयन्त चौधरी ने कहा आईआईएस जैसे संस्थान फ्यूचर.रेडी वर्कफोर्स को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा भारत को विश्व

संडीला के मशाहिरे शोरा का विमोचन

संडीला,हरदोई।द्ध। अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू हिन्द यूनिट संडीला के तत्वावधान में साहित्यकारएलेखकए शिक्षाविद डॉक्टर सईद अहमद अंसारी की पुस्तक संडीला के मशाहिरे शोरा का विमोचन नगर के उर्दू साहित्यकारोंए शायरों व मुख्य अथिति के द्वरा किया गया। नगर के मोहल्ला पुरानी तहसील में स्थित उर्दू घर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद सण्डीला के अध्यक्ष मो0रईस अंसारी ने कहा कि डॉक्टर सईद अंसारी उर्दू के सच्चे प्रेमी हैं वह सन्दीला के मशहूर शायरों साहित्यकारों व लेखकों की याद को अपनी पुस्तक सन्दीला के मशाहिर शोरा में शामिल करके एक बड़ा काम किया है।वह उर्दू भाषा के सुधार और बेहतरी के अमूल्य योगदान दे रहे हैं। विशिष्ट अतिथि नायब शहर क़ाज़ी सय्यद हकीम असद ने कहा कि उर्दू भाषा का सम्बंध किसी वर्ग विशेष से नही है बल्कि उर्दू हमारे देश हिंदुस्तान की भाषा है।लेखक व शायर सईद अहमद अंसारी कहा ने पुस्तक में सन्दीला के शायरों और साहित्यकारों की उर्दू सेवाओं पर लिखना गौरव की बात है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अंजुमन के अध्यक्ष शमीम अहमद खां ने कहा मुंशी प्रेमचंद ने लिखा था कि हिंदी और उर्दू भाषा ने उनकी बात को और आगे बढ़ाने में सहायता की और कहा कि थी। कार्यक्रम का संचालन करते हुये अंजुमन तरक़्क़ी उर्दू के सचिव मुईज़ सागरी ने कहा कि उर्दू हिंदोस्तान की भाषा है और अगर उर्दू ज़िंदा रहेगी तो हिंदोस्तान की तहज़ीब ज़िंदा रहेगी।इस अवसर पर फ़रीद उद्दीनएडॉ0ज़ुबैर संदीलवीएगुलाम हुसैन सुहैल संदीलवीएशमीम अहमद खां शमीम संदीलवीएदावर रज़ाएमो0आरिफ़ ग़ाज़ीएअनवारुल हक़एअसलम उस्मानी आदि ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखे।

सीएम डैशबोर्ड और विकास कार्यक्रमों की डीएम ने की समीक्षा, दिए निर्देश

डीएम बोलीं- सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में करे सुधार, दिखाएं गंभीरता-अफसरों से जाना कैसे बेहतर करेंगे रैंकिंग

लखीमपुर खीरी।। शासन से निर्धारित सीएम डैशबोर्ड एवं विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कलेक्ट्रेट में समीक्षा बैठक लीए संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिए। बैठक में 'डीएम ने बेसिक शिक्षाए एनआरएलएमए समाज कल्याणए पर्यटनए उद्योग विभाग के कार्यों में अपेक्षित ;संतोषजनकद्ध प्रगति न होने पर नाराजगी प्रकट की संबंधित विभाग के जिम्मेदार अफसरो का स्पष्टीकरण तलब किया'बैठक में डीएम ने सीएम डैशबोर्ड के मानकों पर जिलों में चल रही सरकार की सभी योजनाओंए सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा की। डीएम ने कहा कि इस माह की सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में 18 नंबर का सुधार करते हुए जिला 25 नंबर पर आया है। अधिकारी सीएम डैशबोर्ड पर अपने विभाग की रैंकिंग में सुधार करे। उसमें गंभीरता दिखाये। सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारियों को टीम भावना के रूप में काम करना चाहिए और अपने जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने का पूरा प्रयास करना चाहिए। डीएम ने अधीनस्थ अधिकारियों को सीएम डैश बोर्ड की रैंकिंग पर नजर रखने के निर्देश दिए। कहा कि रैंकिंग का खराब होना विभागीय अधिकारियों की लापरवाही परिचायक होगा। जिन विभागों की प्रगति निम्न श्रेणी में हैए उसे उच्च श्रेणी में लाया जाए। सुधार ना दिखाने वाले अफसरो से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि निरन्तर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहेए अपनी विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन पर ध्यान देंए निर्धारित समयावधि में प्राप्त आवेदन पत्रों को निस्तारित करेंए जो भी परियोजनाओं का निर्माण कार्य चल रहा है उसकी प्रगति में सुधार लाये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन जिलों की प्रगति अच्छी है वहां के अपने समकक्ष अधिकारी से बात करेंए उनसे सीख लेते हुये अपने यहां भी बेहतर परिणाम लाकर दिखायें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी सीएम डैशबोर्ड की बैठक में जिन विभागों की डी रैंकिंग पायी जायेगीए उनके खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।समीक्षा के दौरान डीएम ने पाया कि सात योजनाओं में गत माह से चालू माह में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर उच्च ग्रेड प्राप्त किया है। वही पीएम आवास ;ग्रामीणद्धध् सीएम आवास ;ग्रामीणद्ध की प्रगति में कमी आई है। बेसिक शिक्षाए एनआरएलएमए समाज कल्याणए उद्योग विभाग के कार्यों में अपेक्षित ;संतोषजनकद्ध प्रगति न होने पर डीएम ने नाराजगी प्रकट की।

डीएम ने की 50 लाख से अधिक लागत के निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा

धीमी प्रगति वाली परियोजनाओं की वर्किंग एजेंसी से खफा- फटकारा

50 लाख से अधिक लागत की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशासकीय विभागों व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री अनुश्रवण प्रणाली ;सीएमआईएस डैश बोर्डद्ध का नियमित रूप से अवलोकन करते रहें तथा सभी कार्यदाई संस्थाएं अद्यतन प्रगति की सूचना अपडेट करना सुनिश्चित करें ताकि जनपद की रैंक प्रभावित न होने पायें। डीएम ने निर्देश दिए कि अफसर अंतर्विभागीय समन्वयए तालमेल बनाते हुए समस्या का समाधान करे। मीटिंग में उन्ही समस्या को रखे जो उनके स्तर से हल नहीं हो रही है। जिन परियोजनाओं में 90 फीसदी काम पूरा हो चुका और धनाभाव नहीं है। उन परियोजनाओं को इस माह के अंततक प्रत्येक दशा में संबंधित विभाग को हैंडओवर किया जाए। प्रशासकीय विभागो व कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि लीडरशिप अप्रोच रखकर नियमित फील्ड विजिट करेंए इससे काम की प्रगति बढ़ेगी। अपने स्तर पर माइक्रो लेवल पर भी नियमित समीक्षा कर गुणवत्ता के साथ ससमय परियोजनाओं को पूर्ण कराए।

नाम जाप कार्यक्रम का शुभारंभ आज से

संडीला। नगर में 15 अक्टूबर से नाम जाप कार्यक्रम शुभारंभ किया जा रहा है। श्री श्याम परिवार संडीला की ओर से मां वैष्णो देवी लॉन में नाम जाप कार्यक्रम का शुभारंभ 15 अक्टूबर से किया जा रहा है। यह कार्यक्रम नगर एवं आसपास के क्षेत्रों में पहली बार शुरू किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में सांय 6 बजे से 7 बजे तक श्याम नाम जापए 7 से 8 बजे तक राधा नाम जापए 8 से 9 बजे तक सीताराम नाम जापए 9 से 10 बजे हनुमान नाम जाप तथा 10 से 11 बजे भोलेनाथ नाप जाप किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रत्येक नाम जाप 108 बार प्रत्येक व्यक्ति को जाप जाप करना है।

महत्वाकांक्षी कदम उठाया

गोरखपुर। तनिष्क ने गोरखपुर शहर में अपना एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर शुरू किया है। साल के सबसे बड़े त्यौहार नज़दीक आ रहे हैए उनकी तैयारियों में चारचांद लगाने के लिए मिआ ने यह रणनीतिक कदम उठाया है। अपने अभिनव कारीगरी और ट्रेंड.सेटिंग डिज़ाइन्स के साथए मिआ ने समृद्ध संस्कृति के लिए पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश में अपना रिटेल विस्तार जारी रखा है। मिआ बाए तनिष्क के नॉर्थ.2 के रीजनल बिज़नेस मैनेजर श्री अरुण भारद्वाज ने स्टोर का उद्घाटन किया। गोरखपुर में नए मिआ बाए तनिष्क स्टोर का पता है . एच नंबर 163ए एचपी पेट्रोल पंप के सामनेए शिव पुरमए बशारतपुरए मेडिकल रोडए गोरखपुरए उत्तर प्रदेश . 273004ए यह स्टोर मिआ के रिटेल सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। स्टोर की शुरूआतःवाराणसी। तनिष्क ने वाराणसी शहर में अपना एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर शुरू किया है। साल के सबसे बड़े त्यौहार नज़दीक आ रहे हैए उनकी तैयारियों में चारचांद लगाने के लिए मिआ ने यह रणनीतिक कदम उठाया है। अपने अभिनव कारीगरी और ट्रेंड.सेटिंग डिज़ाइन्स के साथए मिआ ने समृद्ध संस्कृति के लिए पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश में अपना रिटेल विस्तार जारी रखा है।

ग्रामीणों की समस्यायें सुन कर निस्तारण के निर्देश दिये

कन्नौज। भाजपा सरकार की महत्वाकांक्षी योजना सरकार आपके द्वार के तहत कन्नौज ब्लाक के ग्राम भीमपुर्वा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राज्यमंत्री नें ग्राम का भ्रमण कर जहां एकओर विकास कार्यों की हकीकत को परखा वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों से समस्याओं के संबन्ध में जानकारी लेकर संबन्धित अधिकारियों को समस्या के निस्तारण के लिये निर्देशित किया। सोमवार को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत ब्लॉक कन्नौज के ग्राम भीमपुर्वा पहुंचे राज्य मंत्री असीम अरूण ने कार्यक्रम से पूर्व ग्राम का भ्रमण कर विकास कार्यों का निरीक्षण किया और मूलभूत सुविधाओं के बारे में ग्रामीणों से जानकारी ली। वही ग्रामीणों ने राज्यमंत्री से पटटों पर अबैध कब्जे किये जाने की शिकायतें की। जिसपर राज्य मंत्री ने मौके पर ही ग्रामीणों की शिकायतों के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होनें कहा कि भाजपा सरकार में लापरवाही बरतनें बाले अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई कराई जायेगी। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बबलू राजपूत, सियाराम राजपूत, ब्लॉक प्रमुख रामू कठेरिया, भोलानाथ व कटरी क्षेत्र के कई प्रधानों सहित सदस्यगण व जनमानस मौजूद रहा।

एक दिन की डीएम बनीं आंक्षा विश्वकर्मा, सुनीं शिकायतें

फतेहपुर। बीते वर्ष की यूपी बोर्ड परीक्षा में प्रदेश स्तर पर परचम लहराने वाली छात्रा आंक्षा विश्वकर्मा को सोमवार को एक दिन का डीएम बनाया गया। उन्होंने जनता दर्शन में आई शिकायतों को सुना और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब किया। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5 के तहत आंक्षा विश्वकर्मा, मेधावी छात्रा को एक दिन का सांकेतात्मक जिलाधिकारी बनाया गया। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने आंक्षा विश्वकर्मा को पुष्प गुच्छ एवं शील्ड देकर ससम्मान डीएम की कुर्सी में आसीन किया गया। एक दिन की डीएम ने जनता दर्शन में उपस्थित परियादियों की शिकायतों को सुना और उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों एवं विभागों को निर्देशित करते हुए रिपोर्ट तलब की। आंक्षा ने बताया कि उनका सपना है कि वह आगे चलकर आईएएस बनकर जनता की सेवा करूं। इस मौके में मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

भोलानाथ शेखर की जयंती पर बरसे श्रद्धा के फूल

लखीमपुर खीरी। शेखर जयंती समारोह पर चली कविता 'तलवार कविता संग्रह के रचयिता ओज और तेज के धनी स्नेही मंडल के प्रमुख कविवर भोलानाथ शेखर की 112वीं जयंती लखीमपुर खीरी में स्थित उनके निज निवास मोहल्ला नई बस्ती में' 'बहुत ही सादगी पूर्वक परिवार के सभी बड़े व छोटे सदस्यों के द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी पुस्तक तलवार चली से कविता शीर्षक के अंतर्गत सभी सदस्यों ने पाठ किया।'

'उनके बड़े पुत्र रामगोपाल ने शेखर जी की भारतीय नारी कविता से कुछ पंक्तियां प्रस्तुत की'

'तुम हो सहाय असहयों की तुम दिनों की दुख हरनी हो हो तुम ही जन्मदाता जग की तुम जग की पालन करनी हो'

'वहीं छोटे पुत्र विष्णु गोपाल शेखर जी के द्वारा'

'खप्पर त्रिशूल वाली बनकर चांदके मुंड माली बनाकर तुम कूद पड़ो सीमाओं पर काली बन कंकाली बनकर'

'उनकी पुत्री श्रीमती मंगला टंडन जी के द्वारा होली पर रचित कविता के कुछ अंश प्रस्तुत किए गए'

'त्याग अभियान मान अपमान शत्रु कर रहा शत्रु से प्यार अजब है होली का त्यौहार'

'वहीं कविवर भोलानाथ शेखर के पोत्र रजत शेखर ने'

'कविता और कवि शीर्षक' 'कविता कवि का दमभरती है ए वीणावादिनी द्वार कवि काए निशि वॉशर झांका करती हैए कविता कवि का दमभरती है' '

'पोत्र युवराज शेखर के द्वारा 'पिता और पुत्री के बीच की बहुत ही मार्मिक पंक्तियां प्रस्तुत की गई'

'सच बात पूछती हूं'

'बताओ ना बाबूजी'

'छुपाओ ना बाबूजी'

'की याद मेरी आती नहीं ।'

साथ ही साथ कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए उनके पत्र गौरवए रतन एरमन शेखर व परिवार की बहुएं रिचाए खुशबू रचना, रूपाली, रतिए दिव्या शेखर ने भी इस अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

शेखर परिवार के मुखिया रामगोपाल जी शेखर बताते हैं कि दिनांक 13 अक्टूबर का यह अविस्मरणीय दिन जीवन पर्यंत याद रहेगा हमारे पास आज जो कुछ भी है वह सब हमारे पिता माता की तपस्या और साधना का फल है।

डेढ़ माह से धरना दे रहे ठग पीड़ितों ने डीएम से की मांग

फतेहपुर। डेढ़ माह से अधिक समय से नहर कालोनी स्थित धरना स्थल पर अनशन पर बैठे ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के लोगों ने जिलाधिकारी को पीड़ित लोगों के सम्बंध में मांग पत्र प्रेषित किया है। सोमवार को ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के बैनर तले धरना दे रहे निवेशकों ने जिलधिकारी को सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन भेजकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया। डीएम को संबोधित ज्ञापन में जिलाध्यक्ष अमृत लाल ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में बड्स एक्ट 2019 के तहत भुगतान पटल खोलने व पट्टिका लगाए जाने, समझौता का लिखित निर्देश दिए जाने, जमाकर्ता के निवेश की रिसीविंग, पुलिस प्रशासन द्वारा अभिकर्ताओं का उत्पीड़न रोकने व उन्हें सुरक्षा दिए जाने, पूर्व में भुगतान के आवेदनों में हुई कार्रवाई का ब्यौरा उपलब्ध कराए जाने, धरना स्थल पर बिजली पानी साफसफाई की व्यवस्था व मेडिकल टीम द्वारा धरना दे रहे लोगों की स्वास्थ्य की जांच एवं प्रतिदिन धरना स्थल से ज्ञापन लेने वाले अधिकारी की नियुक्ति की मांग किया। साथ ही कम्पनियों के विरुद्ध मुकदमों को बड्स एक्ट में बदलने व जनपद में अवैध निवेश कम्पनियों को चिन्हित कर कार्रवाई की मांग की गई। इस मौके पर अम्बिका प्रसाद, विनोद कुमार, अवधेश कुमार वर्मा, रामहित मौर्या, बिन्दा प्रसाद, रामशरण, सतीश कुमार विश्वकर्मा, मननमोहन, अमर सिंह, राकेश कुमार साहू, प्रेम कुमार आदि मौजूद रहे।

झारखंड चुनाव के लिए सीट बंटवारे की बातचीत लगभग फाइनल : हिमंत

रांची(भाषा)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था लगभग फाइनल है और चुनाव की घोषणा के 48 घंटे के भीतर उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी जाएगी। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी शर्मा पार्टी की चुनाव समिति की बैठक के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा, राजग के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारा लगभग तय हो चुका है। जैसे ही निर्वाचन आयोग आदर्श आचार संहिता घोषित करेगा, हम 24 से 48 घंटे में अपनी पहली सूची जारी कर देंगे। हमें निर्वाचन आयोग की घोषणा का इंतजार है। शर्मा ने कहा कि सीट बंटवारे पर बनी सहमति के अनुसार सुदेश महतो के नेतृत्व वाली आजसू पार्टी 9-11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा, आजसू पार्टी के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत लगभग फाइनल है। एक सीट को लेकर कुछ दिक्कत है। हम मंगलवार तक उसका समाधान कर लेंगे। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) दो विधानसभा सीट पर चुनाव लड़ेगी, वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान के विदेश से लौटने के बाद बुधवार या बृहस्पतिवार को होगी। भाजपा नेता ने कहा कि पांच या छह सीट को छोड़कर लगभग सभी सीट के लिए उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बचे हुए नामों पर भी फैसला जल्द ले लिया जाएगा। शर्मा ने कहा, चुनाव समिति कल एक बार फिर बैठक करेगी, जिसके बाद पार्टी के संसदीय बोर्ड की बैठक होगी। झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव इस साल संपन्न होने हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल पांच जनवरी, 2025 को समाप्त होगा।

कांग्रेस विधायक बी नागेंद्र को वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में जमानत मिली

बेंगलुरु (भाषा)। कांग्रेस विधायक बी नागेंद्र को सोमवार को सांसदों-विधायकों के लिए विशेष अदालत ने जमानत दे दी। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में शामिल होने के आरोपों के बाद उन्होंने जून में अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले सप्ताह कहा था कि नागेंद्र की पहचान घोटाले के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड के रूप में की गई है, जिन्होंने 24 अन्य लोगों की मदद से कथित तौर पर इस घोटाले को अंजाम दिया। ईडी ने पूर्व में जांच के दौरान नागेंद्र और पांच अन्य प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ईडी की जांच से पता चला कि नागेंद्र के प्रभाव में निगम का खाता बिना किसी उचित मंजूरी के एमजी रोड शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां गंगा कल्याण योजना के तहत राज्य के खजाने से प्राप्त 43.33 करोड़ रुपए सहित 187 करोड़ रुपए उचित प्रक्रियाओं का पालन किए बिना और सरकारी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए जमा किए गए।

कांग्रेस चला रही भू हड़प आंदोलन : भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस का समूचा शीर्ष नेतृत्व भूमि सौदों से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त है और इन मामलों में पोल खुलने के बाद उसे नैतिक आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए। भाजपा की ओर से कांग्रेस पर यह हमला ऐसे समय किया गया है जब कर्नाटक में सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल एम. खरगे ने बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए बेंगलुरु में पांच एकड़ जमीन के आवंटन के अपने अनुरोध को रविवार को वापस ले लिया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे राहुल खरगे का यह कदम सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण को 14 भूखंड वापस लौटाने के बाद आया है। लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले को लेकर सिद्धरमैया, उनकी पत्नी और एक रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया था। भाजपा मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि ए फैसले नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की प्रतिकूल रिपोर्ट और कानूनी कार्यवाही के कारण लिए गए हैं और एक तरह से यह उसके नेताओं की स्वीकारोक्ति है कि भू आवंटन गलत था। उन्होंने दावा किया कि कानूनी कार्यवाही के दौरान होने वाली जलालत से बचने के लिए ऐसा किया गया।त्रिवेदी ने सिद्धरमैया समेत कांग्रेस के कई नेताओं पर कथित जमीन घोटालों का आरोप लगाया और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से पूछा कि उनकी मोहब्बत की दुकान अब अवैध प्रॉपर्टी डीलर की दुकान में कैसे तब्दील हो गई?

त्रिवेदी ने खरगे और सिद्धरमैया के परिवार के सदस्यों द्वारा जमीन लौटाने की पेशकश का उल्लेख करते हुए कहा, यह एक प्रकार से उनकी स्वीकारोक्ति है। सत्ता का दुरुपयोग करके भूमि को हड़पने का कार्य कर्नाटक में कांग्रेस में सर्वोच्च स्तर पर हो रहा था। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया, सिर्फ जमीन वापस करने से काम नहीं चलेगा। नैतिकता के आधार पर जिन लोगों ने जमीन वापस कर दी, क्या उन्हें इस्तीफा नहीं देना चाहिए? मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन घोटाले मामले में लोकायुक्त पुलिस ने 25 सितंबर को विशेष न्यायालय के आदेश के बाद 27 सितंबर को सिद्धरमैया, उनकी पत्नी पार्वती बी एम, उनके करीबी रिश्तेदार मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) तथा अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय ने भी 30 सितंबर को मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की, जिसमें एमयूडीए की ओर से उनकी पत्नी पार्वती बी एम को 14 भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताएं करने का आरोप है।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती द्वारा भूखंड लौटाने की पेशकश किए जाने के बाद, एमयूडीए ने उन्हें

आवंटित 14 भूखंडों को वापस लेने का एक अक्टूबर को फैसला किया था। त्रिवेदी ने कहा कि जमीन लौटाए जाने के फैसलों से इन नेताओं का पर्दाफाश हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक समय महात्मा गांधी और विनोबा भावे के भूदान से जुड़ी पार्टी अब सोनिया गांधी और राहुल गांधी की प्रेरणा से भू हड़प आंदोलन चला रही है। उन्होंने कहा, कांग्रेस 138 साल पुरानी पार्टी है जो यह कहती है कि वह गांधी के आदर्शों पर चलती है। जिस पार्टी में कभी विनोबा भावे जी ने भूदान आंदोलन चलाया था, यह अब भू हड़प आंदोलन चला रहे हैं। भाजपा सांसद ने उल्लेख किया कि सोनिया और राहुल नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपी हैं। आरोप है कि गांधी परिवार ने कांग्रेस पार्टी के धन का इस्तेमाल कर नेशनल हेराल्ड समाचार पत्र का प्रकाशन करने वाली कंपनी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर कब्जा किया और 20 अरब रुपए से अधिक की संपत्ति अर्जित करने का प्रयास किया। त्रिवेदी ने कहा कि 2014 में भाजपा के सत्ता में आने से पहले ही अदालत के निर्देश पर इस मामले में जांच शुरू हुई थी। उन्होंने कहा कि जमीन को लेकर इस तरह के आरोप पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भूपेश बघेल और कमलनाथा तथा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार समेत अन्य के खिलाफ लगाए गए हैं। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट रूप से दिखाता है कि कांग्रेस का पूरा शीर्ष नेतृत्व जमीन हड़पने से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में भ्रष्टाचार स्वाभाविक रूप से आता है। त्रिवेदी ने दावा किया कि अगर भाजपा नेताओं के खिलाफ ऐसे गंभीर आरोप होते तो तूफान खड़ा हो जाता। उन्होंने कहा कि विपक्षी इंडिया गठबंधन की चुप्पी दिखाती है कि उनकी पार्टियां भ्रष्टाचार में एक दूसरे का समर्थन करती हैं। त्रिवेदी ने कुछ कांग्रेस नेताओं के इन सुझावों पर भी टिप्पणी की कि आरोपों का सामना कर रहे लोगों द्वारा जमीन लौटाए जाने के बाद जांच के लिए कुछ नहीं बचता है। उन्होंने कहा, देश के लोग ऐसे बचकाने प्रयासों को समझते हैं।

बहराइच में हिंसा भारत को कमजोर करने की साजिश का हिस्सा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में सांप्रदायिक हिंसा कुछ ताकतों की व्यापक साजिश का हिस्सा है जो पिछले कुछ महीनों में मजबूत हुई हैं तथा भारत को आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूप से कमजोर करना चाहती हैं। दुर्गा प्रतिमा जुलूस के दौरान मंसूर गांव के महराजगंज इलाके में सांप्रदायिक झड़प में 22 वर्षीय एक युवक की गोली मारकर हत्या किए जाने के एक दिन बाद बहराइच में सोमवार को तनाव रहा। इस दौरान लोगों ने लाठी और अन्य हथियारों लेकर मार्च किया और उनमें से कुछ ने एक ऑटो डीलरशिप एजेंसी में आग लगा दी और एक अस्पताल में तोड़फोड़ की।

इस बारे में पूछे जाने पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, "कुछ ताकतें हैं जो पिछले कुछ महीनों में मजबूत हुई हैं और भारत को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से कमजोर करना चाहती हैं। उन्होंने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, कहीं न कहीं ऐसी घटनाएं (बहराइच में सांप्रदायिक हिंसा) उन ताकतों के हथियार हैं। त्रिवेदी ने जून में हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पिछले कुछ महीनों में ए ताकतें मजबूत हुई हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में रेल पटरियों पर तोड़फोड़ और धार्मिक आयोजनों के दौरान पथराव करने की कथित कोशिशों समेत हाल की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए त्रिवेदी ने कहा कि भारत के खिलाफ साजिश को बेहतर ढंग से समझने के लिए इन सभी घटनाओं को एकीकृत रूप में देखा जाना चाहिए।

जेल से बेखौफ लॉरेंस बिश्नोई करीब 700 गुर्गों के साथ गैंग कर रहा संचालित

नई दिल्ली (भाषा)। जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई (31) उर्फ बलकरण बराड़ की उम्र महज पांच साल थी, जब अभिनेता सलमान खान से जुड़ा काला हिरण शिकार का मामला 1998 में राजस्थान में फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान हुआ था। इस मामले से बिश्नोई समाज काफी नाराज हो गया। छब्बीस साल बाद, जेल में रहते हुए भी कुख्यात गैंगस्टर का सलमान के प्रति गहरा आक्रोश सुर्खियों में बना हुआ है। सलमान के करीबी माने जाने वाले महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी (66) की पिछले हफ्ते मुंबई में तीन हमलावरों द्वारा गोली मारकर हत्या के बाद बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। मुंबई पुलिस को आशंका है कि सिद्दीकी की हत्या बिश्नोई के इशारे पर की गई, क्योंकि फेसबुक पर एक पोस्ट सामने आया था जिसमें दावा किया गया कि जो सलमान खान और दाऊद गैंग की मदद करेगा, अपना हिसाब-किताब लगाकर रखना।

ये टिप्पणियां शुबू लोनकर नामक व्यक्ति ने पोस्ट की थीं, जिसके बारे में पुलिस को संदेह है कि वह बिश्नोई गैंग का सहयोगी शुभम रामेश्वर लोनकर है। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि बिश्नोई गैंग का इरादा अब सलमान से बदला लेने से कहीं आगे निकल गया है। अधिकारी ने कहा, यह गैंग अब बॉलीवुड में पैठ बनाने की कोशिश कर रहा है, जो कभी दाऊद इब्राहिम का इलाका था, और अपनी डी-कंपनी स्थापित करना चाहता है। अधिकारी ने कहा कि जेल में बंद होने के बावजूद बिश्नोई 2022 में पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला, 2023 में करणी सेना प्रमुख सुखदेव सिंह गोगामेड़ी समेत कई जाने माने लोगों की हत्या करने में कथित तौर पर कामयाब रहा। इसके अलावा उसने कनाडा में गायक ए पी ढिल्लों और गिप्पी ग्रेवाल के आवासों के बाहर गोलीबारी की भी साजिश रची। गैंग ने सितंबर 2023 में खालिस्तानी समर्थक सुखा दुनेके की हत्या की जिम्मेदारी भी ली है। पुलिस के अनुसार, बिश्नोई और सलमान के बीच दुश्मनी पहली बार 2018 में सार्वजनिक हुई थी, जब बिश्नोई ने जोधपुर में एक अदालत में पेशी के दौरान कहा था, हम सलमान खान को मार देंगे। एक बार जब हम कार्वाई करेंगे तो सभी को पता चल जाएगा। मैंने अभी तक कुछ नहीं किया है, वे मुझ पर बिना किसी कारण के अपराध का आरोप लगा रहे हैं। तब से, अभिनेता को कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं, और यह मामला इस साल अप्रैल में उस समय सुर्खियों में छा गया था, जब सलमान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर बिश्नोई गैंग के दो गुर्गे ने गोलियां चलाई थीं, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर लिया गया था। दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, बिश्नोई ने स्वयं कभी किसी की हत्या नहीं की, फिर भी वह सबसे खूंखार गैंगस्टर में से एक बन गया है, जो गुजरात की जेल से गिरोह चला रहा है, तथा उसकी कार्यप्रणाली भगोड़े अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम कासकर जैसी ही है।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के अनुसार, बिश्नोई का अब देश भर में 700 सदस्यों का एक मजबूत गिरोह है, जिसमें शार्पशूटर भी शामिल हैं, तथा उन्हें गोल्डी बराड़, सचिन थापन, अनमोल बिश्नोई, विक्रमजीत सिंह, काला जठेड़ी और काला राणा जैसे अन्य कुख्यात गैंगस्टर की मदद भी मिलती है। एक अधिकारी ने बताया, अधिकांश शार्पशूटर युवा हैं, जो आमतौर पर सोशल मीडिया के माध्यम से उसके गैंग से प्रभावित होते हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बिश्नोई पंजाब के फाजिल्का जिले का निवासी है, जिसने चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय से कानून में स्नातक किया है। रिकॉर्ड के अनुसार, किसान के बेटे बिश्नोई के पास पंजाब में लगभग 100 एकड़ ज़मीन है। उसके दाहिने हाथ पर हनुमानजी का टैटू बना हुआ है और वह अपनी ड्राइविंग और सटीक निशाना साधने की क्षमता के लिए जाना जाता है। बिश्नोई का छोटा भाई अनमोल, जो राजस्थान के एक कॉलेज में पढ़ता था, अब उसके गिरोह में शामिल हो गया है, जो देश के बाहर से अपनी गतिविधियां संचालित करता है। बिश्नोई ने 2010 में पंजाब विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान अपराध की दुनिया में कदम रखा था, जब उसने छात्रसंघ चुनावों के दौरान एक प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार पर गोली चलाई थी, जिसके लिए उसे तीन महीने जेल में बिताने पड़े थे। स्नातक की पढ़ाई के दौरान ही उसने विश्वविद्यालय चुनाव भी लड़ा और छात्रसंघ का अध्यक्ष बन गया। पंजाब में चार आपराधिक मामलों में दोषी करार दिए जाने वाले बिश्नोई महाराष्ट्र पर नजर गड़ाने पहले ज्यादातर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली में सक्रिय रहा है। उसे जबरन वसूली, हत्या, हत्या का प्रयास और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है।

डीजल में 15 प्रतिशत एथनॉल मिलाने पर शोध उन्नत चरण में : गडकरी

नई दिल्ली(भाषा)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को कहा कि डीजल में 15 प्रतिशत एथनॉल मिलाने को लेकर शोध का काम उन्नत चरण में है और सरकार ठोस प्रमाण के आधार पर इसे प्राथमिकता देने के तरीके तलाश रही है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के जैव ऊर्जा शिखर सम्मेलन-2024 को संबोधित करते हुए गडकरी ने बताया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एथनॉल मिश्रण 2014 के 1.53 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 15 प्रतिशत हो गया है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि इस प्रगति से प्रेरित होकर सरकार ने 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण तक पहुंचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल ने 400 एथनॉल पंप स्टेशन लगाने का फैसला किया है। हम सुजुकी, टाटा और टोयोटा सहित वाहन निर्माताओं से भी मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, इन वाहन निर्माताओं ने फ्लेक्स-इंजन वाली कारें पेश करने का फैसला किया है। मंत्री के अनुसार, टीवीएस, बजाज और होंडा जैसी अन्य वाहन निर्माता कंपनियां एथनॉल बाइक के साथ तैयार हैं और अपनी बाइक पेश करने के लिए एथनॉल पंप के आने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि देश ज्ञान से धन के युग से कचरे से धन के युग की ओर बढ़ गया है।

सीएनजी के बारे में, मंत्री ने कहा, सीएनजी में 475 से अधिक परियोजनाएं पाइपलाइन में हैं, और पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों में 40 से अधिक परियोजनाएं पहले ही शुरू हो चुकी हैं। गडकरी ने नगरपालिका के ठोस कचरे को बायो-सीएनजी में बदलने की आगे की तकनीकों की खोज करने की जरूरत पर जोर दिया। इसमें कच्चे माल की लागत शून्य हो जाती है। गडकरी ने कहा, हम फिलहाल पराली का पांचवां हिस्सा इस्तेमाल कर पाते हैं, लेकिन अगर हम सही तरीके से योजना बनाएं तो अगले कुछ साल में पराली से होने वाले मौसमी वायु प्रदूषण की समस्या का समाधान कर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) इस बात पर शोध कर रहा है कि कैसे बायो-कोलतार का उत्पादन करके देश के कोलतार आयात को कम किया जा सकता है।

चढूनी के बयान से साफ हो गया कि किसान आंदोलन कांग्रेस की ओर से प्रायोजित था: भाजपा

नई दिल्ली (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय किसान यूनियन के चढूनी गुट के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी के बयान से यह साफ हो गया है कि जिस किसान आंदोलन को सहज और स्वाभाविक बताया गया था, वह दरअसल कांग्रेस की ओर से प्रायोजित और पोषित था। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक चढूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया था, लेकिन पार्टी ने सब कुछ वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर छोड़ दिया और उन्होंने किसी से कोई समझौता नहीं किया। संयुक्त संघर्ष पार्टी के संस्थापक चढूनी ने विधानसभा चुनाव में यही कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण बताया। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में कहा, चढूनीजी का जो वक्तव्य आया है, उसने एक बार फिर उजागर कर दिया है कि कांग्रेस की जमीन के अंदर क्या छुपा हुआ है। वह (चढूनी) स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि हमने कांग्रेस के पक्ष में किसान आंदोलन खड़ा करके माहौल बनाया और कांग्रेस इसका लाभ नहीं ले सकी। उन्होंने कहा, इससे एक बात बहुत साफ हो गई है कि जिस आंदोलन को सहज और स्वाभाविक आंदोलन कहा जा रहा था, वह कांग्रेस के द्वारा प्रायोजित और पोषित आंदोलन था। उन्होंने कहा, अब मुझे लगता है कि कांग्रेस को इसके बाद शर्म से पानी-पानी हो जाना चाहिए।

जौहर विश्वविद्यालय की भूमि लीज रद्द करने के खिलाफ याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली (भाषा)। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में समाजवादी पार्टी नेता आजम खान की अध्यक्षता वाले न्यास द्वारा संचालित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की भूमि लीज रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका सोमवार को खारिज कर दी। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे. बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा।

उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भूमि लीज रद्द किए जाने के खिलाफ मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारी समिति की याचिका खारिज कर दी थी। राज्य सरकार ने लीज शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए न्यास को आवंटित 3.24 एकड़ भूखंड का पट्टा रद्द कर दिया था। सरकार का कहना है कि यह भूमि मूल रूप से एक शोध संस्थान के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन वहां एक स्कूल चलाया जा रहा था। हालांकि, शीर्ष अदालत ने न्यास का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों का संज्ञान लिया और उत्तर प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी बच्चे को उपयुक्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से वंचित न किया जाए। सिब्बल ने तर्क दिया कि 2023 में पट्टे को रद्द करने का निर्णय बिना कोई कारण बताए लिया गया था। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया होता और

कारण बताए होते, तो मैं इसका जवाब दे सकता था। क्योंकि, आखिरकार, मामला कैबिनेट के पास गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने (भूमि आवंटन पर) निर्णय लिया था। ऐसा नहीं है कि मैंने कोई निर्णय लिया। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार द्वारा भूमि पट्टे को रद्द करने के 18 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली न्यास की याचिका खारिज कर दी थी। न्यास की कार्यकारी समिति ने तब दलील दी थी कि सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना ही पट्टा विलेख रद्द कर दिया गया। उच्च न्यायालय में राज्य की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता ने बिना कारण बताओ नोटिस के पट्टा रद्द करने का बचाव इस आधार पर किया था कि जनहित सर्वोपरि है। यह दलील दी गई थी कि उच्च शिक्षा (शोध) संस्थान के उद्देश्य से अधिगृहीत भूमि का उपयोग एक स्कूल चलाने के लिए किया जा रहा था। महाधिवक्ता ने विशेष जांच दल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि पट्टा रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को जवाब देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था।

जम्मू-कश्मीर में जनादेश पलटने का भाजपा का मंसूबा, हम सतर्क हैं: कांग्रेस

नई दिल्ली (भाषा)। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने से एक दिन पहले, सोमवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी का मंसूबा इस केंद्रशासित प्रदेश में जनादेश पलटने का है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि कांग्रेस-नेकां गठबंधन के पक्ष में आने वाले लोगों के फैसले को नकारने के लिए दुर्भावनापूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में तीन चरणों में -18 सितंबर, 25 सितंबर और एक अक्टूबर को मतदान हुआ था। मतगणना मंगलवार को होनी है। जम्मू-कश्मीर में 10 साल के अंतराल पर तथा 2019 में राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किए जाने के बाद ए चुनाव हुए हैं। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, आसन्न हार को देखते हुए भाजपा बहुमत हासिल करने के लिए हताशापूर्ण खेल, खेल रही है और अपनी चाल में मदद मिल जाए, उसके लिए त्रिशंकु विधानसभा की उम्मीद कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा जानती है कि जम्मू कश्मीर के लोगों ने कांग्रेस-नेकां गठबंधन को स्पष्ट जनादेश दिया है। कांग्रेस महासचिव ने दावा किया, इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को खत्म करने के लिए, उन्होंने अपनी स्वयंभू फर्जी चाणक्य-नीति के पुराने तरीकों का सहारा लिया है। हमारे पास यह कहने के लिए स्पष्ट जानकारी और आधार है कि जम्मू कश्मीर में कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के पक्ष में (आने वाले) जनादेश को नकारने के लिए दुर्भावनापूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। रमेश ने कहा, हम इस तरह के नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे।

पेज 1 का शेष

बम के...

777 विमान - वीटी-एईआर - अपने निर्धारित प्रस्थान समय 1.40 बजे से लगभग 50 मिनट देरी से 2.27 बजे मुंबई से रवाना हुआ और लगभग डेढ़ घंटे बाद उतरा। यात्रियों को लगभग 4.10 बजे विमान से उतार दिया गया, लेकिन उन्हें अपने बैग विमान में ही छोड़ने के लिए कहा गया। अधिकारी ने कहा कि माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से बम की धमकी मिली थी और हैंडल की पुष्टि की जा रही है। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्थिति का जायजा लेने के लिए दिल्ली हवाई अड्डे का दौरा किया। कुछ समय पहले दिल्ली में उतरने के बाद, 239 यात्रियों को ले जा रही फ्लाइट एआई 119 के डायवर्जन और आपातकालीन लैंडिंग के संबंध में दिल्ली एयरपोर्ट पर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दोपहर 1 बजे एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जबकि उचित सुरक्षा जांच और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पूरी तरह से पालन किया जा रहा है, एयरपोर्ट अधिकारियों और एयर इंडिया के कर्मचारियों को प्रभावित यात्रियों के लिए सभी आवश्यक सहायता और सुविधाजनक आवास की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। एयर इंडिया की फ्लाइट के अलावा, मुंबई से आने वाली इंडिगो की दो फ्लाइट को सोमवार को बम की धमकी मिली। इंडिगो की एक फ्लाइट मस्कट और दूसरी जेद्दा जा रही थी। इंडिगो की फ्लाइट को उड़ान भरने से पहले धमकियां मिलीं और संबंधित विमानों को सुरक्षा जांच के लिए आइसोलेशन बे में ले जाया गया। एयरलाइन ने एक बयान में कहा, मुंबई से मस्कट जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 1275 को बम की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान को एक अलग बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई। ग्राहकों को सहायता और जलपान उपलब्ध कराया गया और हमें हुई असुविधा के लिए खेद है। मुंबई से मस्कट जा रही इंडिगो की फ्लाइट 6ई 1275 को बम की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान को एक अलग बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई। गुरुग्राम मुख्यालय वाली बजट एयरलाइन ने एक बयान में कहा। मुंबई-जेद्दाह उड़ान के बारे में, इसने कहा, 'उड़ान को बम की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के अनुसार, विमान को एक अलग बे में ले जाया गया और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करते हुए अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई।' हालांकि, इंडिगो ने विमान में सवार लोगों की संख्या या दोनों उड़ानों की स्थिति जैसे अन्य विशिष्ट विवरण साझा नहीं किए।

वक्फ...

उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक राज्य अल्पसंख्यक आयोग और कर्नाटक अल्पसंख्यक विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पादी, जिनका प्रेजेंटेशन चल रहा था, वक्फ बिल के बारे में नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अनवर कर्नाटक सरकार और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ अनावश्यक आरोप लगा रहे थे, जो समिति के अनुरूप नहीं है और स्वीकार्य नहीं है।

नदी तल...

रिट याचिका में देश के लोगों के लिए पानी और पारिस्थितिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी नदियों, उनकी सहायक नदियों, साथ ही जलमार्गों और जल चैनलों, और बाढ़ के मैदानों और जलग्रहण क्षेत्रों को कानूनी संरक्षण प्रदान करने के लिए इस अदालत के हस्तक्षेप की मांग की गई है और केंद्र सरकार को बिना किसी और देरी के नदी संरक्षण क्षेत्र (आरसीजेड) अधिसूचना अधिसूचित करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

दिल्ली...

यह धूल शमन उपायों की दूरस्थ निगरानी के लिए संबंधित राज्य सरकार के पोर्टल पर पंजीकृत नहीं होने वाले 500 वर्ग मीटर या उससे अधिक के निजी निर्माण और विध्वंस परियोजनाओं पर काम को निलंबित करने का भी आदेश देता है। ग्रेप चरण एक के तहत, इसने ट्रैफिक पुलिस को भारी यातायात और भीड़भाड़ वाले चौराहों वाले सभी पहचाने गए गलियारों में सुचारू यातायात के लिए अधिक कर्मियों को तैनात करने का आदेश दिया; वाहनों के लिए पीयूसी मानदंडों के सख्त सतर्कता और प्रवर्तन और दृश्य उत्सर्जन के लिए कोई सहिष्णुता नहीं, अधिकतम जुर्माना लगाने और / या जब्त करके स्पष्ट रूप से प्रदूषणकारी वाहनों को रोकती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के सीएक्यूएम और मौसम पूर्वानुमानों ने सोमवार को क्षेत्र में वायु गुणवत्ता परिदृश्य की व्यापक समीक्षा की और चरण 1 नियंत्रण उपाय शुरू करने का निर्णय लिया। सीएक्यूएम ने एक बयान में कहा कि क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में वायु गुणवत्ता मापदंडों में अचानक गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली का एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में चला गया है और पूर्वानुमानों में यह भी अनुमान लगाया गया है कि प्रतिकूल मौसम संबंधी स्थिति के कारण आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता मुख्य रूप से 'खराब' श्रेणी में रहेगी। ग्रेप एक आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र है जो तब सक्रिय होता है जब एक्यूआई 'खराब' स्तर पर पहुंच जाता है। एक्यूआई वायु प्रदूषण के स्तर का एक माप है जो इंगित करता है कि वायु प्रदूषण स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित कर सकता है।

सड़कों...

तरह के खुले तारों के कारण पहले भी बिजली के झटके लग चुके हैं। जिन इलाकों में इस तरह के अवैध कारोबार फैल रहे हैं उनमें दक्षिण और पश्चिम दिल्ली में संगम विहार, जामिया, कालकाजी, तुगलकाबाद, सराय काले खां, पश्चिम विहार, मटियाला और महावीर एन्क्लेव शामिल हैं। पूर्वी दिल्ली में, इस तरह की गतिविधि के लिए मुख्य स्थल शास्त्री पार्क, करावल नगर और मुस्तफाबाद है। अधिकारियों का कहना है कि शहर में ई-रिक्शा की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हो रही है। हालाँकि वे धीरे-धीरे यातायात के लिए ख़तरा बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन दिल्ली सरकार और यातायात पुलिस एक-दूसरे पर दोष मढ़ने के साथ लगभग कोई नियमन नहीं है। 2012 में पहली बार ई-रिक्शा चलना शुरू हुआ। पिछले 12 वर्षों में, वे पड़ोस के साथ-साथ मुख्य सड़कों पर भी तेज़ी से बढ़ रहे हैं। उनकी संख्या में तेज़ी से वृद्धि का कारण जेब-अनुकूल दरों पर पहले और अंतिम मील की कनेक्टिविटी को माना जा सकता है। बिना किसी नियमन के, लगभग कोई भी ई-रिक्शा चालक बन सकता है। ये वाहन अब मुख्य सड़कों पर भी एक बड़ी परेशानी बन गए हैं, जहाँ उन्हें चलने की अनुमति नहीं है।

सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने डीजीएमएस का कार्यभार संभाला

भाषा। नई दिल्ली

सर्जन वाइस एडमिरल कविता सहाय ने सोमवार को नौसेना की चिकित्सा सेवाओं की महानिदेशक के रूप में पदभार ग्रहण किया। नौसेना के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि पुणे के प्रतिष्ठित सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी) की पूर्व छात्रा सहाय इससे पहले सेना चिकित्सा कोर की कर्नल कमांडेंट के रूप में चुनी जाने वाली पहली महिला अधिकारी थीं। बयान में कहा गया, "स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएमएस-नौसेना) का पदभार संभालने से पहले, वह एएमसी सेंटर एवं कॉलेज की पहली महिला कमांडेंट थीं... बयान में कहा गया है कि कविता सहाय ने 30 दिसंबर, 1986 को भारतीय सेना में चिकित्सा विभाग में अपनी सेवा शुरू की थी। इसमें कहा गया है कि सहाय ने दिल्ली स्थित एम्स (अखिल भारतीय चिकित्सा आयुर्विज्ञान संस्थान) से पैथोलॉजी तथा ओंकोपैथोलॉजी में विशेषज्ञता हासिल की है। बयान में कहा गया है, "अधिकारी एएचआरआर (आर्मी हॉस्पिटल रिसर्च एंड रेफरल) और बीएचडीसी (बेस हॉस्पिटल दिल्ली कैंटोनमेंट) में प्रोफेसर और लैब साइंस विभाग की प्रमुख रही हैं। वह पुणे स्थित एएफएमसी के पैथोलॉजी विभाग में भी प्रोफेसर रही हैं। नौसेना के प्रवक्ता ने कहा कि उनकी विशिष्ट सेवा के सम्मान में सहाय को 2024 में सेना पदक और 2018 में विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है।

झारखंड में ईडी का आईएएस, मंत्री के सहयोगियों के परिसरों पर छापा

● धनशोधन मामले में कार्रवाई

भाषा। रांची

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को चुनावी राज्य झारखंड के जल और स्वच्छता विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित करोड़ों रुपए की धनशोधन जांच के तहत एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, एक कैबिनेट मंत्री से जुड़े व्यक्तियों और कुछ अन्य लोगों के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने पहले कहा था कि छापेमारी केंद्र सरकार की योजना जल जीवन मिशन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जल और स्वच्छता विभाग द्वारा आवंटित कार्यों में 10 प्रतिशत की दर से कथित अवैध कमीशन का भुगतान हुआ और यह रिश्वत सत्ता में बैठे नेताओं, नौकरशाहों तथा विभाग के अधिकारियों के बीच साझा की गई।संघीय एजेंसी के अधिकारियों द्वारा राज्य की राजधानी रांची और पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में कुल 23 परिसरों की तलाशी ली गई। सूत्रों ने कहा कि ईडी की टीम को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा सुरक्षा कवर प्रदान किया गया। सूत्रों ने कहा कि सचिव रैंक के आईएएस अधिकारी मनीष रंजन, पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के निजी कर्मचारी हरेंद्र सिंह, ठाकुर के भाई विनय ठाकुर, कुछ सरकारी अधिकारियों, ठेकेदारों और व्यवसायियों से जुड़े परिसरों की एजेंसी ने तलाशी ली। रंजन भूमि, सड़क और भवन विभाग के सचिव हैं तथा ईडी द्वारा उनसे पहले भी धनशोधन के एक अलग मामले में पूछताछ की जा चुकी है, जिसमें इसने पूर्व मंत्री आलमगीर आलम को गिरफ्तार किया था। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा, ए अप्रत्याशित नहीं हैं और विधानसभा चुनाव नजदीक आने की वजह से ए जारी रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट रूप से असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का जिक्र करते हुए कहा कि विपक्षी भाजपा के सक्रिय सदस्य झारखंड का दौरा कर रहे हैं। चौहान और शर्मा राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रभारी तथा सह-प्रभारी हैं। दोनों नेता भ्रष्टाचार , घुसपैठ और गिरती कानून व्यवस्था को लेकर सोरेन पर हमला करते रहे हैं। इस बीच, ठाकुर ने आरोप लगाया कि यह छापेमारी राजनीति से प्रेरित है क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के पार्टी के दबाव के आगे झुकने से इनकार कर दिया। उन्होंने ईडी पर केंद्र सरकार के निर्देश पर काम करने का आरोप लगाया और मांग की कि एजेंसी को उनके आवास के अलावा उनसे जुड़े अन्य लोगों से की गई बरामदगी की सूची जारी करनी चाहिए। ठाकुर ने कहा, लोगों को यह जानने का पूरा अधिकार है कि मुझसे जुड़े परिसरों से कितनी धनराशि, अवैध दस्तावेज, सोना, हीरे और अन्य जवाहरात बरामद किए गए। धनशोधन का मामला दिसंबर, 2023 में झारखंड पुलिस द्वारा पेयजल और स्वच्छता सुवर्णरेखा डिवीजन, रांची के कार्यालय में तैनात पूर्व रोकड़िया-सह-वरिष्ठ लिपिक (यूडीसी) संतोष कुमार एवं अज्ञात अन्य व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, संतोष कुमार ने अन्य सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से बेईमानी से एक कंपनी की फर्जी भुगतानकर्ता आईडी तैयार की और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के वास्ते धोखाधड़ी से 2,71,62,833 रुपए की धनराशि निकालने के लिए अपने और अपनी कंपनी रॉकड्रिल कंस्ट्रक्शन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड क खाते के विवरण का इस्तेमाल किया।प्राथमिकी में कहा गया, यह पाया गया है कि कोषागार कार्यालय, रांची से संतोष कुमार और उसकी कंपनी के खातों में कुल 23 करोड़ रुपए जमा किए गए हैं। बाद में इस राशि को संतोष कुमार ने निकाल लिया और अन्य अधिकारियों के बीच वितरित कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि विभाग द्वारा फर्जी बिलिंग और उसके बाद भुगतान किए जाने के अलावा, ठेकेदारों से निविदा आवंटन के बदले कमीशन जुटाने और इसके वितरण के लिए विभाग में प्रणालीगत भ्रष्टाचार भी था। ईडी के अनुसार, यह पता चला है कि कुल निविदा मूल्य का लगभग 10 प्रतिशत कमीशन के रूप में निर्धारित था और इसे राजनीतिक नेतृत्व, नौकरशाहों तथा उक्त विभाग के अन्य अधिकारियों के बीच वितरित किया जा रहा था।

मधु कोड़ा के खिलाफ मुकदमे पर लगी रोक हटाने के लिए ईडी उच्च न्यायालय जाए: शीर्ष अदालत

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने धनशोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के खिलाफ मुकदमे पर लगी रोक हटवाने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की सोमवार को सलाह दी। ईडी ने झारखंड उच्च न्यायालय के आठ नवंबर, 2023 के आदेश को शीर्ष अदालत मे चुनौती दी है। उच्च न्यायालय ने धनशोधन निवारण अधिनियम के तहत आरोप तय करने के विरुद्ध कोड़ा की याचिका को विचारार्थ स्वीकार करते हुए निचली अदालत में आगे की कार्यवाही पर रोक का आदेश जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ को अवगत कराया कि 77 गवाहों में से 25 से पूछताछ की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय इस स्तर पर मुकदमे पर रोक नही लगा सकता। पीठ ने राजू से कहा कि उन्हें जांच एजेंसी की शिकायतों को उच्च न्यायालय के समक्ष उठाना चाहिए था, क्योंकि मामला अब भी वहां लंबित है।

सबसे बड़ा मालवाहक विमान बेलुगा एक्सएल एक हफ्ते में दूसरी बार कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा

कोलकाता। विश्व का सबसे बड़ा मालवाहक विमान बेलुगा एक्सएल एक सप्ताह के अंदर दूसरी बार सोमवार सुबह कोलकाता हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह विमान चीन के तियानजिन बिन्हाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सुबह पांच बजकर 47 मिनट पर यहां पहुंचा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के प्रवक्ता ने बताया कि विमान के यहां उतरने का उद्देश्य चालक दल के सदस्यों को आराम देना, एफडीटीएल (उड़ान ड्यूटी समय सीमाएं) और ईंधन भरना है। उन्होंने बताया कि विमान मंगलवार अपराह्न साढ़े तीन बजे बहरीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होगा। कोलकाता ने बेलुगा एक्सएल की पहली झलक तब देखी थी जब वह आठ अक्टूबर को यहां नेताजी सुभाषचंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय (एनएससीबीआई) हवाई अड्डे पर उतरा था। यह बेलुगा सीरिज का भी सबसे बड़ा विमान है। एयरबस ए 321 के महत्वपूर्ण पुर्जों को लेकर यह विमान नौ अक्टूबर को शाम पांच बजकर 19 मिनट पर रवाना हुआ था और वह तियानजिन बिन्हाई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा था। प्रवक्ता ने बताया कि इस विमान को 13 अक्टूबर को कोलकाता लौटना था लेकिन इसमें लगभग 24 घंटे की देरी हो गई।

गोवा विस अध्यक्ष ने भाजपा में शामिल आठ कांग्रेस विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका खारिज की

पणजी। गोवा विधानसभा के अध्यक्ष रमेश तवडकर ने 2022 में भाजपा में शामिल हुए कांग्रेस के आठ विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका को सोमवार को खारिज कर दिया। कांग्रेस नेता डोमिनिक जोआओ नोरोन्हा ने 14 सितंबर, 2022 को संविधान की दसवी अनुसूची के तहत आठ विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी, जिसमे दावा किया गया था कि उनका भाजपा मे शामिल होना दलबदल के समान है। इन विधायकों में दिगंबर कामत, एलेक्सो सिकेरा, संकल्प अमोनकर, माइकल लोबो, डेलिलाह लोबो, केदार नाइक, रुडोल्फ फर्नांडिस और राजेश फलदेसाई शामिल हैं। नोरोन्हा ने अध्यक्ष से अनुरोध किया था कि इन विधायकों को गोवा विधानसभा के सदस्यों के रूप में कार्य करने और कोई भी लाभ प्राप्त करने से रोका जाए। गोवा विधानसभा के लिए चुनाव 14 फरवरी, 2022 को हुआ था और परिणाम 10 मार्च को घोषित किया गया था। भाजपा ने 40 में से 20 सीट हासिल की थी और कांग्रेस ने 11 सीट जीती थी। याचिकाकर्ता ने कहा कि सभी आठ विधायक अन्य तीन सदस्यों के साथ कांग्रेस के टिकट पर चुने गए थे। नोरोन्हा ने दावा किया था कि इन आठ विधायकों ने भाजपा में विलय का संकल्प लेते हुए एक प्रस्ताव पारित किया है। याचिकाकर्ता ने यह भी कहा कि प्रतिवादी विधायकों ने खुले तौर पर भाजपा मे शामिल होने की बात स्वीकार की है और स्वेच्छा से कांग्रेस की सदस्यता छोड़ी है। संबंधित आठ विधायकों ने अध्यक्ष के समक्ष अलग-अलग जवाब दाखिल कर दावा किया था कि वे कांग्रेस के कुल 11 निर्वाचित सदस्यो मे से दो-तिहाई हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने निर्णय मे कहा, मुझे लगता है कि इस प्रकरण मे प्रतिवादियो के संबंध में अयोग्यता का कोई मामला नही है और याचिकाकर्ता द्वारा उनकी अयोग्यता का दावा नही किया जा सकता। चालीस सदस्ईय सदन मे भाजपा के 29, कांग्रेस के 3, एमजीपी और आप के 2-2 तथा जीएफपी का एक विधायक है। तीन निर्दलीय विधायक भाजपा के साथ आ गए हैं।

बिरला ओपस पेंट्स से जुड़े विकी कौशल और रश्मिका

मुंबई। इस साल डेकोरेटिव पेंट्स के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद आदित्य बिरला समूह की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के अंतर्गतए बिरला ओपस पेंट्स ने अपना नया कैम्पेन ष्नए जमाने का नया पेंट लॉन्च किया है। लियो बर्नेट इंडिया द्वारा परिकल्पित, इस फिल्म में भारत के दो सबसे पसंदीदा कलाकार विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हैं जो ब्रांड एंबेसडर के रूप में नीना गुप्ता और सौरभ शुक्ला जैसे अनुभवी और बहुमुखी अभिनेताओं के साथ इस ब्रांड की अनूठी और विशिष्ट विशेषताओं और गुणवत्ता के बारे में बात कर रहे हैं। इस अद्वितीय विचारए लोकप्रिय कलाकारों और सशक्त अवधारणा का उद्देश्य बिरला ओपस पेंट्स को नए व डिज़ायरेबल पेंट के रूप में स्थापित करना है। इस कैम्पेन का प्रसारण हिंदी और सभी मुख्य क्षेत्रीय भाषाओं में किया जाएगा। यह टीवीए डिजिटल,ओओएच, प्रिंट और रेडियो पर 360 डिग्री एक्टिवेशन के साथ प्रसारित होगा ताकि इसके बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके और लोग इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित हों। इस अभियान के बारे में रक्षित हरगवे सीईओ बिरला ओपस पेंट्स ने कहा कि इन त्योहारों पर पेश किए गए हमारे नए कैम्पेन ए जमाने का नया पेंट के साथ हम अपने उत्पाद की परफॉर्मेंस के बारे में बता रहे हैं। इसमें सौरभ शुक्ला और नीना गुप्ता जैसे अनुभवी दिग्गजों के साथ विकी कौशल और रश्मिका मंदाना जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन हमारे ग्राहकों को बहुत पसंद आएगाए जो हमारे इनोवेटिव और प्रेरणादायक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।

एडकेयर डायरेक्ट ने खोले दरवाजे

नई दिल्ली । उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, एस्सेल समूह का प्रत्यक्ष बिक्री उद्यम, एडकेयर, अपने प्रत्यक्ष बिक्री मॉडल का विस्तार करके इच्छुक उद्यमियों और व्यक्तियों के लिए दरवाजे खोल रहा है। इस पहल का उद्देश्य आकांक्षी व्यक्तियों को आय के अतिरिक्त स्रोत से कमाई करने, स्थायी आजीविका बनाने और मूल्यवान उद्यमशीलता अनुभव प्राप्त करने के लिए एक सुलभ मंच प्रदान करना है। एडकेयर तेजी से प्रत्यक्ष बिक्री क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरा है, जो अपने प्रत्यक्ष विक्रेता समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और मजबूत समर्थन प्रदान करता है। एस्सेल ग्रुप के मुख्य प्रौद्योगिकी नवाचार अधिकारी डॉ. इदरीस लोया ने कहा हम एक प्रत्यक्ष बिक्री वाणिज्य मंच बनाने के मिशन पर हैं जो व्यक्तियों को उनकी क्षमता का एहसास कराने के लिए एक कदम के रूप में कार्य करता है। एडकेयर केवल उत्पाद बेचने के बारे में नहीं है; यह लोगों को अपना जीवन बदलने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है। हमारा डायरेक्ट सेलिंग मॉडल व्यक्तियों को स्थिर आय उत्पन्न करने, वित्तीय स्वतंत्रता हासिल करने और एक संपन्न व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा बनने का शानदार अवसर प्रदान करता है। एडकेयर के निदेशक और व्यवसाय प्रमुख विशाल श्रीवास्तव ने कहा एडकेयर में, हमारा मिशन उद्यमियों का एक संपन्न समुदाय बनाना है जो सफलता के नए स्तर हासिल करने के लिए सशक्त हों। हम एक पारदर्शी, सहायक और विकास-केंद्रित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं, जहां हमारे प्रत्यक्ष विक्रेता भारत में लगातार बढ़ते प्रत्यक्ष बिक्री बाजार में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं।

सैमको ने मल्टी कैप फंड उतारा

मुंबई। प्रतिष्ठित निवेश प्रबंधन फर्म सैमको सेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने आज मल्टी कैप फंड के लॉन्च की घोषणा की। इस अनूठे फंड को निवेशकों को रणनीतिक दृष्टिकोण के ज़रिये अतिरिक्त अल्फा। जेनरेशन अवसर प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इस फंड में संभावित वृद्धि के लिए स्मॉलर कैप आवंटन प्रोप्रेइटरी मॉडल केज़रिये स्टॉक चयन जोखिम कम करने के लिए डाउनट्रेंड केदौरान हेजिंग और अलग-अलगबाज़ार चक्रों में प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए डायनेमिक रीबैलेंसिंग शामिल है। न्यू फंड ऑफर 10 अक्टूबर 2024 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 अक्टूबर 2024 को बंद होगा। उभरते अवसरों के दौरान निफ्टी 500 के बाहर स्मॉल.कैप स्टॉक में 25प्रतिशत एक्सपोज़र निवेश कर यह पारंपरिक स्टॉक बास्केट से परे जाता है। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ विराज गांधी ने फंड के लॉन्च पर अपनीटिप्पणी मेंकहा कि हमारे मल्टी कैप फंड का लॉन्च नवोन्मेषी निवेश समाधान प्रदान करने के हमारे सफर की उल्लेखनीय उपलब्धि है। हमारा मानना है कि यह फंड बाज़ार में एक ऐसी रणनीति कीज़रूरत को पूरा करता है, जो जोखिम प्रबंधन पर मज़बूत ध्यान बनाए रखते हुए बाजार पूंजीकरण में गतिशील रूप से नेविगेट कर सके। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य निवेश अधिकारी सीआईओ उमेशकुमार मेहता ने कहा कि हमारे मल्टी कैप फंड का निवेश दृष्टिकोण गंभीर शोध और डाटा संचालित पद्धति पर आधारित है।

शाहरुख खान और कोनराड संगमा के शिक्षक ब्रदर एरिक डिसूजा का गोवा में निधन

पणजी। अभिनेता शाहरुख खान तथा मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा के शिक्षक के रूप मे प्रसिद्ध ब्रदर एरिक डिसूजा का लंबी बीमारी के बाद यहां एक वृद्धाश्रम मे निधन हो गया। चौहत्तर वर्षीय डिसूजा का निधन रविवार को अपराह्न 1.20 बजे वास्को के रेजिना मुंडी चर्च परिसर मे स्थित शांति निवास मे हुआ। कुछ महीने पहले कांग्रेस के एक नेता ने शाहरुख खान से अपने बीमार शिक्षक से मिलने की अपील की थी।डिसूजा पार्किंसन रोग से ग्रस्त थे और चल-फिरने मे असमर्थ थे। दिल्ली के सेंट कोलंबस स्कूल और शिलांग के सेंट एडमंड स्कूल में शिक्षक रहे डिसूजा का कई छात्रों के जीवन मे अहम योगदान था। राष्ट्रीय राजधानी मे अभिनेता शाहरुख खान के छात्र जीवन को आकार देने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। सेंट कोलंबस में पढ़े संगमा ने अपने अध्यापक को एक असाधारण शिक्षक के रूप मे याद किया, जो शिक्षा और करुणा के प्रति अपने समर्पण के लिए प्रसिद्ध थे। मेघालय के मुख्यमंत्री ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, डिसूजा की प्रेरणादायक विरासत उनके परिवार, क्रिश्चियन ब्रदर्स और उन अनगिनत लोगो को सांत्वना दे, जिन्हे उन्होंने शिक्षा और करुणा के माध्यम से बदला है। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले। शांति निवास के कर्मचारी ब्रदर जॉन वीगास ने पीटीआई-भाषा को बताया कि डिसूजा का पार्थिव शरीर बुधवार को अंतिम संस्कार के लिए मेघालय के उनके पैतृक स्थान शिलांग ले जाया जाएगा। शव फिलहाल गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बम्बोलिम के मुर्दाघर में रखा गया है। डिसूजा उस समय चर्चा में आए थे, जब कांग्रेस नेता ज़ारिटा लैटफ्लैग ने जून में अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट करके शाहरुख से अपने पूर्व शिक्षक से मिलने की अपील की थी।

अफ्रीका से लाए गए चीतों को जल्द जंगल में छोड़ा जाएगा

नई दिल्ली। दुनिया में पहली बार एक महाद्वीप से ला कर दूसरे महाद्वीप में चीतों को बसाने की परियोजना के तहत अफ्रीका से भारत लाए गए चीतों को अक्टूबर के आखिर में चरणबद्ध तरीके से मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में छोड़ने की शुरूआत की जाएगी। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अग्नि-वायु नाम के चीतों को सबसे पहले पालपुर पूर्वी रेंज में छोड़ा जाएगा जबकि प्रभास-पावक को जंगल के दूसरे हिस्से में छोड़ा जाएगा। उन्होंने रेखांकित किया कि केवल नर चीतों को छोड़ने की स्थिति में बाड़े के पास भीड़ होगी और उनमें संघर्ष हो सकता है क्योंकि वे मादा चीतों की तलाश में आएंगे। इसलिए जरूरी है कि नर के साथ मादा चीतों को भी छोड़ा जाए। अधिकारियों ने बताया कि गांधीसागर वन्य जीव अभयारण्य भारत में चीतों का दूसरा घर होगा क्योंकि चीतों के नए झुंड का स्वागत करने के लिए यह तैयार है। उन्होंने बताया कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में कुल 20 चीते लाए गए हैं। इनमें से आठ चीते सितंबर 2022 में नामीबिया से लाए गए जबकि 12 चीते फरवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका से लाए गए।

भारत नई प्रौद्योगिकी को अपनाने में अभूतपूर्व प्रोत्साहन दे रहा है : प्रधान

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि भारत नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने, भारतीय भाषाओं में सीखने, अनुसंधान और रोजगारपरक कौशल को अभूतपूर्व प्रोत्साहन दे रहा है। प्रधान ने इंडिया लीडरशिप समिट, 2024 के हिस्से के रूप में यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम द्वारा आयोजित एक संवाद मे यह टिप्पणी की। उनके साथ लिंक्डइन के सीईओ रयान रोसलान्स्की और पेस विश्वविद्यालय के अध्यक्ष मार्विन क्रिसलोव भी शामिल हुए। प्रधान ने कहा, जैसे-जैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पांच साल पूरे करने की ओर बढ़ रही है, भारत नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने, भारतीय भाषाओं में सीखने, अनुसंधान और रोजगारपरक कौशल को अभूतपूर्व प्रोत्साहन दे रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए दुनिया को एकजुट होने की जरूरत है और भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए भारत में कैंपस खोलने से लेकर डिग्री से अधिक योग्यता को प्राथमिकता देने के प्रतिमान की ओर बढ़ने तक, भारत अपने समाज की आकांक्षाओं को पूरा करेगा और दुनिया का विकास इंजन बनेगा।

उप्र : डांसर से दुष्कर्म के आरोप में इवेंट कंपनी का मैनेजर गिरफ्तार

आगरा। आगरा के फतेहाबाद रोड स्थित एक अपार्टमेंट में गाजियाबाद की पेशेवर डांसर को कथित तौर पर बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस ने एक इवेंट कंपनी के मैनेजर को गिरफ्तार किया है। डांसर ने बताया कि वह 29 सितंबर को दुबई से लौटी थी, जिसके बाद इवेंट मैनेजर विनय गुप्ता से उससे आगरा के एक पंचसितारा होटल सहित चार जगहों पर प्रस्तुति देने के लिए संपर्क किया। डांसर के मुताबिक, गुप्ता के बुलाने पर वह आठ अक्टूबर को आगरा आ गई, जहां उसे फतेहाबाद रोड स्थित एक अपार्टमेंट में रखा गया। डांसर ने आरोप लगाया कि अपार्टमेंट में गुप्ता और उसकी पत्नी मीरा ने उसे नशीला पदार्थ मिली चाय पिलाई, जिससे वह बेहोश हो गई।

मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ कड़ाई से जारी रहेगा अभियान: अमित शाह

भाषा। नई दिल्ली

गुजरात में 5,000 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त होने के एक दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ कार्वाई बिना किसी ढिलाई के जारी रहेगी। शाह ने कहा कि मोदी सरकार युवाओं को मादक पदार्थों के संकट से बचाकर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मैं दिल्ली पुलिस को 13,000 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त करने के सफल अभियानों के लिए बधाई देता हूं, जिसमें हाल में गुजरात पुलिस के सहयोग से 5,000 करोड़ रुपए की कोकीन बरामद करना भी शामिल है। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, मादक पदार्थों के व्यापार के खिलाफ बिना किसी ढिलाई के अभियान जारी रहेगा। दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में रविवार को गुजरात के अंकलेश्वर से 5,000 करोड़ रुपए मूल्य की 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। इसके साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने दिल्ली और गुजरात में एक पखवाड़े के अंदर 13,000 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए।

अमित शाह का फर्जी वीडियो दिखाने के मामले में कांग्रेस नेता पर मुकदमा दर्ज

भाषा। मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के नेता अतुल लोंधे पर सोमवार को एक टेलीविजन समाचार चैनल पर बहस के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एक छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो कथित तौर पर दिखाने के लिए मामला दर्ज किया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।दिल्ली पुलिस की जांच में उस समय पाया गया था कि इस वीडियो से छेड़छाड़ की गई थी।तेलंगाना में एक चुनावी रैली में मुसलमानों के लिए आरक्षण को समाप्त करने के बारे में शाह की टिप्पणियों को इस तरह से संपादित किया गया था ताकि ऐसा लगे कि वह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित सभी प्रकार के आरक्षण को समाप्त करने की वकालत कर रहे थे।सांताक्रूज पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता रूपेश मालसुरे की शिकायत पर लोंधे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353(3) के तहत फर्जी सूचना फैलाने का मुकदमा दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, बहस से संबंधित कुछ पुरानी क्लिप देखने के दौरान उन्हें लोंधे की इस हरकत का पता चला।शिकायतकर्ता ने शिकायत में आरोप लगाया कि लोंधे ने टीवी बहस के दौरान अपने मोबाइल फोन पर एक क्लिप दिखाई थी।

आरजी कर मामले में गतिरोध का हल नहीं निकला पश्चिम बंगाल सरकार और चिकित्सकों की बैठक में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के 12 चिकित्सक संघों के प्रतिनिधियों और मुख्य सचिव मनोज पंत के बीच सोमवार को यहां स्वास्थ्य भवन में हुई महत्वपूर्ण बैठक बिना किसी समाधान के समाप्त हो गई जिसमें राज्य सरकार गतिरोध को हल करने के लिए समयसीमा तय करने में अनिच्छुक दिखी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार चिकित्सकों के प्रतिनिधियों ने बैठक में स्वास्थ्य सचिव एन एस निगम की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। उन्होंने पंत से आग्रह किया कि अनशन पर बैठे कनिष्ठ चिकित्सकों से सीधे जाकर बातचीत करें। सरकार के सूत्रों ने कहा कि निगम मंगलवार को आरजी कार मामले पर उच्चतम न्यायालय में होने वाली सुनवाई में शामिल होने के लिए नई दिल्ली गए हैं। पश्चिम बांल डॉक्टर्स फोरम के अध्यक्ष डॉ कौशिक चाकी ने पीटीआई-भाषा से कहा, बैठक बेनतीजा रही। हमने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वह किसी अधिकारी को अनशन पर बैठे युवा चिकित्सकों से बातचीत के लिए भेजे और उच्चतम दर्जे वाले अधिकारी को तरजीह दी जाए। हालांकि, मुख्य सचिव ने संकेत दिया कि वह कोई समयसीमा नहीं बता सकते।

मोदी के खिलाफ बिच्छू वाली टिप्पणी: थरूर के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही पर रोक बढ़ी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक मानहानि मामले में कांग्रेस सांसद शशि थरूर के खिलाफ निचली अदालत की कार्यवाही पर रोक सोमवार को चार सप्ताह के लिए बढ़ा दी। यह मामला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को निशाना बनाकर कथित शिवलिंग पर बिच्छू वाली टिप्पणी के विरुद्ध दायर मानहानि याचिका से जुड़ा है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता को थरूर की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। पीठ ने निर्देश दिया, (मानहानि की कार्यवाही पर रोक का) अंतरिम आदेश जारी रहेगा। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राजकुमार भास्कर ठाकरे ने दलील दी कि इस मामले का मुख्य मुद्दा यह है कि क्या शिकायतकर्ता राजीव बब्बर पीड़ित पक्ष हैं? ठाकरे और बब्बर के अधिवक्ताओं ने थरूर की याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का न्यायालय से अनुरोध किया। बब्बर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता हैं।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया

भाषा। श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को केंद्र शासित प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया। यह आमंत्रण केंद्र द्वारा जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटाए जाने के एक दिन बाद दिया गया। अब्दुल्ला को लिखे पत्र में सिन्हा ने कहा, मुझे जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का 11 अक्टूबर, 2024 का पत्र मिला है, जिसमें बताया गया है कि आपको सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा, माकपा सचिव जीएन मलिक, आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज कुमार गुप्ता और निर्वाचित निर्दलीय विधायक प्यारे लाल शर्मा, सतीश शर्मा, मोहम्मद अकरम, रामेश्वर सिंह तथा मुजफ्फर इकबाल खान से भी नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन दिए जाने के बारे में पत्र मिला है।

आंध्र प्रदेश में मंदिर समितियों में केवल हिंदूओं को ही नियुक्त किया जाए: विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने सोमवार को कहा कि आंध्र प्रदेश में मंदिर समितियों में केवल हिंदू धर्म का पालन करने वाले लोगों को ही नियुक्त किया जाना चाहिए और इन समितियों में कोई राजनीतिक प्रतिनिधित्व नहीं होना चाहिए। विहिप ने यह भी मांग की कि इन मंदिरों में केवल हिंदुओं को कर्मचारियों के रूप में नियुक्त किया जाए और मंदिर के कर्मचारियों के रूप में नियुक्त गैर-हिंदुओं को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त कर दिया जाए। विहिप ने एक बयान में कहा, नेता अपने चुनाव प्रचार के दौरान न सिर्फ यह कहते हैं कि वे धर्मनिरपेक्ष हैं और सभी धर्मों को समान मानते हैं बल्कि विभिन्न धार्मिक स्थलों में प्रार्थना कार्यक्रमों में भी भाग लेते हैं। इसमें कहा गया है, इस मामले में अगर मंदिर समितियों में राजनीतिक व्यक्ति है तो संभावना है कि वे हिंदुओं के कल्याण के बजाय अपनी धर्मनिरपेक्ष भावनाओं को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा, हिंदू मंदिर धर्मनिरपेक्ष केंद्र नहीं हैं।

हैदराबाद में मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने की जांच की मांग

भाषा। हैदराबाद

तेलंगाना के सिकंदराबाद में सोमवार को एक मंदिर में मूर्ति क्षतिग्रस्त पाए जाने के बाद तनाव पैदा हो गया। बड़ी संख्या में लोग पूजा स्थल परिसर के पास एकत्र हो गए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे हिंदू समुदाय का अपमान करार दिया।शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सोमवार तड़के करीब साढ़े चार बजे एक व्यक्ति मुथ्यलम्मा मंदिर में घुसा और मूर्ति को आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के संबंध में आरोपी व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।अधिकारी ने कहा, सीसीटीवी फुटेज के अनुसार मंदिर में केवल एक व्यक्ति ही घुसा था। हमें जानकारी मिली कि मंदिर में मूर्ति को उसके स्थान से उठाने के बाद उसे आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। कुछ स्थानीय लोगों ने जब यह देखा तो उस व्यक्ति को पकड़ लिया और उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने व्यक्ति की कथित तौर पर पिटाई की और उसे बेहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने कहा कि वे घटना के मकसद का पता लगाने की प्रक्रिया में हैं तथा आगे की जांच जारी है। मंदिर के पास बड़ी संख्या में एकत्र लोगों ने घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्वाई की मांग करते हुए नारे लगाए। रेड्डी ने मुथ्यलम्मा मंदिर का दौरा किया और घटना की गहन जांच की मांग की। रेड्डी ने दावा किया, आज तड़के मुस्लिम समुदाय से जुड़े एक व्यक्ति ने मंदिर में घुसकर प्राचीन मुथ्यलम्मा मंदिर की मूर्तियों को तोड़ने और नुकसान पहुंचाने की कोशिश की।

कार्यबल के लिए भारतीय प्रतिभा की ओर रुख करें

विदेश मंत्री जयशंकर ने मित्र देशों से कहा

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को कहा कि विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता और बढ़ने वाली है तथा मित्र देशों को अपने यहां कार्यबल की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए भारतीय प्रतिभा की ओर रुख करना चाहिए। जयशंकर ने यहां ई-माइग्रेट वी2.0 पोर्टल और एक मोबाइल ऐप की शुरुआत करने के बाद अपने मुख्य भाषण में यह भी कहा कि सरकार भारतीय प्रवासियों से संबंधित सुरक्षित और कानूनी चैनल बनाने के प्रयासों में दृढ़ रहेगी। इस अवसर पर केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया तथा विदेश राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा भी मंच पर मौजूद थे, जबकि कई देशों के राजदूत और अन्य लोग दर्शकों के बीच उपस्थित थे। जयशंकर ने कहा, ई-माइग्रेट पोर्टल का नया संस्करण एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से कहीं अधिक है। यह आशा की किरण है और विदेशी भूमि पर हमारे श्रमिकों के अधिकारों एवं सम्मान की रक्षा के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि पोर्टल में संवर्धन नई वास्तविकताओं और परिवर्तन को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ऐसे श्रमिकों की वैश्विक आवश्यकता है जिनके पास अपने विशेष क्षेत्रों में विशिष्ट ज्ञान है। कई कारणों से, विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अच्छी तरह से प्रशिक्षित कार्यबल की आवश्यकता और बढ़ने वाली है। जयशंकर ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार भारतीय प्रवासियों के लिए सुरक्षित और कानूनी चैनल बनाने के प्रयासों में दृढ़ रहेगी। ई-माइग्रेट संस्करण 2 पोर्टल को डिजिलॉकर के साथ भी एकीकृत किया गया है और यह भी डिजिटल परिवर्तन में एक बड़ा कदम है। जयशंकर ने कहा कि इससे प्रवासियों को कागजी प्रतियों के बिना डिजिलॉकर के माध्यम से मंजूरी प्राप्त करने के लिए विभिन्न दस्तावेज जमा करने में मदद मिलेगी, साथ ही उन्हें सुरक्षित रूप से संगृहीत किया जा सकेगा और पासपोर्ट, रोजगार अनुबंध जैसे उनके सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज वास्तव में सुरक्षित रहेंगे।

उत्तर लेबनान में इजराइल के हमले में कम से कम 18 की मौत

भाषा। दीर अल-बला

उत्तर लेबनान में सोमवार को हुए एक इजराइली हवाई हमले में कम से कम 18 लोग मारे गए। लेबनान के रेड क्रॉस ने यह जानकारी दी। यह हमला सोमवार को ऐतो गांव में एक छोटे से अपार्टमेंट पर किया गया जो देश के दक्षिण और पूर्व में हिजबुल्ला चरमपंथी समूह के प्रभुत्व वाले इलाकों से दूर है। इजराइल की सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई और यह स्पष्ट नहीं हो सका कि हमले में किसे निशाना बनाया गया। इससे कुछ घंटे पहले गाजा पट्टी में एक अस्पताल परिसर पर इजराइली हवाई हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और हमले के चलते युद्ध से विस्थापित लोगों के लिए बनाए गए एक शरणार्थी शिविर में आग लग जाने से कई लोग गंभीर रूप से झुलस गए। फलस्तीनी चिकित्सकों ने यह जानकारी दी। इजराइली सेना ने कहा कि उसने नागरिकों के बीच छिपे आतंकवादियों को निशाना बनाया था। हालांकि उसने कोई सबूत नहीं दिया। हाल के महीनों में इजराइल ने कई बार भीड़ वाले शरणार्थी शिविरों और तंबुओं में बनाए गए शिविरों पर हमला किया है और आरोप लगाया है कि हमास के लड़ाके इन हमलों के लिए इनका इस्तेमाल कर रहे हैं। दीर अल-बला में स्थित अल-अक्सा शहीद अस्पताल में पहले से ही पास के एक स्कूल पर हुए हमले में बड़ी संख्या में घायल लोगों का इलाज किया जा रहा है और अब शिविर के आग की चपेट में आ जाने की घटना सामने आई है। स्कूल में हुए उस हमले में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले में घायल हुए लोगों में बच्चे भी शामिल हैं और अस्पताल घायलों से भरा हुआ है।

हिजबुल्ला के ड्रोन हमले में चार इजराइली सैनिक मारे गए, गाजा में 20 लोगों की मौत

दीर अल-बला। मध्य इजराइल में रविवार को एक सैन्य अड्डे पर हिजबुल्ला के ड्रोन हमले में चार सैनिक मारे गए और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सेना ने बताया कि लगभग दो सप्ताह पहले इजराइल द्वारा लेबनान पर शुरू किए जमीनी हमलों के बाद से यह आतंकवादी समूह द्वारा किया गया सबसे घातक हमला है। लेबनान के हिजबुल्ला ने बिनयामीना शहर के पास हुए हमले को बेरूत पर बृहस्पतिवार को किए गए इजराइली हमलों का बदला बताया, जिसमें 22 लोग मारे गए थे। बाद में उसने कहा कि उसने इजराइल की गोलानी ब्रिगेड को निशाना बनाया और ड्रोन हमलों के दौरान इजराइली वायु रक्षा प्रणालियों पर दर्जनों मिसाइलें दागीं। इजराइल की राष्ट्रीय बचाव सेवा ने कहा कि हमले में 61 लोग घायल हुए हैं।

ईरानी सैन्य अधिकारियों और अंतरिक्ष एजेंसी पर प्रतिबंध लगाया

लंदन। ब्रिटेन ने पश्चिमी एशिया को अस्थिर करने के प्रयासों में कथित संलिप्तता के लिए ईरानी सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और संगठनों पर सोमवार को नए प्रतिबंधों की घोषणा की। फॉरेन, कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एफसीडीओ) ने बताया कि एक अक्टूबर को इजराइल के खिलाफ ईरान के हमले के जवाब में ए नए प्रतिबंध लगाए गए हैं और इन प्रतिबंधों के जरिए उन वरिष्ठ शख्सियतों को निशाना बनाया गया है, जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान आर्मी, ईरान एयर फोर्स और आईआरजीसी इंटेलिजेंस ऑर्गेनाइजेशन में होते हुए ए सब किया। फारमानेन्ट प्रोपल्शन सिस्टम डिजाइन ब्यूरो (एसपीएसडीबी) पर भी प्रतिबंध लगाया जाएगा। यह संगठन क्रूज मिसाइलों में इस्तेमाल किए जाने वाले हिस्सों को डिजाइन और उन्हें बनाने का काम करता है।

यूरोपीय संघ ने लेबनान में शांति सैनिकों पर हमलों की निंदा की

बेरूत। यूरोपीय संघ ने लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांतिसैनिकों पर हमले की निंदा करते हुए इजराइल के इन आरोपों को खारिज कर दिया कि संयुक्त राष्ट्र वहां हिज्बुल्ला के खिलाफ उसके सैन्य अभियान को रोकने के लिए है। इजराइल के हिज्बुल्ला चरमपंथी समूह के खिलाफ जमीनी आक्रमण शुरू करने के बाद शांति सैनिक के स्थानों पर हुए हमलों में संयुक्त राष्ट्र के पांच सैनिक घायल हुए हैं। इसका जिम्मेदार इजराइली बलों को ठहराया जा रहा है। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेप बोरेल ने कहा कि शांति सैनिकों का काम बहुत अहम है और संयुक्त राष्ट्र के सैनिकों पर हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। करीब साल भर हुई छोटी-छोटी झड़पों के बाद इजराइल ने हिज्बुल्ला के खिलाफ अपना अभियान तेज कर दिया है जबकि वह गाजा में हमास के खिलाफ भी जंग कर रहा है। यूरोपीय संघ ने इस आरोपों को भी खारिज किया है।

ब्रिटेन में भारतीय पेशेवरों की संख्या सबसे अधिक: रिपोर्ट

लंदन। ब्रिटेन में पेशेवर कामगारों में सर्वाधिक संख्या वाला जातीय समूह भारतीय है और सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों से सभी जातीय अल्पसंख्यकों को एकल समूह के रूप में मानना अब देश में अर्थहीन हो गया है। एक नए थिंक टैंक के विश्लेषण में सोमवार को यह निष्कर्ष निकाला गया। 'पॉलिसी एक्सचेंज' द्वारा प्रकाशित 'आधुनिक ब्रिटेन का एक रूपचित्र: जातीयता और धर्म' देश में विभिन्न जातीय समूहों की जनसांख्यिकीय, शैक्षिक, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति की गहन पड़ताल को दर्शाता है। रिपोर्ट में सरकार के नेतृत्व वाली एक नई राष्ट्रीय एकीकरण रणनीति का आह्वान किया गया है, जिससे ब्रिटेन में बच्चों को समावेशी तरीके से अपनी राष्ट्रीय विरासत पर गर्व करना सिखाया जाए जो देश के इतिहास और परंपराओं को प्रतिबिंबित करे। रिपोर्ट में कहा गया है, पेशेवर श्रमिकों की उच्चतम संख्या वाला जातीय समूह भारतीय था। ब्रिटिश भारतीयों के पास घर के स्वामित्व की दर भी सबसे अधिक है, जिनमें से 71 प्रतिशत ऐसी संपत्ति में रहते हैं जिस पर उनका या तो सीधा स्वामित्व था या बंधक/ऋण या साझा स्वामित्व के तहत स्वामित्व था। इसमें कहा गया है, वास्तव जातीय अल्पसंख्यक में निहित विविधता अब व्यापक है - प्रत्येक अल्पसंख्यक समूह के भीतर और विभिन्न अल्पसंख्यक समूहों के बीच। सार्वजनिक नीति के उद्देश्यों से जातीय अल्पसंख्यकों को एक अखंड समूह के रूप में मानना अब अर्थहीन हो गया है। इसमें कहा गया है कि दक्षिण एशियाई जैसी श्रेणियां न केवल ब्रिटेन के भारतीयों, पाकिस्तानियों और बांग्लादेशियों के बीच उल्लेखनीय आर्थिक और सामाजिक असमानताओं को छिपाने का काम करती हैं - बल्कि इसका मतलब यह भी है कि इन बड़े समूहों के बीच विविधता के बहुत वास्तविक रूप को चित्रित नहीं किया जाता। रिपोर्ट में 2021 की ब्रिटिश जनगणना के आंकड़े और अन्य सांख्यिकीय संसाधनों का विश्लेषण किया गया है जो इसे 'डेल्टापोल' और 'विल्टन द्वारा कराए गए मतदान के साथ जोड़ती है। सभी जातीयता के 2,000 लोगों के राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधि नमूने के अलावा, 1,400 जातीय अल्पसंख्यक उत्तरदाताओं के बूस्टर नमूनों का उपयोग किया गया था - अश्वेत अफ्रीकी, अश्वेत कैरेबियन, भारतीय, पाकिस्तानी, बांग्लादेशी, चीनी और मिश्रित नस्ल वाले जातीय समूहों से प्रत्एक समूह से 200 नमूने लिए गए थे। विश्लेषण के प्रमुख निष्कर्षों में यह भी शामिल है कि लगभग चार में से तीन लोग (सर्वेक्षण में शामिल 72 प्रतिशत लोग) मानते हैं कि बच्चों को ब्रिटिश इतिहास पर गर्व करना सिखाया जाना चाहिए, साथ ही बहुमत का यह भी मानना है कि ब्रिटेन ऐतिहासिक रूप से दुनिया में एक अच्छाई की ताकत रहा है।

ग्लोबल सुपरस्टार जेनी का म्यूजिक वीडियो मंत्रा

ग्लोबल। पूरे विश्व में उत्सुकता की लहर के बीच बहुमुखी प्रतिभाशाली ट्रेलब्लेज़र जेनी ने अपना नया सिंगल और म्यूज़िक वीडियो मंत्रा आज कोलंबिया रिकॉर्ड्स ऑड टेलियर द्वारा रिलीज़ कर दिया। इसे यहाँ सुनें। तनु मुईनो दुआ लीपा हैरी स्टाईल्स द्वारा निर्देशित म्यूज़िक वीडियो यहाँ देखें। सिंगल के बारे में उन्होंने कहा कि यह मेरे नए युग की शुरुआत के लिए बेहतरीन गीत है। मेरा विचार है कि मंत्रा मेरे फैन्स की खुशी बढ़ाएगा क्योंकि उन्हें सोलो आर्टिस्ट के रूप में मेरा एक नया पहलू देखने को मिलेगा। इस गीत की प्रेरणा लॉस एंजेल्स में मेरी टाईम रिकॉर्डिंग से मिली और मैं आशा करती हूँ कि मेरे फैन भी उसी ऊर्जा को महसूस करेंगे जो सकारात्मकए खुशमिजाज एवं अपने असली रूप में रहने के बारे में है। यह ऊर्जावान है और सभी महिलाओं, स्त्रियों एवं लड़कियों को स्वयं से प्रेम करने का संदेश देता है। यह आपका अपना गान है। मंत्रा एक बेबाक और स्पष्टवादी गीत हैए जो उनके अगले चरण की शुरुआत करता है। शानदार बेस लाईन और साहसी बीट्स के साथ वो आत्मविश्वास से कहती हैं, कभी-कभी लड़कियों को केवल मौजमस्ती करनी होती है। सुंदर विज़्युअल्स के साथ इस गीत में ब्लॉकबस्टर बनने के सभी गुण मौजूद हैं। इस लॉस एंजेल्स पर केंद्रित वीडियो के बारे में उन्होंने कहा कि इस गीत का मुख्य विषय महिला सशक्तीकरण और आत्मविश्वास है, इसलिए इसकी पूरी कल्पना में निरंतरता का होना आवश्यक थाए और यह जैसे हुआए वह मुझे बहुत अच्छा लगा। मैं इस गीत की रिलीज़ के लिए बहुत उत्साहित हूँ। मंत्रा कोलंबिया रिकॉर्ड्स ऑडएटेलियर के साथ नए गठबंधन के अंतर्गत आने वाले जेनी के सोलो एलबम का पहला गीत है। 2016 में संगीत, अभिनय, फैशन और उद्यमिता की दुनिया में कदम रखने वाली जेनी ने न केवल संस्कृति को प्रभावित किया बल्कि एक इतिहास भी रच दिया। दुनिया ने उन्हें पहली बार ब्लैकपिंक की सदस्य के रूप में 2016 में देखाए जिसने अनेक रिकॉर्ड बनाए।

श्रीलंका में भारी बारिश से तीन लोगों की मौत

कोलंबो। श्रीलंका के 12 जिलो मे खराब मौसम के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और भारी बारिश के कारण 1,25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए है। श्रीलंका मे भारी बारिश के कारण कई हिस्सों मे बाढ़ आ गई तथा सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रो मे स्कूलों मे छुट्टी कर दी गई। राष्ट्रपति अनुरा दिसानायकेने प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करने के लिए अतिरिक्त पांच करोड़ रुपए आवंटित करने का निर्देश दिया है। प्रभावित लोगो को सुरक्षित स्थानो पर पहुंचाने और भोजन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के लिए नौसेना तथा सेना के जवान तैनात किए गए है। श्रीलंका मे आठ अक्टूबर से भारी बारिश हो रही है। पिछले दो दिन मे कुछ जिलो मे 100 मिलीमीटर से अधिक वर्षा हुई और तेज हवाएं चली जिससे कई क्षेत्रो मे बाढ़ और जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई। सोमवार को दोपहर 12 बजे जारी पूर्वानुमान मे अगले 24 घंटो मे देश भर के कई इलाको मे 100 मिमी से अधिक बारिश होने की चेतावनी जारी की गई। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि सोमवार सुबह तक 1,25,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए है। उन्होने बताया कि हजारों लोगों को 80 से अधिक अस्थाई आश्रय स्थलों मे पहुंचा गया है। डीएमसी ने बताया कि अब तक तीन मौतों की पुष्टि हो चुकी है। अधिकारियों ने अत्यधिक वर्षा और बाढ़ के कारण सोमवार को राजधानी कोलंबो और उपनगरीय क्षेत्रो मे स्कूल बंद कर दिए। राष्ट्रपति के मीडिया प्रभाग ने अपने एक्स हैडल पर पोस्ट किया,"राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके ने अधिकारियो को कोलंबो, गम्पाहा, पुट्टलम और क्लूटारा मे प्रतिकूल मौसम से प्रभावित लोगो के लिए तत्काल राहत को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। पांच करोड़ श्रीलंकाई रुपए की अतिरिक्त धनराशि पहले ही आवंटित की जा चुकी है और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि प्रदान की जाएगी। इसमे कहा गया है, राहत उपायो के अलावा, हम बार-बार आने वाली बाढ़ के स्थाई समाधान पर भी विचार कर रहे हैं।

अमेजन फेस्टिव शॉपिंग को देगा बढ़ावा

अमेजन। पूरे भारत में फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी हैए ऐसे में अमेजन इंडिया ने उत्तर प्रदेश में खरीदारी में वृद्धि दर्ज की है जो परंपरा और आधुनिकता के मिश्रण से प्रेरित है। राज्य त्योहार के उत्सव में डूब चुका है। उपभोक्ता हैंडक्राफटेड एथनिक वियर, स्वादिष्ट व्यंजनों, वेलनेस उत्पादों, स्मार्टफोन और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे अद्वितीय उत्पादों को खरीदने के लिए डिजिटल भुगतान को अपना रहे हैं। यह फेस्टिव शॉपिंग न केवल उपभोक्ताओं की विकसित होती प्राथमिकताओं को रेखांकित करता है। बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए उत्प्रेरक और एक प्रमुख बाजार के रूप में अमेजन की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है, जो भारतीय दुकानदारों की विविध जरूरतों को पूरा करता है। सौरभ श्रीवास्तव वाइस प्रेसिडेंट कैटेगरी अमेजन इंडियाए ने कहा कि इस त्योहारी सीजन में हम पूरे उत्तर प्रदेश में खरीदारी के पैटर्न में विरासत और आधुनिकता का एक आकर्षक मिश्रण देख रहे हैं। उपभोक्ता उत्साहपूर्वक डिजिटल भुगतान को अपना रहे हैंए एथनिक वियर में उल्लेखनीय 1.5 गुना वृद्धि और कीमती गहनों की बिक्री में 1.7 गुना वृद्धि के साथ ग्राहक अपनी जड़ों से भी जुड़े हुए हैं।

इमरान खान की पार्टी के करीब 200 कार्यकर्ताओं को एससीओ सम्मेलन से पहले गिरफ्तार किया गया

लाहौर। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने एससीओ सम्मेलन के दौरान इस्लामाबाद में प्रदर्शन करने की कथित योजना बना रहे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के 200 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए- इंसाफ (पीटीआई) ने घोषणा की है कि इस्लामाबाद में आयोजित दो दिवसीय शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान वह राजधानी के डी चौक पर प्रदर्शन करेगी। एससीओ शिखर सम्मेलन की शुरुआत मंगलवार को हो रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने सूबे के विभिन्न हिस्सों में पीटीआई के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्वाई तेज कर दी है और करीब 200 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के 50-50 सदस्यों को लाहौर और सरगोधा से गिरफ्तार किया गया है जबकि अन्य को फैसलाबाद, झांग, गुजरात और गुज्जर खान से गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि सोमवार रात तक और लोगो को गिरफ्तार किए जाने की उम्मीद है क्योंकि सरकार ने पीटीआई कार्यकर्ताओं को पंजाब से इस्लामाबाद पहुंचने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है।

रिकॉर्ड बनाने वाले किशोर पर्वतारोही का नेपाल में नायकों की तरह स्वागत

काठमांडू। विश्व की सभी 14 शीर्ष चोटियों पर चढ़ने वाले सबसे कम उम्र के पर्वतारोही बने शेरपा किशोर का सोमवार को नेपाल में किसी नायक की तरह स्वागत किया गया। नीमा रिंजी शेरपा (18) ने पिछले सप्ताह चीन मे शिशापंगमा शिखर की 8,027 मीटर (26,335 फुट) ऊंची चोटी पर पहुंचकर दुनिया की 8,000 मीटर (26,247 फुट) से ज्यादा ऊंची चोटियों पर चढ़ने का अपना मिशन पूरा कर लिया। उन्होंने एक अन्य शेरपा का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा जो उस समय (रिकॉर्ड बनाते समय) 30 साल का था। काठमांडू मे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री प्रसाद पांडे, पर्वतारोही समुदाय के सदस्यों और कुछ शेरपाओं ने नीमा रिंजी का फूल और अंग वस्त्रम भेंट कर स्वागत किया। नीमा रिंजी ने संवाददाताओं से कहा,"मैं बहुत खुश हूं और मै आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद कहना चाहता हूं। यह एक कठिन लक्ष्य था, लेकिन अंततः मै सफल रहा। नीमा शेरपा पर्वतारोही समुदाय के एक जाने-माने परिवार से आते है। उनके पिता और दो चाचा नेपाल में सेवन समिट्स ट्रेक्स चलाते है, जो नेपाल, चीन और पाकिस्तान मे ग्राहकों की सेवा करने वाली एक अग्रणी कंपनी बन गई है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में आतंकवादियों के साथ झड़प में तीन पुलिसकर्मी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सोमवार को जिला पुलिस मुख्यालय पर हमला करने वाले आतंकवादियों के साथ भीषण झड़प में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई जबकि तीन आतंकवादियों को मार गिराया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) के आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा के बन्नू जिले में पुलिस लाइन पर हमला किया जिसके कारण भीषण झड़पें हुईं। अधिकारी ने बताया कि झड़प में तीन पुलिसकर्मीयों की मौत हो गई और तीन आतंकवादी मारे गए। हमलावरों ने पुलिस मुख्यालय परिसर में घुसने का प्रयास किया। टीटीपी ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि इसमें कई हमलावर शामिल थे।

फ्रांसीसी नगरिक को 39 महीने कैद की सजा सुनाने का अनुरोध

मॉस्को। अभियोजकों ने एक रूसी अदालत से सोमवार को अनुरोध किया कि वह गैर कानूनी तरीके से सैन्य जानकारी जुटाने के आरोप में गिरफ्तार फ्रांसीसी नागरिक को 39 महीने कैद की सजा सुनाए। लॉरेंट विनाटियर को जून में मॉस्को से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है जिसकी वजह से सबूतों की विस्तृत जांच के बिना त्वरित सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है। फरवरी 2022 में यूक्रेन में सेना भेजने के बाद से रूस में जासूसी और संवेदनशील जानकारी जुटाने के आरोप में गिरफ्तारियां लगातार बढ़ती जा रही हैं।

मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे हिंदू समुदाय के लोगों की पुलिस से झड़प, तीन घायल

ढाका। बांग्लादेश के ओल्ड ढाका इलाके में दुर्गा पूजा उत्सव के समापन के बाद मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे हिंदू समुदाय के सदस्यों की रविवार रात पुलिस के साथ झड़प हो गई, जिसमें कम से कम तीन लोग घायल हो गए। अखबार द डेली स्टार में सोमवार को प्रकाशित खबर में एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया गया है कि ओल्ड ढाका के पटुआतुली इलाके में स्थित नूर सुपर मार्केट की छत से अराजक तत्वों ने बूढ़ीगंगा नदी में मूर्ति विसर्जन के लिए जा रहे लोगों पर ईंट फेंकी, जिससे एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोग घायल हो गए। खबर के अनुसार, घटना के बाद हिंदू समुदाय के लोगों ने नूर सुपर मार्केट में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। कोतवाली पुलिस थाने के प्रभारी मोहम्मद इनामुल हसन ने अखबार को बताया, स्थानीय लोगों ने बाजार में घुसने की कोशिश की।

पन्नू मामला: मंगलवार को अमेरिका यात्रा पर होगी भारतीय जांच समिति

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को कहा कि एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी की संलिप्तता के आरोपों की जांच के लिए गठित भारतीय जांच समिति मंगलवार को यहां आएगी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है, जांच समिति अपनी तफ्तीश के तहत मामले पर बातचीत के लिए 15 अक्टूबर को वाशिंगटन की यात्रा करेगी। इस दौरान, प्राप्त सूचनाओं पर बातचीत की जाएगी और यहां के अधिकारियों से ताजा जानकारी प्राप्त की जाएगी।

यह साल संघीय न्यायालय में ट्रम्प के लिए एक बड़ी चुनौती हो सकती थी, लेकिन ऐसा हो न सका

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर वर्गीकृत दस्तावेजों को जमा करने का आरोप लगाने वाले अभियोग में एक के बाद एक चौंकाने वाले आरोप लगाए गए, जिसमें यह भी शामिल था कि उन्होंने अपने गोल्फ क्लब में मेहमानों को पेंटागन पर हमले की गुप्त योजना दिखाई और अपने वकील को व्हाइट हाउस के रिकॉर्ड की मौजूदगी के बारे में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) को गुमराह करने का सुझाव दिया। लेकिन मुकदमे की सुनवाई कर

रहे न्यायाधीश के लिए ए विवरण बेमानी साबित हुए, जिन्होंने इस आधार पर मामले को खारिज कर दिया कि इन तथ्यों को सामने लाने वाले विशेष वकील को गैरकानूनी तरीके से इस पद पर रखा गया था। ऐसा लगा था कि 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने की साजिश रचने का आरोप भी इस वर्ष ट्रम्प के खिलाफ सुनवाई का एक सुनहरा अवसर लग रहा था, जिसमें जो बाइडन से हारने के बाद सत्ता काबिज रखने के ट्रम्प के असफल प्रयास को लेकर एक मुकदमा सामने आया था, लेकिन उच्चतम न्यायालय की इस राय के साथ वह संभावना समाप्त हो गई कि पूर्व राष्ट्रपतियों को अभियोजन से व्यापक संरक्षण प्राप्त है। एक ऐसा साल जिसकी शुरुआत संघीय अदालत द्वारा ट्रम्प के पक्ष में फैसला सुनाए जाने की संभावना के साथ हुई थी।

सर्दियां शुरू होने से पहले ही दक्षिणी यूक्रेन गांव पर कब्जा कर लिया : रूस

भाषा। कीव

रूस ने सोमवार को कहा कि उसने दक्षिणी यूक्रेन के लेवाड्ने गांव पर कब्जा कर लिया है। रूस करीब 1000 किलोमीटर लंबी अग्रिम पंक्ति में अपनी कमजोरियों को दूर करने की कोशिश कर रहा है। इनमें वे पूर्वी इलाके भी शामिल हैं जिन पर रूस सर्दियां शुरू होने से पहले कब्जा करने की कोशिश में जुटा है।इस बीच यूक्रेन के अधिकारियों ने सूचित किया कि करीब छह सप्ताह से रूस ने देश पर रात के वक्त शाहीद ड्रोन हमले नहीं किए, जो युद्ध शुरू होने के बाद से पहली बार हुआ है। यूक्रेन ने पहले कहा था कि उसने रूस के क्रासनोडार क्षेत्र में एक ऐसे ठिकाने को निशाना बनाया था, जहां करीब 400 ड्रोन को कथित रूप से रखा गया था।रूस के रक्षा मंत्रालय ने मास्को में बताया कि रूसी सैनिकों ने जापोरिज्ज्या क्षेत्र के लेवाड्ने पर कब्जा कर लिया। रूस ने शुरू में ही लेवाड्ने पर कब्जा कर लिया था लेकिन वर्ष 2023 की गर्मियों में यूक्रेनी सेना ने इस गांव पर दोबारा अपना नियंत्रण कर लिया था।यूक्रेन के सैनिक रूस की सेना को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं, खासकर पूर्वी डोनेत्स्क क्षेत्र में।

सिंगापुर में भारतीय मूल के विपक्ष के नेता पर संसद में झूठ बोलने पर शुरू हुई अदालती सुनवाई

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में भारतीय मूल के विपक्ष के नेता प्रीतम सिंह के खिलाफ संसद में अपनी पूर्व सहयोगी के बारे में पूछताछ के दौरान झूठ बोलने के सिलसिले में सोमवार को अदालती सुनवाई शुरू हुई। सिंह की वर्कर्स पार्टी (डब्ल्यूपी) की पूर्व सहयोगी रईसा खान ने एक बलात्कार पीड़िता के साथ थाने जाने के बारे में 2021 में संसद में दो बार झूठ बोला था। थाने में एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर महिला के पहनावे और मद्यपान के बारे में टिप्पणी की थी। सिंह (48) पर 10 सितंबर और 15 दिसंबर, 2021 को विशेषाधिकार समिति के सामने झूठ बोलने का आरोप है। इस समिति ने खान के आचरण की जांच के लिए इन तारीखों को बैठक की थी। सिंह पर झूठ बोलने का आरोप है कि आठ अगस्त, 2021 को खान और डब्ल्यूपी सदस्यों सिल्विया लिम और मुहम्मद फैसल अब्दुल मनाप के साथ बैठक के आखिर में वह चाहते थे कि खान संसद में किसी समय पर स्पष्ट रूप से कह दें कि उन्होंने बलात्कार पीड़िता के साथ थाने जाने के बारे में जो कुछ कहा था वह झूठ था। एक अन्य कथित झूठ यह है कि जब सिंह ने तीन अक्टूबर, 2021 को खान से बात की, तो वह उन्हें यह बताना चाहते थे कि अगर अगले दिन संसद में यह मुद्दा आया, तो उन्हें स्पष्ट करना होगा कि बलात्कार पीड़िता के साथ जाने की उनकी कहानी झूठी थी। चैनल न्यूज एशिया की खबर है कि उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं वर्तमान उप अटॉर्नी जनरल अंग चेंग हॉक की अगुवाई में अभियोजकों की एक टीम ने आरोप लगाया कि सिंह ने खान के झूठ के मामले में अपनी जिम्मेदारी को कमतर दिखाने की चेष्टा में विशेषाधिकार समिति के सामने झूठी गवाही दी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने अल्जीरियाई राष्ट्रपति तब्बौन से वार्ता की

भाषा। अल्जीयर्स (अल्जीरिया)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को यहां अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की तथा विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने पर सहमति जताई। मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत रविवार को यहां पहुंचीं, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की पहली अल्जीरिया यात्रा है। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत-अल्जीरिया के संबंधों को गति प्रदान कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देल मजीद तब्बौन से मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर लिखा गया, दोनों नेताओं ने भारत-अल्जीरिया संबंधों की समीक्षा की और विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करने पर राजी हुए। अल्जीरिया में भारतीय दूतावास की वेबसाइट के अनुसार 2022-23 के दौरान भारत से अल्जीरिया को निर्यात 61.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर था जो 2023-24 में बढ़कर 84.816 करोड़ डॉलर हो गया। 2022-23 के दौरान भारत का आयात 1.5 अरब डॉलर था और 2023-24 के दौरान 88.554 करोड़ डॉलर हो गया। भारत द्वारा अल्जीरिया को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों में चावल, दवा उत्पाद, पॉलीएथिलीन टेरेफ्थेलेट, ग्रेनाइट और बोनलेस मांस शामिल है। अल्जीरिया से भारत द्वारा आयातित उत्पादों में मुख्य रूप से पेट्रोलियम तेल, एलएनजी, प्राकृतिक

कैल्शियम फॉस्फेट, संतृप्त मेथनॉल और यूरिया शामिल है। राष्ट्रपति मुर्मू ने आज दिन में यहां मकम एचाहिद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और अल्जीरिया की आजादी की लड़ाई में जान गंवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति ने मोउदजाहिद में नेशनल म्यूजियम का भी दौरा किया जो आजादी के लिए अल्जीरिया के संघर्ष की याद दिलाता है। रविवार को अल्जीरियाई राजधानी में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत के दौरान मुर्मू ने कहा कि नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ अल्जीरिया के प्रमुख 50 के दशक के अंत और 60 के दशक की शुरुआत में भारत में मौजूद थे और जब 1962 में अल्जीरिया स्वतंत्र हुआ।

एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचेंगे विदेश मंत्री जयशंकर

लाहौर (पाकिस्तान)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन मे हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को पाकिस्तान पहुंचने वाले हैं। पिछले कई वर्षो से दोनो पड़ोसी देशों के बीच संबंधो मे जारी तनाव के बीच भारत की ओर से पाकिस्तान की यह पहली उच्च स्तरीय यात्रा होगी। अधिकारियो ने बताया कि इस्लामाबाद पहुंचने के तुरंत बाद विदेश मंत्री जयशंकर एससीओ सदस्य देशो के स्वागत के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मेजबानी मे आयोजित स्वागत भोज में शामिल होंगे। दोनो पक्षो ने एससीओ शासनाध्यक्षो के शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच किसी भी द्विपक्षीय वार्ता से इनकार किया है। करीब नौ साल बाद यह पहला मौका है जब भारत के विदेश मंत्री पाकिस्तान की यात्रा करेंगे, जबकि कश्मीर मुद्दे और पाकिस्तान की ओर से सीमा पार आतंकवाद को लेकर दोनो पड़ोसी देशो के बीच संबंधो मे अब भी बर्फ जमी हुई है। ऐसी सूचना है कि जयशंकर पाकिस्तान मे 24 घंटे से भी कम समय रुकेंगे। पाकिस्तान एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी कर रहा है जो 15 और 16 अक्टूबर को होगी। पाकिस्तान की यात्रा करने वाली भारत की आखिरी विदेश मंत्री सुषमा स्वराज थी।

पर्यावरण अनुकूल भोजन के बारे में पांच मिथक

भाषा। सिंगापुर

ऑर्गेनिक बीफ , जीएमओ-मुक्त और शत-प्रतिशत प्राकृतिक खाद्य पदार्थ उन अनगिनत दावों में से कुछ ऐसे दावे हैं जो सुपरमार्केट में पर्यावरण के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं का ध्यान आकृष्ट करने के लिए किए जाते हैं। यद्यपि लोग ऐसे लेबल वाले खाद्य पदार्थों पर अधिक खर्च करने के लिए तैयार हैं, लेकिन अक्सर इस बात पर पर्याप्त विचार नहीं किया जाता है कि ए विशेषताएं वास्तव में किसी खाद्य पदार्थ की पर्यावरणीय स्थिरता में कितना योगदान देती हैं। यह समझने योग्य बात है कि आखिर क्यों उपभोक्ता भ्रमित हैं। विभिन्न खाद्य पदार्थों के पर्यावरणीय प्रभावों का निर्धारण करना बहुत ही जटिल काम है, क्योंकि ए इस बात से प्रभावित होते हैं कि वे कितने संसाधनों और ऊर्जा का उपभोग करते हैं, वे ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन कितना करते हैं, वे उस क्षेत्र की जैव विविधता को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, जहां उनका उत्पादन होता है, उन्हें बाजार में कैसे और कितनी दूर तक पहुंचाया जाता है, तथा वे कितना और किस प्रकार का कचरा पैदा करते हैं। इसके बावजूद, मानव स्वास्थ्य और ग्रह दोनों को लाभ पहुंचाने वाले आहार की बुनियादी विशेषताएं स्पष्ट हैं। हमारे दैनिक कैलोरी सेवन का कम से कम आधा हिस्सा फलों, सब्जियों, साबुत अनाज, फलियों, मेवों और बीजों से आना चाहिए, जबकि लाल मांस और ऊर्जा से भरपूर, पोषक तत्वों से रहित खाद्य पदार्थ जैसे कि चीनी और परिष्कृत अनाज को काफी सीमित करना चाहिए। दुर्भाग्य से, ठेठ पश्चिमी आहार इस आदर्श से बहुत दूर हैं और कई आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कारक इस विसंगति में योगदान करते हैं, फलस्वरूप इससे निपटना एक कठिन मुद्दा बन जाता है। हालांकि, जनता को अधिक स्थाई उपभोग से रोकने वाली मनोवैज्ञानिक बाधाओं से निपटना उनके व्यवहार को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। ऐसा करने की दिशा में पहला कदम उपभोक्ताओं के बीच इस बात की महत्वपूर्ण कमी को दूर करना है कि आखिर ऐसा क्या हो जो खाद्य विकल्प को पर्यावरण के अनुकूल बनाता है। पहला मिथक: मांस के पर्यावरण संबंधी प्रभावों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है खाद्य उत्पादन की दृष्टि से पशुपालन पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों में से एक है, क्योंकि इसमें ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन अधिक होता है।

हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी से संभव इलाज

हाइपरबैरिक सोसाइटी ऑफ इंडिया अपोलो अस्पताल नई दिल्ली के सहयोग से हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैए जो एक क्रांतिकारी चिकित्सा उपचार है जो पिछले दशक में काफी बढ़ा है। हाइपरबैरिक सोसाइटी ऑफ इंडिया की 25वीं वर्षगांठ के समारोह के तहतए हम इस अत्याधुनिक उपचार के लाभोंए अनुप्रयोगों और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में जनता और स्वास्थ्य देखभाल समुदाय को शिक्षित करने का लक्ष्य रखते हैं। हाइपरबैरिक चिकित्सा में एक दबावयुक्त कक्ष में शुद्ध ऑक्सीजन में श्वास लेना शामिल हैए जो शरीर की प्राकृतिक उपचार प्रक्रियाओं को बढ़ाता है। बढ़े हुए दबाव के कारण ऑक्सीजन रक्त प्रवाह में अधिक प्रभावी ढंग से घुल जाता हैए जिससे पुरानी घावोंए संक्रमणोंए कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता और कुछ न्यूरोलॉजिकल स्थितियों वाले मरीजों में तेजी से ठीक होने में मदद मिलती है। ऐसे घावों में उपचार में सुधार के लिए मान्यता प्राप्त है जो ठीक नहीं हो रहे हैंए जैसे कि मधुमेह के पैर के अल्सरए और यह विकिरण चोटोंए संक्रमणों और यहां तक कि आघात मस्तिष्क चोटों के इलाज में आशाजनक साबित हुआ है। भारत में हाइपरबैरिक केंद्रों के विस्तार के साथए यह चिकित्सा अब केवल बड़े शहरों में ही नहीं बल्कि ज्पमत प्प् और ज्पमत प्प्प् शहरों में भी उपलब्ध है। हाइपरबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी के मुख्य लाभ-. त्वरित घाव चिकित्सारू विशेष रूप से पुरानीए गैर.ठीक होने वाले घावों के लिए प्रभावी। धारित वसूलीरू आघातए जलने और पोस्ट.सर्जिकल उपचार में समर्थन करता है। न्यूरोप्रोटेक्टिव प्रभावरू आघात मस्तिष्क चोटों जैसी न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के इलाज में संभावित। सूजन में कमीरू हाइपरबैरिक चिकित्सा सूजन को कम करने और ऊतक पुनर्जनन को बढ़ावा देती है। उल्लेखनीय क्षमता के बावजूद कई मरीजों और यहां तक कि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर भी हाइपरबैरिक चिकित्सा के लाभों की पूरी सीमा से अनजान हैं।

उ. कोरिया अंतर-कोरियाई सड़कों के उत्तरी हिस्सों को नष्ट करने की तैयारी कर रहा है : दक्षिण कोरिया

भाषा। सियोल (दक्षिण कोरिया),

दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उसे ऐसे संकेत मिले हैं कि उत्तर कोरिया अब उपयोग में नहीं लाए जा रहे अंतर कोरियाई सड़कों के उत्तरी हिस्सों को नष्ट करने की तैयारी कर रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने सोमवार को कहा कि उसे पता चला है कि उत्तर कोरिया विस्फोटों की तैयारी कर रहा है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि उत्तर कोरिया सड़कों का कितना हिस्सा नष्ट करेगा। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया पर इस महीने तीन बार ड्रोन भेजकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। उसने धमकी दी है कि अगर ऐसी घटना फिर हुई तो वह जबर्दस्त कार्वाई करेगा।

तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगा भारत

● न्यूजीलैंड को भी अपने तूफानी गेंदबाजो से उम्मीद

भाषा। बेंगलुरू

पिच पर घास की मौजूदगी और मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नेट पर जमकर अभ्यास, बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां होने वाले पहले टेस्ट मैच में भारत के तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तेज गेंदबाजों को गेंदबाजी का बड़ा जिम्मा उठाना होगा और इसे ध्यान में रखते हुए भारत बांग्लादेश के खिलाफ हाल की घरेलू श्रृंखला के बाद से अपने तेज गेंदबाजों को अधिक मौका दे रहा है।बुमराह, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप ने बांग्लादेश के खिलाफ यह जिम्मेदारी निभाई और मेजबान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ भी इन तीनों के साथ उतर सकती है। अगले कुछ दिनों में मौसम भी खराब रहने की भविष्यवाणी है जिससे तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का मामला मजबूत हो गया है। हालांकि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अपनी योजना का खुलासा नहीं किया है।गंभीर ने सोमवार को यहां संवाददाताओं से कहा, यह (संयोजन) परिस्थितियों, विकेट और विपक्षी टीम पर निर्भर करता है। इस ड्रेसिंग रूम की सबसे अच्छी बात यह है कि हमारे पास इतने सारे स्तरीय खिलाड़ी हैं और हम उनमें से किसी को भी चुन सकते हैं। हम जानते हैं कि वे हमारे लिए काम कर सकते हैं। इसे ही गहराई कहते हैं। उन्होंने कहा, हम कल पिच देखेंगे। हम बातचीत करेंगे और देखेंगे कि चिन्नास्वामी स्टेडियम में काम करने के लिए सबसे अच्छा संयोजन क्या है। हालांकि गंभीर, कप्तान रोहित शर्मा और थिंक टैंक के अन्य सदस्य निश्चित रूप से न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के श्रीलंकाई स्पिनरों के खिलाफ हाल ही में किए गए संघर्ष पर विचार करेंगे। न्यूजीलैंड ने पिछले महीने दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में बाएं हाथ के स्पिनर प्रभात जयसूर्या की अगुवाई वाले श्रीलंकाई स्पिनरों के सामने 37 विकेट गंवाए थे।

न्यूजीलैंड के लिए जरूरी है अश्विन, जडेजा के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी: रचिन रविंद्र

बेंगलुरु। न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज रचिन रविंद्र ने सोमवार को कहा कि अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के दोहरे खतरे से निपटना भारत के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला मे उनकी टीम की सफलता के लिए महत्वपूर्ण होगा।अश्विन और जडेजा ने टेस्ट मे मिलकर 800 से अधिक विकेट हासिल किए है। यह दोनों वर्तमान में विश्व क्रिकेट में सबसे अनुभवी गेंदबाजी जोड़ियों मे से एक है।रचिन ने सोमवार को यहां कहा, वे लंबे समय तक एक क्षेत्र मे गेंदबाजी करने की क्षमता रखते है। मेरा मतलब है आप दो स्पिनरो को देखते है जो लगातार खेलते है। अश्विन और जडेजा दोनों बहुत ही कुशल गेंदबाज है। आप जानते है कि वे बल्लेबाजी भी कर सकते है जिससे प्रतिद्वंद्वी टीम के लिए परिस्थितियां थोड़ी कठिन हो जाती है। उन्होंने कहा, वे निरंतर अच्छी गेंदबाजी करते है।

गंभीर खेल के शानदार विचारक हैं: स्टार्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने गौतम गंभीर की रणनीतिक सूझबूझ की सराहना करते हुए कहा कि भारत के कोच खेल के शानदार विचारक हैं जो टीम की जरूरतों को प्राथमिकता देते हैं और तकनीक तथा क्षेत्ररक्षण सजाने में समायोजन के माध्यम से लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। एक खिलाड़ी के रूप में स्टार्क ने इस साल की शुरुआत में इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के तत्कालीन मेंटर (मार्गदर्शक) गंभीर के साथ काम किया था। गंभीर के मार्गदर्शन में केकेआर ने अपने सबसे प्रभावशाली सत्रों में से एक का आनंद लिया और 10 साल के अंतराल के बाद खिताब जीता। स्टार्क ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, कोलकाता में अपने अनुभव से बोलते हुए, वह खेल के शानदार विचारक हैं। वह हमेशा प्रतिद्वंद्वी के बारे में सोचते हैं और गेंदबाजी आक्रमण के रूप में उन्हें कैसे आउट करना है या बल्लेबाजी आक्रमण के रूप में कैसे रन बनाना है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ व्यक्तिगत खिलाड़ियों के बारे में नहीं है। यह हमेशा टीम की एकाग्रता के बारे में है और तकनीक या क्षेत्ररक्षण सजाने या इस तरह की किसी भी चीज में छोटी-छोटी चीजों पर कैसे ध्यान दिया जाए।

जितना जोखिम, उतना फायदा, बल्लेबाजों पर नहीं लगाएंगे लगाम : गंभीर

भाषा। बेंगलुरु

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सोमवार को यह स्पष्ट किया कि वह टेस्ट क्रिकेट में अपने बल्लेबाजों पर लगाम नहीं लगाएंगे क्योंकि जितना अधिक जोखिम लिया जाएगा उतना ही फायदा भी होगा। भारत ने हाल में बारिश से प्रभावित कानपुर टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ इसी तरह का रवैया अपनाया था। इस मैच में बारिश के कारण दो दिन का एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी थी लेकिन भारत ने आखिर में सात विकेट से जीत दर्ज की थी। गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू होने वाले तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला से पूर्व संवाददाताओं से कहा, हमें उन पर लगाम लगाने की क्या जरूरत है। अगर वह नैसर्गिक क्रिकेट खेल सकते हैं, अगर वह एक दिन में 400 से 500 रन बना सकते हैं तो इसमें क्या गलत है। हम जितना अधिक जोखिम उठाएंगे, जितना जोखिम उतनी असफलता की संभावना का रवैया जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, कोई ऐसा दिन भी होगा जब हमारी टीम 100 रन पर आउट हो जाए लेकिन हमें इसे स्वीकार करना होगा। हम अपने खिलाड़ियों का जोखिम से भरी क्रिकेट खेलने के लिए समर्थन जारी रखेंगे। हम इसी तरह से आगे बढ़ना चाहते हैं तथा कैसी भी परिस्थिति हो परिणाम हासिल करना चाहते हैं। गंभीर ने हालांकि तुरंत ही कहा की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना उनकी टीम के लिए आगे भी महत्वपूर्ण बना रहेगा।उन्होंने कहा, मैंने चेन्नई में कहा था कि हम एक ऐसी टीम चाहते हैं जो एक दिन में 400 रन बनाए तथा दो दिन तक बल्लेबाजी करके मैच ड्रॉ करा सके। इसे ही आगे बढ़ना कहा जाता है। इसे परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना कहा जाता है। यही टेस्ट क्रिकेट है। अगर आप हमेशा एक ही ढर्रे पर बने रहते हैं तो फिर आगे नहीं बढ़ सकते। गंभीर को विश्वास है कि उनके खिलाड़ी अपनी सीमा से आगे निकलने के टीम के रवैए पर कायम रहते हुए किसी भी परिस्थिति से पार पाने की क्षमता रखते हैं।उन्होंने कहा, हमारी टीम में कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो दो दिन तक बल्लेबाजी कर सकते हैं।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं

बेंगलुरु। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है। कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिए आस्ट्रेलिया जाना है। गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा , विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है।उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी। उन्होंने कहा , यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा।

सीआरपीसी, टीएनपी, सीबीडी, एसएसबी जीते

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीसी), तमिलनाडु पुलिस (टीएनपी), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडी), और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने चौथे हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय अंतर-विभागीय चैंपियनशिप के शुरुआती दिन सोमवार को यहां अपने-अपने मैच जीते। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में दिन के पहले मैच में सीआरपीसी ने पूल ए में केंद्रीय सचिवालय को 3-1 से हराया।

नीतीश ने महिला हॉकी को बढ़ावा देने के लिए ट्रॉफी यात्रा को हरी झंडी दिखाई

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 11 से 20 नवंबर तक राजगीर में होने वाली एशियाई हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी (महिला) 2024 की ट्रॉफी यात्रा को हरी झंडी दिखाई। गौरव यात्रा को आधिकारिक रूप से हरी झंडी दिखाने से पहले मुख्यमंत्री ने ट्रॉफी का अनावरण किया। बाद में उन्होने ट्रॉफी को बस के साथ आई एकलव्य स्पोर्ट्स स्कूल की छात्राओं को दिया। विशेषकर महिलाओं के बीच खेलों को प्रोत्साहित करने और टूर्नामेंट को बढ़ावा देने के लिए ट्रॉफी को विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

विक्रमादित्य ने तीन अन्य के साथ बनाई बढ़त

मुंबई। मुंबई के अंतरराष्ट्रीय मास्टर विक्रमादित्य कुलकर्णी ने पांच दौर में लगातार पांचवी जीत के दम पर एसएमसीए शतरंज स्कूल अखिल भारतीय फिडे रेटिंग ओपन शतरंज टूर्नामेंट 2024 में यश वातरकर (पुणे), अर्णव खेरडेकर (मुंबई) और सैक्त नाथ (दिल्ली) के साथ संयुक्त रूप से बढ़त बना ली है। पांचवें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त कुलकर्णी ने दर्श शेट्टी जबकि वातरकर ने दीपक सोनी को शिकस्त दी।

दिल्ली में विश्व कप फाइनल में भाग नहीं लेंगे

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक ट्रैप स्वर्ण पदक विजेता नाथन हेल्स सहित ब्रिटेन के तीन शीर्ष शॉटगन निशानेबाज कागजी कार्वाई को लेकर भ्रम के कारण वीजा नही मिलने से यहां होने वाले सत्रांत आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल मे हिस्सा नही ले पाएंगे जिससे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की चमक कुछ कम हो गई है। विश्व कप फाइनल कर्णी सिंह रेंज मे शुरू हुआ जिसमें ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप पदक विजेताओं सहित दुनिया भर के शीर्ष निशानेबाजों ने सोमवार को ट्रेनिंग सत्र मे भाग लिया।

स्टोक्स की दूसरे टेस्ट मैच की टीम में वापसी

मुल्तान। पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला मे मंगलवार से यहां खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट मैच मे इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स की अंतिम एकादश में वापसी हुई है। स्टोक्स हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण अगस्त से टीम से बाहर थे। इस श्रृंखला के पहले टेस्ट में इंग्लैंड ने पाकिस्तान को एक पारी और 47 रनों से हराया था।इंग्लैंड की एकादश में गस एटकिंसन की जगह तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया गया है।

फखर को दिया कारण बताओ नोटिस

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के कथित उल्लंघन के लिए अपने केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी फखर जमां को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। फखर ने रविवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए बाबर आजम को पाकिस्तान टीम से बाहर करने के फैसले पर सवाल उठाया था।

गर्ग ने यूपी के लिए जड़ा शतक, मैच ड्रा

● रणजी ट्राफी : ईश्वरन ने बंगाल के लिए लगाया सैकड़ा

लखनऊ। अनुभवी सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन ने नाबाद 127 रन की पारी खेलकर रणजी ट्रॉफी ग्रुप सी मैच के चौथे दिन सोमवार को यहां बंगाल को मजबूत स्थिति में पहुंचाया लेकिन प्रियम गर्ग की नाबाद शतकीय पारी से उत्तर प्रदेश इस मुकाबले को ड्रॉ कराने में सफल रहा। पहली पारी में बढ़त के आधार पर इस मैच से बंगाल को तीन जबकि उत्तर प्रदेश को एक अंक मिला। बंगाल ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के 141 रन से आगे से करते हुए तीन विकेट पर 254 रन पर अपनी दूसरी पारी घोषित कर दी। ईश्वरन ने 172 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए। प्रथम श्रेणी में यह उनका लगातार चौथा शतक है। उत्तर प्रदेश को जीत के लिए 274 रन का लक्ष्य मिला लेकिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक टीम 51 ओवर में छह विकेट पर 162 रन ही बना सकी। बंगाल ने पहली पारी में 311 रन बनाने के बाद उत्तर प्रदेश को 292 रन पर आउट कर 19 रन की बढ़त हासिल की थी। ईश्वरन ने चौथे दिन का आगाज 78 रन से आगे से करते हुए प्रथम श्रेणी का अपना 27वां शतक जड़ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में रिजर्व सलामी बल्लेबाज के लिए अपना दावा मजबूत किया। मुकेश कुमार और मोहम्मद कैफ की बंगाल की तेज गेंदबाजों की जोड़ी ने सलामी बल्लेबाजों आर्यन जुयाल (पांच) और स्वास्तिक चिकारा (12) को सस्ते में समेट कर उत्तर प्रदेश की मुश्किलें बढ़ा दी लेकिन इसके बाद गर्ग ने एक छोर संभाले रखा। उन्होंने छक्के के साथ अपना शतक पूरा किया। उन्होंने 156 गेंद की नाबाद पारी में 105 रन बनाए। इंदौर में खेले मैच में मध्य प्रदेश के आठ विकेट पर 425 रन के जवाब में कर्नाटक ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 206 रन बनाए। कर्नाटक के लिए निकिन जोश ने 99 जबकि श्रेयस गोपाल ने नाबाद 60 रन का योगदान दिया। इस मैच में दोनों टीमों को

विदर्भ ने आंध्र को 74 रन से हराया

नागपुर। तेज गेंदबाज आदित्य ठाकरे और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे ने मिलकर आठ विकेट चटकाए जिससे विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच में सोमवार को यहां आंध्र को 74 रन से शिकस्त दी। विदर्भ की टीम पहली पारी में 118 रन पर आउट हो गई थी जिसके जवाब में आंध्र ने पहली पारी मे 167 रन बनाए थे। विदर्भ ने दूसरी पारी मे अथर्व ताइडे (118) के शतक और अमन मोखाडे (53) तथा दानिश मेलेवर (61) के अर्धशतक से 366 रन बनाए और आंध्र को 318 रन का लक्ष्य दिया। ठाकरे (47 रन पर चार विकेट), दुबे (69 रन पर चार विकेट) और अनुभवी ऑफ स्पिनर अक्षय वखारे (71 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने आंध्र की टीम 86.4 ओवर मे 243 रन पर सिमट गई और मैच हार गई। जयपुर मे ग्रुप बी के एक अन्य मैच मे मेजबान राजस्थान की टीम पुडुचेरी के खिलाफ जीत दर्ज करने के करीब पहुंची लेकिन अंततः 19 रन से पीछे रह गई और उसे ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। राजस्थान को हालांकि पहली पारी मे बढ़त

क्विक न्यूज

हॉकी इंडिया महिला लीग की पहली नीलामी में 350 से अधिक खिलाड़ियों पर लगेगी बोली

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग में पहली बार महिलाओं की लीग के लिए होने वाली नीलामी में दुनिया भर की 350 से अधिक खिलाड़ियों पर मंगलवार को यहां बोली लगेगी। सात साल बाद हॉकी इंडिया लीग नए प्रारूप में लौट रही है जिसमें पहली बार महिलाओं की अलग लीग होगी। ऐतिहासिक नीलामी मे 250 से अधिक घरेलू और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ियो पर बोली लगाई जाएगी। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ियो मे अनुभवी गोलकीपर सविता, राष्ट्रीय कप्तान सलीमा टेटे, ड्रैग फ्लिकर दीपिका , अनुभवी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेम्सियामी शामिल हैं।इनके अलावा योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पा जैसे पूर्व खिलाड़ियों ने भी नाम दर्ज कराए है। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियो मे डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टापेनहोर्स्ट(जर्मनी), मारिया ग्रानाटो (अर्जेंटीना) , रशेल लिंच (आस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) प्रमुख है। एचआईएल महिला लीग के पहले सत्र में चार टीमें होंगी जबकि दूसरे सत्र मे दो और टीमें जोड़ी जाएंगी। इन टीमों मे सूरमा हॉकी क्लब, बंगाल टाइगर्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स और ओडिशा वारियर्स है। दूसरे सत्र मे हैदराबाद तूफांस औ बीसी जिंदल समूह की एक टीम होगी।

पाक के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की अगुवाई करेंगे कमिंस

सिडनी।ऑस्ट्रेलिया के नियमित कप्तान पैट कमिंस पाकिस्तान के खिलाफ अगले महीने होने वाली तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला में फिर से अपने देश की अगुवाई करेंगे। पिछले साल नवंबर मे भारत मे विश्व कप जीतने के बाद यह पहला अवसर होगा जबकि कमिंस वनडे टीम की कमान संभालेंगे।टेस्ट टीम में कमिंस के नियमित साथी तेज गेंदबाजो जोश हेज़लवुड और मिशेल स्टार्क को भी ऑस्ट्रेलिया की 14 सदस्ईय टीम में शामिल किया गया है। सितंबर में स्कॉटलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की टी20 श्रृंखला मे रन बनाने के लिए जूझने वाले सलामी बल्लेबाज जेक फ्रेजर मैकगर्क को एक और मौका दिया गया है। मैकगर्क स्कॉटलैंड के खिलाफ दो मैच में खाता भी नही खोल पाए थे जबकि एक मैच में उन्होंने 16 रन बनाए थे

भारत के खिलाफ टेस्ट में चौथे नंबर पर लौटेंगे स्मिथ

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला मे अपने पसंदीदा चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर के इस साल संन्यास लेने के बाद से स्मिथ स्वेच्छा से पारी का आगाज कर रहे थे। उन्होंने नई भूमिका में दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाए लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला मे अच्छा प्रदर्शन नही कर सके। उन्होंने चार पारियो मे कुल 51 रन ही बनाए।बेली ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा , पैट कमिंस, एंड्रयू मैक्डोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी की शुरूआत की बजाय नीचे उतरने की इच्छा जताई है। पैट और एंड्रयू ने पुष्टि की कि वह इस सत्र मे बल्लेबाजी क्रम मे नीचे उतरेगा। बेली ने यह नही बताया कि वह किस नंबर पर उतरेंगे लेकिन उनका चौथे नंबर पर उतरना तय लग रहा है। ऐसा इसलिए भी है क्योकि उनकी जगह चौथे नंबर पर उतरने वाले कैमरन ग्रीन कमर की सर्जरी के कारण छह महीने तक मैदान से बाहर रहेगे।

भारत ए के खिलाफ श्रृंखला के लिए युवा बल्लेबाज कोंटास ऑस्ट्रेलिया की टीम में

मेलबर्न। घरेलू क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन से लोगों का ध्यान खीचने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोंटास को भारत ए के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला के लिए नाथन मैक्स्वीनी की अगुवाई मे वाली ऑस्ट्रेलिया ए की 17 सदस्ईय टीम मे शामिल किया गया है। भारत ए पांच टेस्ट मैचो की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला की तैयारी के सिलसिले में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मैकाय (31 अक्टूबर से चार नवंबर) और मेलबर्न (सात से 10 नवंबर) मे दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेगा।शेफील्ड शील्ड के पहले मैच की दोनो पारियों मे शतक बनाने के कारण 19 वर्षीय कोंटास को ऑस्ट्रेलिया ए की टीम मे शामिल किया गया है। वह रिकी पोंटिग के बाद शेफ़ील्ड शील्ड के पहले मैच में दो शतक बनाने वाले दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए है। कैमरन बैनक्रॉफ्ट और मार्कस हैरिस तथा तस्मानिया के ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को भी टीम मे शामिल किया गया है। वेबस्टर ने शील्ड के वर्तमान सत्र मे विक्टोरिया के खिलाफ शतक भी बनाया था। ऑस्ट्रेलियाई चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, हमने घरेलू सत्र मे अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियो को टीम मे जगह दी है और हम वास्तव मे इसको लेकर उत्साहित है।

टी20 इमर्जिंग टीम में भारत ए के कप्तान होंगे तिलक

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज तिलक वर्मा 18 से 27 अक्टूबर तक ओमान मे होने वाले टी20 इमर्जिंग टीमो के एशिया कप मे भारत ए के कप्तान होंगे जबकि अभिषेक शर्मा उपकप्तान होंगे। इक्कीस वर्ष के वर्मा के पास चार वनडे और 16 टी20 मैचो का अनुभव है जबकि शर्मा आठ टी20 मैच खेल चुके है। टीम मे लेग स्पिनर राहुल चाहर भी है।भारत ए टीम मे आईपीएल के कई सितारे है जिनमें पंजाब किंग्स के प्रभसिमरन सिंह, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के अनुज रावत, लखनऊसुपर जाइंट्स के आयुष बडोनी और कोलकाता नाइट राइडर्स के रमनदीप सिंह शामिल है। गेंदबाजी मे वैभव अरोड़ा (केकेआर), आर साइ किशोर (गुजरात टाइटंस), रितिक शोकीन (मुंबई इंडियंस) और रसिख सलाम (दिल्ली कैपिटल्स) नजर आएंगे। भारत ए टीम को ग्रुप बी में रखा गया है और उसे 19 अक्टूबर को पाकिस्तान से पहला मैच खेलना है। ग्रुप ए मे अफगानिस्तान, बांग्लादेश, हांगकांग और श्रीलंका की ए टीमे है। पहली बार यह टूर्नामेंट टी20 प्रारूप मे खेला जा रहा है जबकि अब तक 50 ओवरो का ही होता था।

भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे ग्रीन, पीठ का ऑपरेशन करवाएंगे

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को रीढ़ की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण भारत के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला में नही खेल पाएंगे।यह 25 वर्षीय खिलाड़ी अपनी पीठ का ऑपरेशन करवाएगा जिससे उबरने में उन्हें छह महीने का समय लग जाएगा। पिछले महीने ब्रिटेन का दौरे में उन्हें इसका पता चला। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को जारी बयान में कहा, तेज गेंदबाजों की रीढ़ की हड्डी में स्ट्रेस फ्रैक्चर होना आम बात है लेकिन कैमरन के फ्रैक्चर के पास वाले भाग में कुछ दिक्कत है जिसे चोट का कारण माना जा सकता है। ग्रीन का छह महीने तक बाहर रहने का मतलब है कि वह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी ही नही, फरवरी में श्रीलंका के दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी नही खेल पाएंगे। उनका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलना भी संदिग्ध है।जसप्रीत बुमराह, , जेम्स पैटिसन, जेसन बेहरेनडोर्फ और बेन ड्वारशुइस जैसे तेज गेंदबाज भी इस तरह का ऑपरेशन करवा चुके हैं और ग्रीन ने भी यही विकल्प चुना।

सिंधू, सेन की नजरें डेनमार्क ओपन में खोया फॉर्म हासिल करने पर

ओडेन्से (डेनमार्क)। भारतीय बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन मंगलवार से यहां शुरू हो रहे 850000 डॉलर ईनामी राशि के डेनमार्क ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के जरिए फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। दोनों खिलाड़ियों का पिछले सप्ताह फिनलैंड के वांता में हुए आर्कटिक ओपन में प्रदर्शन औसत रहा। पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू पहले ही दौर में बाहर हो गई जबकि 2021 विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता सेन दूसरे दौर में हार गए। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे सेन को चीनी ताइपे के चोउ तिएन चेन ने हराया था। अब यहां उनका सामना पहले दौर में चीन के लू गुआंग झू से होगा।

भार्गव भट्ट की शानदार गेंदबाजी

● बड़ौदा ने चैंपियन मुंबई को हराया

भाषा। वडोदरा

बाएं हाथ के स्पिनर भार्गव भट्ट ने शानदार गेंदबाजी करते हुए छह विकेट चटकाए जिससे बड़ौदा ने सोमवार को यहां रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच के अंतिम दिन गत चैंपियन मुंबई को 84 रन से हरा दिया। यह मैच उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन अंतिम दिन 34 वर्षीय भट्ट की तूती बोली। उन्होंने दूसरी पारी में 55 रन देकर छह विकेट लिए और मुंबई की बल्लेबाजी को तहस-नहस करके अपनी टीम को यादगार जीत दिलाई। जीत के लिए 262 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 42 बार की चैंपियन मुंबई की टीम 48.2 ओवर में 177 रन पर आउट हो गई। मुंबई को अंतिम दिन जीत के लिए 220 रन की जरूरत थी जबकि उसके आठ विकेट बचे हुए थे। उसने सुबह दो विकेट पर 42 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई लेकिन शीर्ष स्कोरर सिद्धेश लाड (59) और श्रेयस अय्यर (30) को छोड़कर उसका कोई भी अन्य बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया।मुंबई ने इस तरह से 38.5 ओवर में अपने बाकी बचे आठ विकेट गवा दिए। इस बीच उसकी टीम केवल 135 रन ही बना सकी।कप्तान अजिंक्य रहाणे (12) सोमवार को आउट होने वाले पहले बल्लेबाज थे। भट्ट ने उन्हें आउट करने के बाद कल के दूसरे अविजित बल्लेबाज आयुष म्हात्रे (22) को भी पवेलियन भेजा। अय्यर और लाड के विकेट भी भट्ट ने हासिल किए।बड़ौदा ने अपनी पहली पारी में 290 रन बनाए थे जिसके जवाब में मुंबई की टीम 214 रन बनाकर आउट हो गई थी।

सैनी के तीन विकेट से दिल्ली ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ तीन अंक लिए

रायपुर। नवदीप सैनी के तीन विकेट की मदद से दिल्ली ने रणजी ट्रॉफी मौजूदा सत्र के पहले मैच में छत्तीसगढ के खिलाफ पहली पारी की बढत के आधार पर तीन अंक हासिल कर लिए। अनुभवी जोंटी सिद्धू के दूसरे प्रथम श्रेणी शतक की मदद से दिल्ली ने पहली पारी में बढत बनाई। छत्तीसगढ के 243 रन के जवाब में दिल्ली ने पहली पारी में 357 रन बनाए थे। बिना किसी नुकसान के 33 रन से आगे खेलते हुए छत्तीसगढ ने 60 ओवरों में छह विकेट पर 179 रन बनाए जब दोनों कप्तानों ने कोई नतीजा नहीं निकलता देख ड्रॉ पर सहमति जताई। सैनी ने चौथे दिन 12 ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए। आयुष पांडे (33) और एकनाथ केरकर (13) जल्दी आउट हो गए। लंच तक छत्तीसगढ ने पांच विकेट गंवा दिए जबकि सौ रन की बढत भी नहीं बन सकी थी। कप्तान खारी और अजय मंडल ने 17 . 4 ओवर में 38 रन ही जोड़े लेकिन इतने ओवर खेल लिए कि मैच ड्रॉ हो सके। अन्य मैचों में कोयंबटूर में तमिलनाडु ने सौराष्ट्र को एक पारी और 70 रन से हराकर सात अंक हासिल किए।

पर्सनल वारियर्स व कामर्शियल चैलेंजर्स खिताबी होड़ में

● मंगलवार को खेला जाएगा फाइनल

लखनऊ। पर्सनल वारियर्स और कामर्शियल चैलेंजर्स ने स्वच्छता स्पोर्ट्स लीग इंटर डिपार्टमेंटल वॉलीबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए फाइनल में जगह बना ली। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल क्रीड़ा संघ के तत्वावधान में एनईआर स्टेडियमए ऐशबाग पर खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले सेमीफ ाइनल में कामर्शियल चैलेंजर्स ने इलेक्ट्रिकल वारियर्स को एकतरफा 25-10, 25-10 से हराया। दूसरे सेमीफ ाइनल में पर्सनल वारियर्स को जीत के लिए मशक्कत करनी पड़ी। पर्सनल वारियर्स ने टीआरडी को 25-16, 25-15 से हराया। हालंकि टीआरडी ने कई शानदार मूव बनाए लेकिन नाकामी का खामियाजा उसे हार के रुप में भुगतना पड़ा। सीनियर डीपीओ. एनईआर जंक्शन व क्रीड़ा अधिकारी राहुल यादव ने बताया कि वॉलीबाल टूर्नामेंट का फ ाइनल पर्सनल वारियर्स और कामर्शियल चैलेंजर्स के बीच दोपहर तीन बजे से खेला जाएगा। इसके बाद स्वच्छता स्पोर्ट्स लीग फुटसॉल टूर्नामेंट के फाइनल में सिक्योरिटी हंटर्स की मैकेनिकल मावरिक्स से भिड़ंत होगी।

सीजीएसटी एंड कस्टम की जीत में मयंक ने झटके 6 विकेट

लखनऊ। मैन ऑफ द मैच मयंक शर्मा-6 विकेट की घातक गेंदबाजी के चलते सीजीएसटी एंड कस्टम ने सातवीं इंटर ऑफिस कारपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में एचसीएल टेक को 27 रन से हराया। आरआर क्रिकेट स्टेडियम पर सीजीएसटी एंड कस्टम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन का स्कोर बनाया। प्रखर शर्मा 51, अभिनव श्रीवास्तव 46 रन 40 की उम्दा पारी खेली। एचसीएल टेक से राहुल आनंद को तीन व संजय को दो विकेट की सफलता मिली। जवाब में एचसीएल टेक 18.1 ओवर में 153 रन ही बना सका। अर्पण सिंह ने 43, विभास निगम ने 38 व सुमित गुलाटी ने 21 रन की पारी खेली लकिन टीम जीत से 27 रन दूर रह गयी। सीजीएसटी एंड कस्टम से मयंक शर्मा ने 4 ओवर में 32 रन देकर 6 विकेट चटकाए। रणधीर को दो विकेट मिले।

उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के चेयरमैन बने नीरज सिंह

● अतुल अग्निहोत्री वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सहदेव समन्वय समिति के चेयरमैन

लखनऊ। वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह को उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन की विशेष आम सभा-एसजीएम में सर्वसम्मति से चेयरमैन चुन लिया गया। इसके साथ ही कार्यकारिणी के विस्तार के साथ विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया। रविवार को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हुई बैठक में एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिषेक प्रकाश की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान विशेष रुप से उपस्थित उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के महासचिव डाण्आनन्देश्वर पाण्डेय ने नीरज सिंह को चेयरमैन बनाने का प्रस्ताव किया जिसका पूरी कार्यकारिणी ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। इसके पश्चात सचिव प्रमोद कुमार ने बैठक के एजेंडा की जानकारी दी और कार्यकारिणी के विस्तार व कमेटियों के गठन पर मुहर लगाई गई। बैठक में सचिव प्रमोद कुमार व कोषाध्यक्ष डा. रोहित पाण्डेय ने जानकारी दी कि खेल के प्रसार में योगदान को देखते हुए बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष अतुल अग्निहोत्री को वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। वहीं बाक्सिंग एसोसिएशन लखनऊ के सचिव सहदेव सिंह समन्वय समिति के चेयरमैन बनाये गए है। इसके अलावा गोरखपुर के राजेश नायक वरिष्ठ सह सचिव, मथुरा के मुकेश यादव व अलीगढ़ के ओम प्रकाश सह सचिव,मुजफ्फर नगर के विकास रूडकीवाल उपाध्यक्ष, बहराईच के अभिषेक धानुक व आगरा के पृथ्वीराज सदस्य मनोनीत किए गए है। इसी के साथ उत्तर प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा गठित विभिन्न समितियों के चेयरमैन की घोषणा की गई। नवनियुक्त चेयरमैन अब समितियों के सदस्यों का चुनाव करेंगे। नवगठित समितियों में सतीश सहरावत अनुशासन समिति,राजेश नायक चयन समिति, अतुल सिद्धार्थ आरओसी, दिलीप सिंह कोच कमीशन, सहदेव सिंह समन्वय समिति और भारत भूषण कोआर्डिनेशन कमेटी ओल्ड यूनिट के चेयरमैन बनाए गए है। नीरज सिंह ने कहा कि हम बाक्सिंग के प्रदेश में और ज्यादा विस्तार के लिए काम करेंगे। हमारा प्रयास होगा कि यूपी के खिलाड़ियों को अधिक से अधिक एक्सपोजर मिले ताकि प्रदेश के बाक्सर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी धाक जमा सके।

मसौदा विधेयक में खेल निकायों में महिलाओं को अधिक प्रतिनिधित्वः मांडविया

नई दिल्ली। सरकार द्वारा हाल ही में तैयार किए गए राष्ट्रीय खेल विधेयक के मसौदे में लैंगिक समानता को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए), भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और सभी राष्ट्रीय महासंघों में 30 प्रतिशत महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को यह जानकारी दी। मांडविया के अनुसार मसौदा विधेयक में यह भी प्रावधान है कि आईओए, पीसीआई और राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) की आम सभा में मतदान करने वाले सदस्यों में से 10 प्रतिशत उत्कृष्ट योग्यता वाले खिलाड़ी होंगे। विधेयक का मसौदा 10 अक्टूबर को प्रसारित किया गया था, जिसमें पूर्व विधाई परामर्श प्रक्रिया के तहत आम जनता और हितधारकों से टिप्पणियांसुझाव आमंत्रित किए गए थे। मांडविया ने कहा कि मसौदा विधेयक का उद्देश्य भारत के उभरते खेल परिदृश्य के अनुरूप मौजूदा ढांचे का आधुनिकीकरण और अपडेट करना है। उन्होंने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, यह विधेयक कार्यकारी समितियों और अन्य शासी निकायों में लिंग प्रतिनिधित्व को अनिवार्य बनाता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोभोरी गॉंगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा जागरण प्रकाशन लिमिटेड, डी-210, 211 सेक्टर 63 नोएडा फोन नंबर 01204615800 एक्सटेंशन 142, से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोभोरी गॉंगुली। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। मुख्य व्यवसायिक कार्यालय- 201-205 द्वितीय मंज़िल, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष:011-69342500१